कोटद्वार, बुधवार
22 अप्रैल 2026
वर्ष: 49
अंक: 4 पृष्ठ: 6
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

बिहार में श्रवण कुमार बने जेडीयू विधायक दल के नेता

- पूर्व मुख्यमंत्री नीतिश कुमार ने लगाई श्रवण के नाम पर मुहर

पटना (एजेंसी)। बिहार विधान सभा में जनता दल यूनाइडेट (जेडीयू) के विधायक दल के नेता श्रवण कुमार को चुना गया है। विधायक दल के नेता के रूप में श्रवण कुमार के नाम पर जेडीयू अध्यक्ष और पूर्व सीएम नीतिश कुमार ने अपनी मंजूरी की मुहर लगा दी। जेडीयू

ने विधानसभा में नेता के तौर पर श्रवण कुमार का नाम विधान सभा भेज दिया है। इसकी पुष्टि विधान सभा की ओर से जारी नोटिफिकेशन से हुई है। बिहार विधानसभा की ओर से जारी नोटिफिकेशन में बताया गया है कि जेडीयू ने विधायक दल के नेता के तौर पर श्रवण कुमार को चुना है। इसके पहले सोमवार को जेडीयू विधायक दल की बैठक नीतिश कुमार के 1 अणे मार्ग पर हुई थी। इस बैठक में नीतिश कुमार को विधायक दल का नेता चुने जाने के लिए अधिकृत किया था। आज नीतिश कुमार ने श्रवण कुमार के नाम पर मुहर लगा दी है।

नीतिश कुमार ने विधायकों को दिया था 200 सीट का लक्ष्य- जेडीयू विधायक दल की बैठक में नीतिश कुमार ने अपने विधायकों को 200 सीट के लक्ष्य को ध्यान में रखकर काम करने का निर्देश दिया था। साथ ही नीतिश कुमार ने कहा था कि वो पहले ही तरह बिहार की जनता के बीच आते-जाते रहेंगे। बता दें, जेडीयू विधायक दल के नेता चुने गए पूर्व मंत्री श्रवण कुमार की 3 दिन पहले ही बिहार सरकार ने सुरक्षा बढ़ा दी थी।

तमिलनाडु के शिवगंगा में भीड़ ने किया हमला

- ईसी के लोगों से छीन लिए जब्त किए 13.44 लाख कैश
- कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम के ऑफिस में थी मोटी रकम

शिवगंगा (एजेंसी)। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के दौरान शिवगंगा में भीड़ ने चुनाव ड्यूटी में लगे फ्लाइंग स्क्वॉड से 13.44 लाख रुपये की रकम छीन ली। यह रकम शिवगंगा के सांसद कार्ति चिदंबरम के ऑफिस से छापे के बाद जब्त की गई थी। भागने से पहले आरोपियों ने फ्लाइंग स्क्वॉड में शामिल कर्मचारियों की गाड़ी की

चाबी भी ले गए। पुलिस ने इस मामले में पलानियप्पन नाम के एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। चुनाव पर्यवेक्षक में जुटे अधिकारियों को सोमवार को सूचना मिली थी कि शिवगंगा के सांसद कार्ति चिदंबरम के कराईकुड़ी स्थित ऑफिस पर बड़ी रकम रखी गई है, जिसे वोटरों में बांटा जाना है। सूचना के आधार पर स्क्वॉड ने छापेमारी की। कार्ति चिदंबरम के ऑफिस में दो बैग और एक कपड़े का थैला मिला, जिसमें नोट भरे थे। अफसरों ने रकम जब्त कर ली। जब अफसर पैसे लेकर जाने लगे तो वहां मौजूद पलानियप्पन ने रकम गिनने की मांग कर दी।

गुजराती अनपढ़ के बाद अब मोदी आतंकवादी

मल्लिकार्जुन खरगे ने पीएम मोदी पर फिर दिया विवादित बयान, तमिलनाडु में वोटिंग से पहले खड़ी की कांग्रेस के लिए मुश्किल

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव प्रचार के अंतिम दिन कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पीएम नरेंद्र मोदी पर बड़ा हमला बोला। तमिलनाडु के चेलाचेरी प्रचार करने पहुंचे थे। मल्लिकार्जुन खरगे ने पीएम नरेंद्र मोदी के टेररिस्ट (आतंकवादी) शब्द का इस्तेमाल किया। खरगे ने कहा कि वे मोदी के साथ कैसे मिल सकते हैं। वह एक आतंकवादी हैं। और वह ऐसे व्यक्ति हैं जो समानता में विश्वास नहीं रखते। उनकी पार्टी भी समानता और न्याय में विश्वास नहीं रखती। और ये लोग उनके साथ मिल रहे

हैं, इसका मतलब है कि वे लोकतंत्र को कमजोर कर रहे हैं। बीजेपी ने खरगे के इस बयान पर आपत्ति जताते हुए उनसे माफी की मांग की है। बाद में मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा है कि उन्होंने ऐसा नहीं कहा।

पहले केरल में की थी विवादित टिप्पणी

पांच राज्यों के चुनाव के बीच यह दूसरा मौका है जब खरगे ने ऐसी टिप्पणी की है जिसे बीजेपी मुद्दा बना सकती है। केरल में प्रचार के दौरान खरगे ने गुजरात के लोगों को अनपढ़ कह दिया था। बाद में विरोध बढ़ने पर उन्होंने अपने बयानपर माफी मांग ली थी। खरगे का यह बयान कांग्रेस को इसलिए नुकसान पहुंचा सकता है क्योंकि गुजरात में स्थानीय निकाय के चुनाव चल रहे हैं।

एआईएडीएमके पर हमला, मोदी पर टिप्पणी

मल्लिकार्जुन खरगे ने एक प्रेस कांफ्रेंस में यह बयान दिया। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु में डीएमके और कांग्रेस का गठबंधन लोगों के लिए विकास के लिए काम करता रहेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी ने अन्नादुरैई, कलैगनार, कामराज, पेरियर और बाबा साहब अंबेडकर को नहीं मानते हैं। खरगे ने कहा कि वे (मोदी) समानता में यकीन नहीं रखते हैं। उनकी पार्टी भी समानता और न्याय में यकीन नहीं करती है। इसका मतलब है कि वे महान हस्तियों की विचारों को नहीं मानती है। तमिलनाडु में मल्लिकार्जुन खरगे का यह बयान ऐसे वक्त पर सामने आया है जब राज्य में 23 अप्रैल को वोटिंग होनी है। बीजेपी ने राज्य में एआईएडीएमके के साथ तालमेल करके चुनाव लड़ा है। पीएम नरेंद्र मोदी भी तमिलनाडु में प्रचार के लिए पहुंचे थे। तब उन्होंने संसद में महिला आरक्षण संबंधी और परिसीमन के लिए जरूरी संशोधन बिल पास नहीं होने पर कांग्रेस, डीएमके, टीएमसी और समाजवादी पार्टी को घेरा था।

भारत की आंतरिक सुरक्षा करेगा 'प्रज्ञा'!

गृह मंत्रालय को मिला एआई से लैस सैटेलाइट सिस्टम

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की आंतरिक और समुद्री सुरक्षा को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन ने दो अहम उपलब्धियां हासिल की हैं। इसके तहत गृह मंत्रालय को एक आधुनिक सैटेलाइट सिस्टम सौंपा गया है, जबकि भारतीय नौसेना के लिए एक खास एयर ड्रॉपेबल कंटेनर का सफल परीक्षण किया गया है। देश की आंतरिक सुरक्षा एजेंसियों को और अधिक चुस्त और आधुनिक बनाने के लिए गृह मंत्रालय को 'प्रज्ञा' नामक स्वदेशी सैटेलाइट इमेजिंग सिस्टम सौंपा गया है। सोमवार को गृह मंत्रालय के 'कर्तव्य भवन-3' में आयोजित एक समारोह के दौरान डीआरडीओ के सचिव समीर वी. कामत ने केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन को यह सिस्टम सौंपा।

सुरक्षा एजेंसियों को रीयल-टाइम निर्णय लेने में करेगा मदद

इस अत्याधुनिक सिस्टम को DRDO की प्रयोगशाला सेंटर फॉर आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस एंड रोबोटिक्स द्वारा पूरी तरह से भारत में विकसित किया गया है। इसकी खासियत की बात करें तो यह सिस्टम आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस पर आधारित है। यह सुरक्षा एजेंसियों को रीयल-टाइम (तत्काल) निर्णय लेने में महत्वपूर्ण सहायता प्रदान करेगा। देश के संवेदनशील क्षेत्रों की निगरानी करने और आतंकवाद विरोधी अभियानों को सफलतापूर्वक अंजाम देने में यह सिस्टम गेम-चेंजर साबित होगा।

भारतीय नौसेना के लिए एडीसी-150 का सफल परीक्षण

आंतरिक सुरक्षा के साथ-साथ समुद्री सीमाओं की सुरक्षा और राहत कार्यों को तेज करने के लिए डीआरडीओ और भारतीय नौसेना ने संयुक्त रूप से स्वदेशी एयर ड्रॉपेबल कंटेनर एडीसी-150 के चार सफल इन-फ्लाइट परीक्षण किए हैं। यह परीक्षण 21 फरवरी से 1 मार्च के बीच गोवा के तट पर विभिन्न कठिन परिस्थितियों में भारतीय नौसेना के विमान से किया गया। यह कंटेनर 150 किलोग्राम तक का पेलोड (सामान/राहत सामग्री) हवा से गिराने (एयर-ड्रॉप) में सक्षम है। इसका मुख्य उद्देश्य तट से दूर गहरे समुद्र में संकट में फंसे नौसैनिक जहाजों तक त्वरित प्रतिक्रिया के तहत तत्काल चिकित्सा सहायता, जरूरी उपकरण या राशन पहुंचाना है। इस प्रोजेक्ट को कम समय में पूरा करने के लिए कई संस्थानों ने मिलकर काम किया। इसके सभी विकासात्मक उड़ान परीक्षण सफलतापूर्वक पूरे कर लिए गए हैं और उम्मीद है कि इसे जल्द ही भारतीय नौसेना के बेड़े में आधिकारिक रूप से शामिल कर लिया जाएगा। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन भारत की प्रमुख रक्षा शोध एजेंसी है। इसका मुख्य उद्देश्य देश की सैन्य शक्ति को अत्याधुनिक तकनीक से लैस करना और रक्षा उपकरणों के मामले में भारत को पूरी तरह से आत्मनिर्भर बनाना है। प्रज्ञा और एडीसी-150 इसी आत्मनिर्भरता के उत्कृष्ट उदाहरण हैं।

दुनिया अब भारत के ज्ञान से लगा रही है बड़ी उम्मीद

- मोहन भागवत बोले-राजा से विज्ञान तक सब मॉडल हो गए हैं फेल

अगरतला (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने मंगलवार को कहा कि 2000 साल तक शासन, धर्म और विज्ञान के अलग-अलग प्रयोगों के बाद अब दुनिया भटक गई है और भारत के ज्ञान की ओर देख रही है। उन्होंने यह बात त्रिपुरा के मोहनपुर में धार्मिक कार्यक्रम में कही। भागवत मां सौंदर्य चिन्मयी मंदिर के प्रतिष्ठा और कुंभाभिषेक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। भागवत ने कहा कि पहले सत्ता राजा को दी गई, लेकिन बाद में राजा ही जनता का शोषण करने लगा। इसके बाद लोगों ने भगवान को सर्वोच्च मानकर धर्म बनाए, लेकिन इससे भी खून-खराबा नहीं रुका। विज्ञान के दौर में भी मानव की समस्याएं खत्म नहीं हुईं। लोगों ने कहा कि हम वैज्ञानिक हैं, जब तक भगवान लैब में नहीं दिखेगा, हम नहीं मानेंगे। इसके बाद विज्ञान का दौर आया। कई सुविधाएं और आराम मिले, लेकिन संतोष नहीं आया। आज भी दुनिया में दुख है, परिवार टूट रहे हैं, अपराध बढ़ रहे हैं। युद्ध शुरू होते हैं तो रुकते नहीं। विकास जितना बढ़ रहा है, पर्यावरण उतना ही नष्ट हो रहा है। अब 2000 साल के इन प्रयोगों के बाद दुनिया भटक रही है और भारत के ज्ञान की ओर उम्मीद से देख रही है। उन्होंने इसे भारत का कर्तव्य बताया और कहा कि यही भारत के जीवन का उद्देश्य है। कार्यक्रम में त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा और अन्य गणमान्य लोग भी मौजूद थे।

- संघ चीफ बोले- विज्ञान और धर्म दोनों से नहीं मिली शांति

सांसद अमृतपाल की फिर गिरफ्तारी के हैं आसार

एनएसए खत्म होने से पहले डिब्रूगढ़ पहुंची अमृतसर पुलिस

अमृतसर (एजेंसी)। पंजाब के खडूर साहिब से सांसद अमृतपाल सिंह की गिरफ्तारी को लेकर हलचल तेज हो गई है। पंजाब पुलिस की एक विशेष टीम असम के डिब्रूगढ़ सेंट्रल जेल पहुंच चुकी है, जहां अमृतपाल सिंह फिलहाल एनएसए के तहत बंद हैं। अमृतपाल सिंह की एनएसए हिरासत 22 अप्रैल को समाप्त हो रही है। सूत्रों के अनुसार जैसे ही उनकी नजरबंदी खत्म होगी अमृतपाल सिंह को अजनाला मामले में गिरफ्तार करके स्थानीय अदालत में पेश किया जाएगा, जहां से रिमांड लिया जाएगा। इसके बाद मुकदमे की कार्रवाई शुरू होने की संभावना है। अमृतपाल सिंह को अप्रैल 2023 में मोगा के रोड़े गांव से गिरफ्तार किया गया था। इससे पहले फरवरी 2023 में अजनाला पुलिस थाना पर हमले का मामला सामने आया था।

'सुप्रीम' सवाल, छूने से देवता अपवित्र कैसे होते हैं

सबरीमाला के वकील बोले-भगवान अयप्पा ब्रह्मचारी, इसलिए पूजा की प्रथा भी वैसी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को सबरीमाला अयप्पा मंदिर के मुख्य पुजारी से पूछा कि क्या संविधान उस भक्त की मदद के लिए आगे नहीं आएगा जिसे देवता को छूने की इजाजत नहीं है। सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी तब आई जब मुख्य पुजारी ने कहा कि कोई भक्त पूजा के लिए मंदिर जाता है, तो वह देवताओं की विशेषताओं के विपरीत नहीं हो सकता। नौ जजों की संविधान पीठ धार्मिक स्थलों पर महिलाओं के साथ होने वाले भेदभाव से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई कर रही है, जिसमें केरल के सबरीमाला मंदिर का मामला भी शामिल है। साथ ही, पीठ कई धर्मों द्वारा पालन की जाने वाली धार्मिक

स्वतंत्रता के दायरे और विस्तार पर भी सुनवाई कर रही है। इस पीठ में चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस बीवी नागरत्ना, एमएल सुंदरेश, अहसानुद्दीन अमनुल्लाह, अरविंद कुमार, ऑगस्टीन जॉर्ज महीस, प्रसन्ना बी वराले, आर महादेवन और जॉयमाल्य बागची शामिल हैं।

मंदिर में होने वाले समारोहों की प्रकृति धर्म का अभिन्न अंग

मुख्य पुजारी की ओर से पेश हुए वरिष्ठ वकील वी गिरि ने दलील दी कि किसी मंदिर में होने वाले समारोहों और रीति-रिवाजों की प्रकृति उस धर्म का एक अभिन्न अंग होती है, और इसलिए उसे एक धार्मिक प्रथा माना जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐसी प्रथा जारी रखना, जो एक अनिवार्य धार्मिक प्रथा है, पूजा के अधिकार का ही एक हिस्सा होगा। यह अधिकार उस धर्म या संप्रदाय में विश्वास रखने वाले हर सदस्य के लिए है। गिरि ने कहा, जब कोई भक्त पूजा के लिए मंदिर जाता है, तो वह देवता की विशेषताओं के विपरीत नहीं हो सकता, क्योंकि उसका उद्देश्य ही देवता की पूजा करना होता है।

भीषण गर्मी और 'लू' की चपेट में देश

- लोगों का जीना हो गया मुहाल, सड़कें सूनी, घरों पर दुबकने को मजबूर नजर आए लोग

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के मैदानी इलाकों में तेज गर्मी जारी है। राजस्थान, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, ओडिशा और दिल्ली में कई जगह पारा 44 डिग्री पार पहुंच गया है। कई जगह लू का भी अलर्ट है। मध्य प्रदेश के भोपाल में पहली बार रात में लू चलने की चेतावनी दी गई है। भोपाल, छिंदवाड़ा, मंडला, नर्मदापुरम, ग्वालियर, रतलाम और छतरपुर समेत 16

जिलों में लू चलने के आसार हैं। उत्तर प्रदेश में प्रयागराज में 44.4 डिग्री के साथ देश में सबसे गर्म रहा। गर्मी को देखते हुए 8वीं तक के स्कूलों का टाइम बदल दिया गया है। झारखंड में भी आज से स्कूलों के समय में बदलाव किया है। महाराष्ट्र के गोंदिया और छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में सोमवार को पारा 43 डिग्री दर्ज हुआ। दोनों जिलों में दोपहर 12.30 बजे से 4 बजे तक ट्रैफिक सिग्नल बंद कर दिए गए।

पूर्वोत्तर में अगले 15 दिन रिकॉर्ड बारिश संभव

असम की राजधानी गुवाहाटी के खानापारा इलाके में 21.59 सेमी बारिश दर्ज की गई। गुवाहाटी में मूसलाधार बारिश के बाद सोमवार को बाढ़ जैसे हालात बन गए, जिससे जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ और एक महिला की मौत हो गई। हालात को देखते हुए सभी स्कूल बंद कर दिए गए हैं। पूर्वोत्तर भारत में अगले 15 दिनों में एशिया में सबसे ज्यादा बारिश होने की संभावना है। विशेषज्ञों के अनुसार, अरुणाचल प्रदेश, मेघालय और नगालैंड में इस हफ्ते भारी बारिश की आशंका है। अनुमान है कि 20 से 22 अप्रैल के बीच कई इलाकों में तेज बारिश होगी, जबकि 23 अप्रैल को थोड़ी राहत मिल सकती है, लेकिन 24 अप्रैल से फिर बारिश की तीव्रता बढ़ने के आसार हैं।

उत्तर प्रदेश के 26 जिलों में लू का अलर्ट

प्रदेश में 26 जिलों का तापमान 40 डिग्री या इससे ज्यादा पहुंच गया। मौसम विभाग ने अगले 4 दिनों तक दिन में लू का अलर्ट जारी किया है। भीषण गर्मी को देखते हुए योगी सरकार ने 8वीं तक के सरकारी स्कूलों की टाइमिंग बदल दी है। मंगलवार सुबह से प्रयागराज, काशी, कानपुर में तेज धूप निकली है। काशी के घाटों में सन्नाटा पसरा है। प्रदेश के 8 जिलों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार चला गया। रोहतास का डेहरी 43.2 डिग्री के साथ राज्य का सबसे गर्म रहा। पटना के डीएम डॉ. त्यागराजन ने 5वीं तक की क्लास की टाइमिंग में बदलाव किया है। हालांकि अररिया, किशनगंज, पूर्णिया और कटिहार में 50-60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी चलने की संभावना है। राज्य के कई हिस्सों में अगले 4 दिन तक गर्म और उमस भरा मौसम बना रहेगा। 14 जगहों पर तापमान 40 डिग्री से ज्यादा हो गया है।

भोपाल में लेंसकार्ट के खिलाफ सड़क पर उतरे कई हिंदू संगठन

शोरूम का घेराव, तिलक-कलावा पर जमकर किया बवाल

भोपाल (एजेंसी)। भोपाल के न्यू मार्केट रोशनपुरा में ड्रेस कोड के खिलाफ लेंसकार्ट शोरूम के बाहर हिंदू उत्सव समिति के कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने कर्मचारियों को तिलक लगाया, मंत्रोच्चार के साथ कलावा बांधा। कहा- सनातन का अपमान, नहीं सहेगा हिंदुस्तान। हिंदू उत्सव समिति के अध्यक्ष चंद्रशेखर तिवारी ने कहा कि संगठन लेंसकार्ट के बहिष्कार का आह्वान कर रहा है। यह हिंदुस्तान है, यहां तिलक, कलावा और बिंदी का सम्मान होना चाहिए। अगर कंपनी ने इन पर रोक लगाने की कोशिश की, तो इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कॉरपोरेट कंपनियों से कहा- सनातन धर्म के प्रतीकों का अपमान हुआ, तो सख्त विरोध किया जाएगा।

बहिष्कार का ऐलान कंपनी को चेतावनी

हिंदू उत्सव समिति के अध्यक्ष चंद्रशेखर तिवारी ने कहा कि संगठन लेंसकार्ट के बहिष्कार का आह्वान कर रहा है। उनका कहना है कि भारत में तिलक, कलावा और बिंदी का सम्मान होना चाहिए। यदि कंपनी ने इन पर रोक लगाने की कोशिश की, तो इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म के प्रतीकों का अपमान हुआ तो सख्त विरोध किया जाएगा। कंपनी के सीईओ पीयूष बंसल की माफी स्वीकार नहीं है। अगर हमने कंपनी को ऊंचाइयों तक पहुंचाया है, तो जरूरत पड़ने पर नीचे भी ला सकते हैं।

मुख्यमंत्री ने दी विभिन्न विकास योजनाओं के लिए 59.72 करोड़ की वित्तीय स्वीकृति

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विभिन्न विकास योजनाओं के लिए 59.72 करोड़ का अनुमोदन प्रदान किया है। इन निर्णयों से आधारभूत ढांचे को सुदृढ़ करने, आपदा प्रबंधन को प्रभावी बनाने तथा पेयजल एवं बाढ़ सुरक्षा से संबंधित व्यवस्थाओं को सशक्त करने में महत्वपूर्ण सहयोग मिलेगा। मुख्यमंत्री द्वारा जनपद चम्पावत के विकासखण्ड चम्पावत की तामली ग्राम समूह पम्पिंग पेयजल योजना हेतु 14.57 करोड़ की धनराशि का अनुमोदन प्रदान किये जाने के साथ ही देहरादून के वार्ड संख्या-89 हरभजवाला में चन्द्रबनी से हरभजवाला तक आसन नदी के दोनों ओर पुश्ता निर्माण हेतु कुल धनराशि 6.11 करोड़ के सापेक्ष प्रथम किस्त में 2.43 करोड़ तथा ऊखीमठ नगर पंचायत पेयजल योजना हेतु 25.78 करोड़ की धनराशि स्वीकृत किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया है। मुख्यमंत्री द्वारा जनपद देहरादून के धर्मपुर विधानसभा क्षेत्र में सुसवा नदी के

दोनों तटों पर दूधादेवी पुल के अपस्ट्रीम में बाढ़ सुरक्षा कार्य हेतु कुल धनराशि लागत 3.22 करोड़ के सापेक्ष प्रथम किस्त में 1.29 करोड़ स्वीकृत करने के साथ ही जनपद उत्तरकाशी के भटवाड़ी विकासखण्ड के झाला गांव में भागीरथी नदी के दाहिने तट पर बाढ़ सुरक्षा कार्य हेतु प्रस्तावित लगात 7.57 करोड़ के सापेक्ष प्रथम किस्त के रूप में 3.03 करोड़ की धनराशि स्वीकृत किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया है। मुख्यमंत्री द्वारा जनपद चमोली के बद्रीनाथ विधानसभा क्षेत्रांतर्गत विकासखंड ज्योतिर्मठ में जोशीमठ-नीति मार्ग पर वर्ष 2021 की आपदा से क्षतिग्रस्त 80 मीटर स्पान पैदल स्टील ट्रस पुल के पुनर्निर्माण के प्रस्ताव कुल लागत 4.34 करोड़ के सापेक्ष प्रथम किस्त में 1.74 करोड़ की धनराशि स्वीकृत किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया है। मुख्यमंत्री द्वारा पिथौरागढ़ जनपद के धारचूला क्षेत्र में खोटिला एवं घाटधार में स्लोप प्रोटेक्शन एवं मिटीगेशन कार्यों हेतु कुल प्रस्तावित लागत 36.10 करोड़ के सापेक्ष प्रथम किस्त में 1 करोड़ तथा जनपद हरिद्वार में मनसा देवी हिल बाईपास रोड पर स्लोप प्रोटेक्शन कार्यों हेतु प्रस्तावित धनराशि

मुख्यमंत्री ने किया अधिकारियों की पदोन्नति का अनुमोदन

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग के अंतर्गत राजस्व लेखा में 299.18 करोड़, अनुसूचित जाति कल्याण हेतु 1.00 करोड़ तथा जनजाति क्षेत्र उपयोजना हेतु 50 लाख की धनराशि, महानिदेशक सूचना के निर्वतन पर रखे जाने के अनुमोदन के साथ ही सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग में कार्यरत सहायक निदेशक श्रीमती अर्चना एवं बद्री चन्द को उप निदेशक पद पर पदोन्नत किए जाने के प्रस्ताव का अनुमोदन प्रदान किया है।

39.17 करोड़ के सापेक्ष 1.74 करोड़ स्वीकृत करने के साथ ही नैनीताल स्थित चार्टन लॉज क्षेत्र में स्लोप प्रोटेक्शन मिटीगेशन कार्यों हेतु प्रस्तावित धनराशि 6.18 करोड़ के सापेक्ष 77 लाख की धनराशि स्वीकृत किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया है। मुख्यमंत्री द्वारा जनपद उत्तरकाशी में लोक निर्माण विभाग द्वारा हर्षिल-मुखवा मोटर मार्ग के सुरक्षात्मक कार्यों हेतु प्रस्तावित कुल लागत 4.72 करोड़ के सापेक्ष प्रथम किस्त में 1.89 करोड़ की स्वीकृत प्रदान करने के साथ ही जनपद देहरादून के डोईवाला विधानसभा क्षेत्र में दुल्हनी नदी के विभिन्न स्थानोंकृनिर्मल कॉलोनी, वनस्थली पुरम, दिल्ली फार्म, लक्ष्मणसिद्ध मंदिर एवं नकरौंदा रोड (विवेक विहार, वायु विहार) में सुरक्षात्मक कार्यों के लिए प्रस्तावित धनराशि 4.13 करोड के सापेक्ष प्रथम किस्त में 1.65 करोड की धनराशि स्वीकृत किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया है। मुख्यमंत्री द्वारा जनपद देहरादून के रायपुर विधानसभा क्षेत्रांतर्गत डिफेंस कॉलोनी एवं जोगीवाला-बद्रीपुर क्षेत्र में बहने वाले नाले में बाढ़ सुरक्षा कार्य हेतु प्रस्तावित लागत 4.60 करोड के सापेक्ष प्रथम किस्त में 1.84 करोड की धनराशि स्वीकृत किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया है।

ब्लूमिंग बड्स स्कूल गढ़ीकैंट को मिली हाईस्कूल की मान्यता

देहरादून। ब्लूमिंग बड्स स्कूल गढ़ीकैंट देहरादून को हाईस्कूल की मान्यता का आदेश जारी हो गया है। विद्यालय प्रबंधन ने कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी के प्रयासों के लिए उनका आभार व्यक्त किया है। कैबिनेट मंत्री ने पूर्व में एक कार्यक्रम के दौरान विद्यालय को हाईस्कूल स्तर तक मान्यता दिलाने का आश्वासन दिया था। उनके प्रयासों के परिणामस्वरूप अब यह विद्यालय, जो पहले कक्षा 8 तक ही सीमित था, हाईस्कूल स्तर तक उन्नत हो गया है। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने विद्यालय प्रबंधन को बधाई दी है। उन्होंने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का आभार जताया है। विद्यालय में हाईस्कूल स्तर पर हिंदी, अंग्रेजी, तृतीय भाषा, संस्कृत, वाणिज्य, गणित, गृह विज्ञान, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, सूचना एवं प्रौद्योगिकी, योग, आयुर्वेद व स्वास्थ्य शिक्षा, कृषि, कार्यानुभव, उद्यमिता विकास, कला शिक्षा, संगीत और बालिकाओं के लिए पेंटिंग जैसे विषयों का अध्ययन कराया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

पर्यटन सीजन में सघन चेकिंग अभियान जारी, 86 वाहन चालकों पर कार्रवाई

अल्मोड़ा। पर्यटन सीजन के मद्देनजर जनपद में यातायात व्यवस्था को दुरुस्त और सुव्यवस्थित बनाए रखने के लिए पुलिस द्वारा सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक चंद्रशेखर घोड़के के निर्देशन में सभी थाना और चौकी प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में सतर्कता बरतते हुए अभियान तेज करने के निर्देश दिए गए हैं। इसी क्रम में सोमवार को जनपद के विभिन्न स्थानों पर चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान प्रमुख चौराहों, बाजार क्षेत्रों, मुख्य मार्गों और जनपद के प्रवेश मार्गों पर वाहनों की गहन जांच की गई। अभियान के दौरान संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ की गई, वहीं बिना हेलमेट, बिना सीट बेल्ट, ओवरस्पीडिंग और त्रुटिपूर्ण दस्तावेजों के साथ वाहन चलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की गई। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले कुल 86 वाहन चालकों के विरुद्ध मोटर वाहन अधिनियम के तहत चालान किए गए, जबकि एक वाहन को सीज किया गया। पुलिस ने वाहन चालकों को यातायात नियमों का पालन करने की हिदायत देते हुए सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक भी किया।

थरकोट क्षेत्र से छह पेटी अंग्रेजी शराब पकड़ी

पिथौरागढ़। थरकोट में पुलिस की एसओजी टीम ने एक व्यक्ति के पास से छह पेटी अंग्रेजी शराब पकड़ी। मंगलवार को पुलिस से मिली जानकारी अनुसार एसआई मनोज कुमार के नेतृत्व में चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान थरकोट झील के समीप फगाली निवासी मोहन लाल के पास से शराब बरामद हुई। पुलिस ने संबंधित के खिलाफ आबकारी अधिनियम में मुकदमा पंजीकृत किया है। टीम में कांस्टेबल गोविन्द रौतेला, सतेन्द्र सुयाल सोनू कार्की आदि मौजूद रहे।

मदकोट में युवाओं ने रक्तदान किया

पिथौरागढ़। मुनस्यारी धारचूला रक्तदान समूह, अनुवाल समुदाय व अंकुर सोसायटी की संयुक्त पहल पर मदकोट में सोमवार को रक्तदान शिविर लगा। इस दौरान युवाओं ने बारी बारी से 20यूनिट रक्त का दान किया। वक्ताओं ने युवाओं की पहल की सराहना करते हुए कहा कि रक्त किसी जरूरतमंद की जान बचाने में सहायक साबित होगा। बाद में रक्तदाताओं को सोसायटी और संजू धामी ग्राम प्रधान मदकोट की ओर से जूस व फल वितरित किया गया। यहां नवीन भण्डारी, दीपक पंवार आदि मौजूद रहे।

भड़कटिया में पशुपालन विभाग ने शिविर लगाया

पिथौरागढ़। जिला मुख्यालय से लगे भड़कटिया क्षेत्र में पशुपालन विभाग ने पशु चिकित्सा शिविर लगाया। मंगलवार को डिप्टी सीवीओ डॉ. लाल सिंह सामंत के नेतृत्व में टीम गांव पहुंची। इस दौरान उन्होंने बारी-बारी से 51 पशुओं की जांच की और पशुपालकों को दवा बांटी। इसके अलावा पशुपालकों को चारा बीज का भी वितरण किया। शिविर में सात पशुओं में एंटी रेबीज का टीकाकरण भी किया गया। डिप्टी सीवीओ ने पशुपालकों को सरकार की ओर से संचालित विभिन्न योजनाओं की भी जानकारी दी और उन्हें लाभ उठाने को प्रेरित किया।

पानी को लेकर महिलाओं ने खाली बर्तन लेकर प्रदर्शन किया

पिथौरागढ़। बेरीनाग के आम्बेडकर गांव बोरा आगर में पानी की समस्या से महिलाएं परेशान हैं। मंगलवार को आक्रोशित महिलाओं ने खाली बर्तन हाथ में लेकर प्रदर्शन किया। महिलाओं का कहना है कि नलों में पानी की नियमित सप्लाई न होने से उनकी रोजमर्रा के कामकाज का रूटीन गड़बड़ा गया है। दिन का अधिकतर समय इन दिनों प्राकृतिक धारों की दौड़ लगाने में ही गुजर रहा है। बोराआगर गांव में ग्राम प्रधान सुनील कुमार के नेतृत्व में लोग एकत्र हुए। इस दौरान उन्होंने प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। प्रधान ने कहा कि यहां करीब 70 परिवार हैं, जो पानी के लिए 60 वर्ष पुरानी पेयजल योजना पर निर्भर हैं। कहा कि जल जीवन मिशन हर घर नल हर घर जल योजना से ग्रामीणों को उम्मीद थी, लेकिन पुराने स्रोत से ही नए पाइप लाइन जोड़कर योजना पूरी दिखा दी गई। इससे गांव में पेयजल संकट बना हुआ है। कहा विभाग को सूचना देने के बाद भी समस्या दूर नहीं हो रही। कांग्रेस नेता जगदीश कुमार ने कहा कि जल जीवन मिशन ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की पेयजल की समस्या दूर करने के लिए बनाई गई थी, लेकिन भारी भरकम बजट खर्च करने के बावजूद लोगों को जरूरत के अनुसार पानी नहीं मिल रहा है। प्रदर्शन करने वालों में हीरा देवी, गंगा देवी, अंजू देवी, आनंदी देवी, किरन, कुसुम, अंजलि, रेखा देवी, सीमा देवी, नंदी देवी आदि मौजूद रहे।

किच्छा में दीपक हत्याकांड का आरोपी गिरफ्तार

रुद्रपुर। पुलिस ने पुरानी गल्ला मंडी में हुए दीपक हत्याकांड के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने मृतक के भाई की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया था। बीते 17 अप्रैल की रात करीब साढ़े ग्यारह बजे दीपक कुमार पुत्र राकेश कुमार निवासी पुरानी गल्ला मंडी को उसके घर से कुछ दूरी पर चाकू मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया गया था। सुशीला तिवारी अस्पताल हल्द्वानी में उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई थी। मृतक के भाई विनीत की तहरीर पर पुलिस ने शिवा पुत्र महेश निवासी नंदपुर नरका टोपा बाजपुर हाल निवासी पुरानी गल्ला मंडी, किच्छा के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया था। पुलिस ने सोमवार रात आरोपी शिवा को खुरपिया में निर्माणाधीन एम्स के पास से गिरफ्तार कर लिया।

उत्तराखंड स्पोर्ट्स कॉलेजों में कक्षा 6 में प्रवेश शुरू

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : उत्तराखंड के स्पोर्ट्स कॉलेजों में कक्षा 6 में प्रवेश हेतु पंजीकरण प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। इससे राज्य के प्रतिभाशाली बालक एवं बालिकाओं को खेल क्षेत्र में उज्ज्वल भविष्य बनाने का सुनहरा अवसर मिलेगा। इच्छुक अभ्यर्थी निर्धारित तिथि तक आवेदन कर सकते हैं। राज्य के प्रमुख आवासीय खेल विद्यालयों में विद्यार्थियों को प्रारंभिक स्तर से ही पेशेवर खेल प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है।

महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज, देहरादून में एथलेटिक्स, बॉक्सिंग, बैडमिंटन, क्रिकेट, फुटबॉल, जूडो, हॉकी, वॉलीबॉल, शूटिंग, जिम्नास्टिक्स, तैराकी एवं आइस स्पोर्ट्स जैसी विविध खेल विधाओं में प्रशिक्षण की व्यवस्था है। इसी प्रकार हरि सिंह थापा स्पोर्ट्स कॉलेज, पिथौरागढ़ में एथलेटिक्स, फुटबॉल एवं बॉक्सिंग तथा बालिका स्पोर्ट्स कॉलेज, चंपावत में बालिकाओं के लिए एथलेटिक्स, बैडमिंटन एवं बॉक्सिंग की सुविधाएं उपलब्ध हैं। इस संबंध में महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज के प्रधानाचार्य राजेश ममगाई ने बताया कि इन राज्य वित्तपोषित आवासीय खेल विद्यालयों में चयनित विद्यार्थियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधाएं, आधुनिक उपकरण तथा अनुभवी प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा, जिससे उन्हें राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन का अवसर मिल सके। इसके लिये निर्धारित पात्रता मानदण्डों में आवेदक की आयु 11 से 13 वर्ष के बीच होनी चाहिए (जन्म तिथि 01 जुलाई 2013 से 01 जुलाई 2015 के मध्य) तथा वह उत्तराखंड का मूल/स्थायी निवासी होना अनिवार्य है। चयन प्रक्रिया के तहत प्रारंभिक चयन शारीरिक दक्षता परीक्षा, खेल कौशल एवं खेल प्रवीणता के आधार पर किया जाएगा। इच्छुक अभ्यर्थी पंजीकरण हेतु निर्धारित क्यूआर कोड स्कैन कर सकते हैं अथवा वेबसाइट से ऑफलाइन आवेदन पत्र डाउनलोड कर सकते हैं।

नशे के खिलाफ पुलिस का अभियान, भांग की खेती की नष्ट

अल्मोड़ा। जनपद में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने दुगालखोला क्षेत्र में बंजर भूमि पर उगी भांग की खेती को नष्ट किया। 'ड्रग्स फ्री देवभूमि' मिशन के तहत यह कार्रवाई लगातार जारी है। इस क्रम में सोमवार को प्रभारी निरीक्षक कोतवाली अल्मोड़ा योगेश चंद्र उपाध्याय के नेतृत्व में एसएसआई रमेश बोरा ने मनीष थापा के साथ समन्वय स्थापित करते हुए अभियान चलाया। अभियान के दौरान दुगालखोला क्षेत्र में बंजर भूमि पर उगी भांग के पौधों को चिन्हित कर नष्ट किया गया। पुलिस और कैंट कर्मचारियों की संयुक्त टीम ने उन पौधों को हटाया, जिनका उपयोग नशे के रूप में किया जा सकता था। इस दौरान स्थानीय लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जानकारी दी गई और युवाओं को इससे दूर रहने के लिए प्रेरित किया गया। पुलिस ने स्पष्ट किया कि जनपद में नशे के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा, ताकि युवाओं को सुरक्षित और स्वस्थ वातावरण मिल सके तथा समाज में नशे के प्रति सख्त संदेश दिया जा सके।

एटीएम कार्ड बदल ठगी करने वाले गिरोह के तीन आरोपी गिरफ्तार

देहरादून। प्रेमनगर थाना पुलिस ने अंतरराज्यीय एटीएम ठग गिरोह तीन सदस्य गिरफ्तार किए हैं। एनसीआर के रहने वाले आरोपियों के कब्जे से विभिन्न बैंकों के 66 एटीएम कार्ड, तीन मोबाइल फोन और घटना में इस्तेमाल की जाने वाली एक कार बरामद हुई है। पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने अब तक अलग-अलग राज्यों में 25 लाख रुपये से अधिक की ठगी करने की बात कही। इंस्पेक्टर प्रेमनगर नरेश राठौर ने बताया कि चौकी प्रभारी झाझरा अमित कुमार शर्मा सोमवार रात झाझरा में टीम संग वाहन चेकिंग कर रहे थी। इस दौरान सेलाकुई की तरफ से आई एक सफेद रंग की वेन्यू कार को रोका। कार सवार तीन युवकों की तलाशी लेने पर उनके पास से बरामद एटीएम कार्ड बरामद हुए। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे एटीएम बूथों पर ऐसे लोगों को

निशाना बनाते हैं, जिन्हें एटीएम मशीन में कार्ड के सही तरीके से उपयोग का पता नहीं होता है। आरोपी मदद करने के बहाने उनके पास जाते और चालाकी से उनका पिन कोड देख लेते थे। इसके बाद हाथ की सफाई दिखाते हुए उनका एटीएम कार्ड बदलकर उन्हें दूसरा फर्जी कार्ड थमा देते थे। बाद में उसी पिन और असली कार्ड का इस्तेमाल कर वे खातों से पैसे निकाल लेते थे।

निजी स्कूल शिक्षक ने ट्रेडिंग से मोटे मुनाफे के झांसे में गंवाए 51 लाख

देहरादून. साइबर ठगों ने ऑनलाइन ट्रेडिंग में मोटे मुनाफे का झांसा दे 34 वर्षीय शिक्षक से 51 लाख रुपये ठग लिए। करीब छह महीने तक शिक्षक के संपर्क में रहे साइबर ठगों ने अलग-अलग खातों में रकम जमा कराकर वारदात को अंजाम दिया। शिकायत पर मंगलवार को साइबर अपराध थाना पुलिस ने अज्ञात साइबर ठगों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। निजी स्कूल के शिक्षक और रीठा मंडी निवासी अदनान अली खान ने साइबर अपराध थाने में तहरीर दी। बताया कि 27 सितंबर को वह टेलीग्राम के जरिए एक ऑनलाइन ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म के संपर्क में आए थे। यहां ठगों ने उन्हें निवेश पर मोटे मुनाफे का लालच दिया और उनका एक ट्रेडिंग अकाउंट खोल दिया। ठगों ने पीड़ित का भरोसा जीतने के लिए उन्हें गूगल प्ले स्टोर से अपनी बताई एप्लिकेशन डाउनलोड कराई। इस एप के जरिए अदनान ट्रेडिंग करने लगे। रकम जमा करने पर उसमें दिन प्रतिदिन मुनाफा बढ़ता रहा। इससे वह ठगों के जाल में पूरी तरह फंस गए। बीते 27 सितंबर से 14 मार्च के बीच यूपीआई, आईएमपीए और आरटीजीएस के जरिए 23 अलग-अलग किस्तों में करीब 51 लाख रुपये जमा किए।

दून के वकीलों ने पांच लाख कैशलेस स्वास्थ्य बीमा मांगा

देहरादून। बार एसोसिएशन देहरादून ने उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिखकर राज्य के अधिवक्ताओं और उनके आश्रितों के लिए स्वास्थ्य बीमा योजना लागू करवाने का आग्रह किया है। इसके लिए पांच लाख रुपये राशि तय करने की मांग की गई है। एसोसिएशन के अध्यक्ष अनिल कुमार शर्मा और सचिव अजय बिष्ट ने पत्र भेजा। कहा है कि न्याय प्रणाली में अधिवक्ताओं की अहम भूमिका होती है। बढ़ती चिकित्सा लागत के कारण विशेषकर युवा और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के वकीलों को बिना निश्चित आय के भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। गंभीर बीमारी की स्थिति में इलाज के दौरान उनकी जीवनभर की पूंजी समाप्त हो जाती है। धन के अभाव में इलाज पूरा न हो पाने के कारण कई युवा वकीलों का अल्प आयु में निधन भी हुआ है। हाल में इलाहाबाद उच्च न्यायालय की ओर से उत्तर प्रदेश सरकार को इस मामले में दिए गए दिशा-निर्देशों का भी हवाला दिया गया।

स्कूली समय में सुरक्षा बढ़ाने की मांग को लेकर रेडक्रॉस ने कोतवाल को सौंपा ज्ञापन

अल्मोड़ा। स्कूली बच्चों की सुरक्षा को लेकर रेडक्रॉस के प्रतिनिधिमंडल ने कोतवाल योगेश उपाध्याय से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। इस दौरान विद्यालयों के आसपास स्कूली समय में पुलिस की नियमित तैनाती सुनिश्चित करने की मांग उठाई गई। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि सुबह स्कूल खुलने और छुट्टी के समय विद्यालयों के बाहर अत्यधिक भीड़ और अव्यवस्थित यातायात के कारण बच्चों की सुरक्षा प्रभावित होती है। कई स्थानों पर तेज रफ्तार दोपहिया वाहन चालक नियमों की अनदेखी करते हुए गुजरते हैं, जिससे दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। ज्ञापन के माध्यम से प्रमुख विद्यालयों के बाहर पुलिस कर्मियों की ड्यूटी लगाने, यातायात व्यवस्था को नियंत्रित करने और बच्चों के लिए सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करने की मांग की गई। साथ ही तेज गति से वाहन चलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई पर जोर दिया गया। कोतवाल ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि बच्चों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और इस दिशा में आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

पुरानी पेंशन के लिए कर्मचारियों ने निकाली रैली

हरिद्वार। पुरानी पेंशन बहाली के लिए सेवानिवृत्त कर्मचारियों ने जिलाधिकारी कार्यालय तक बाइक रैली निकाली। आरोप लगाया कि सरकार उनकी जायज मांगों को दरकिनार कर रही है। जटवाड़ा पुल पर सभा के दौरान पुरानी पेंशन बहाली राष्ट्रीय आंदोलन के सदस्यों ने कहा कि सरकार जल्द से जल्द पुरानी पेंशन बहाल करें। कर्मचारियों से सरकार सारे काम तो करवाती है लेकिन जब देने का समय आता है तो हाथ पीछे खींच लेती है। अब ऐसा नहीं चलेगा और कर्मचारी अपनी पुरानी पेंशन लेकर रहेंगे। उन्होंने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में पुरानी पेंशन बहाल करने का वादा करने वाली पार्टी को वोट दिया जाएगा।

अन्य प्रदेशों में इसी मुद्दे पर सरकारें बन गई और पुरानी पेंशन भी बहाल हुई है। इस दौरान प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री को ज्ञापन भी भेजा गया। इस अवसर पर प्रांतीय अध्यक्ष जीतमणि पैन्यूली, महामंत्री मुकेश रतूड़ी, कोषाध्यक्ष शांतनु शर्मा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश प्रभारी चंद्रहास सिंह, गढ़वाल मंडल अध्यक्ष विकास कुमार शर्मा, संरक्षक मुकेश चौहान, मनोज सैनी, उपाध्यक्ष वीर सिंह पंवार, पूर्व प्रदेश महासचिव शिवा अग्रवाल, प्रभारी सदाशिव भास्कर, जिलाध्यक्ष सुखदेव सैनी, जिलामंत्री दीपक चौहान, अश्वनी चौहान, हेमेंद्र चौहान, उत्तराखंड माध्यमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष राजेश सैनी, जेपी चाहर, ललित मोहन जोशी, रिजवान अली, शशिभूषण आदि मौजूद रहे।

संगठन की प्रमुख मांगें:

1. पुरानी पेंशन व्यवस्था को तत्काल प्रभाव से बहाल किया जाए।
2. सरकारी विभागों के निजीकरण पर रोक लगाई जाए एवं पुनर्विचार किया जाए।
3. 23 अगस्त 2010 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों

कुठाल गेट पर संभागीय परिवहन विभाग की चेक पोस्ट पर यात्रियों का पंजीकरण शुरू

देहरादून। चारधाम यात्रा को लेकर सरकार ने सभी तैयारियां पूरी कर दी है। इसके तहत गंगोत्री यमुनोत्री, बद्रीनाथ केदारनाथ जाने वाले यात्रियों का पंजीकरण कुठाल गेट पर उत्तराखंड संभागीय परिवहन विभाग की चेक पोस्ट पर किया जा रहा है। प्रदेश सरकार ने यात्रा पर जाने वाले यात्रियों के लिए पंजीकरण अनिवार्य किया है।कुठाल गेट पर हो रहे पंजीकरण के साथ ही ग्रीन कार्ड और ट्रिप कार्ड के माध्यम से यात्रियों की गणना की जाएगी और सभी वाहनों की फिटनेस और रजिस्ट्रेशन के बाद ही आगे यात्रा पर भेजा जाएगा। सभी यात्रा मार्गो पर सरकार द्वारा चेक पोस्ट लगाए गए है।जहां पर उत्तराखंड संभागीय परिवहन विभाग के अधिकारी और कर्मचारी वाहनों की जांच पड़ताल के बाद ही आगे की यात्रा के लिए भेज रहे हैं। 16 अप्रैल से यात्रियों का आना शुरू हो था और इस बार रिकॉर्ड यात्रियों के आने की संभावना है। शासन प्रशासन में सभी तैयारियां पूरी की हुई है और सभी तीर्थ स्थलों पर पर्यटन विभाग, स्वास्थ्य विभाग, उत्तराखंड परिवहन विभाग के साथ ही संबंधित विभागों के अधिकारी और कर्मचारियों की तैनाती की गई है।

लाइन कुलियों से चलती लाइनों पर कार्य लेने का आरोप

देहरादून। उत्तराखंड पहाड़ी महासभा की महासचिव गीता बिष्ट ने प्रबंध निदेशक (एमडी) उत्तराखंड पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड देहरादून उत्तराखंड को पत्र भेजकर सूचना उपलब्ध कराने की मांग की है। कहा कि कई क्षेत्रों में सुरक्षा मानकों की अनदेखी कर लाइन कुलियों से चलती लाइनों पर कार्य लिया जा रहा है। ऊर्जा निगम द्वारा एक आधिकारिक आदेश जारी किया जाए कि किसी भी परिस्थिति में लाइन कुलियों से चलती लाइनों पर कार्य न लिया जाए। बिना उचित शटडाउन और परमिट के कार्य करना प्रतिबंधित हो। ऊर्जा निगम की सुरक्षा नियमावली और विद्युत अधिनियम, 2003 के अंतर्गत सुरक्षा संबंधी जो भी धाराएं और गाइडलाइन प्रभावी हैं, उन्हें सार्वजनिक किया जाए।

भ्रामक पोस्ट पर एफआईआर न होने से भड़के कांग्रेसी

रुद्रपुर। एआई का दुरुपयोग कर फर्जी फेसबुक अकाउंट बनाकर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल के नाम से आपत्तिजनक व भ्रामक पोस्ट वायरल किए जाने के मामले में एफआईआर दर्ज न होने पर कांग्रेसी भड़क उठे। कोतवाली पहुंचे कांग्रेसियों को जब वहां कोतवाल और एसएसआई नहीं मिले तो उन्होंने सीओ कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया। बाद में सीओ ने तीन-चार दिन में जांच कर कार्रवाई का आश्वासन दिया। बीते रविवार को पार्षद गौरव खुराना ने पुलिस को तहरीर देकर गोदियाल के खिलाफ सोशल मीडिया पर दुष्प्रचार करने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई और मुकदमा दर्ज करने की मांग की थी। दो दिन बीतने के बाद भी कार्रवाई न होने पर कांग्रेसी नेता मोहन खेड़ा और संजय जुनेजा के नेतृत्व में कार्यकर्ता कोतवाली पहुंचे। यहां कोतवाल और एसएसआई के न मिलने पर उनका आक्रोश बढ़ गया और वे

प्रदर्शन करते हुए सीओ प्रशांत कुमार के कार्यालय पहुंच गए। उन्होंने मामले में त्वरित कार्रवाई की मांग की। इस दौरान सीओ ने शांतिपूर्ण ढंग से बात रखने को कहा। कांग्रेसियों ने कोतवाली में अधिकारियों की गैरमौजूदगी पर नाराजगी जताई और आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की। सीओ ने आश्वासन दिया कि दो-तीन दिन में जांच पूरी कर विधिक कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान कांग्रेसी नेत्री मोनिका डाली, पार्षद जितेश शर्मा समेत कई कार्यकर्ता मौजूद रहे। फर्जी आईडी से छवि बिगाड़ने का आरोपः सितारगंज। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने फर्जी आईडी बनाकर प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल की छवि खराब करने का आरोप लगाते हुए कोतवाली में तहरीर दी।

पहली बार दून पहुंची न्याय के देवता गोल्ज्यू की डोली,भव्य स्वागत

देहरादून। उत्तराखंड के लोकआस्था और न्याय के प्रतीक श्री गोल्ज्यू महाराज की पावन डोली पहली बार देहरादून पहुंची। चंपावत से निकली श्री गोल्ज्यू महाराज यात्रा के तहत डोली के दून आगमन पर यात्रा का कई जगह स्वागत हुआ। श्रद्धालुओं को दर्शन देते हुए डोली सीधे टपकेश्वर महादेव मंदिर पहुंची। देवभूमि उत्तराखंड के न्याय देवता गोल्जयू महाराज दिव्य रथ में सवार होकर ढोल की थाप और दमाउ की संगत में सैकड़ों भक्तों के साथ अपने मूल स्थान चंपावत से देहरादून इतिहास में पहली बार पहुंचे। मंगलवार को यात्रा सबसे पहले मणिमाई मंदिर पहुंची, जहां दर्शन के बाद डोली सीधे कुआंवाला स्थित सीआईएमएस कॉलेज पहुंची।

एक नजर

पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता अभियान में भागीदारी करना नागरिक का कर्तव्य

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : नौनी फाउंडेशन की ओर से सोमवार को भाबर क्षेत्र के मालन पुल से हल्दुखाता तक स्वच्छता अभियान चलाया गया। फाउंडेशन के डा. गिरीश उनियाल ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता अभियान में भागीदारी करना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है और संस्था द्वारा समय-समय पर ऐसे कार्यक्रम आयोजित कर समाज में जिम्मेदारी की भावना को बढ़ावा दिया जाता रहेगा।इस दौरान फाउंडेशन के स्वयं सेवकों द्वारा सड़क के आसपास सफाई तथा 100 से अधिक पौधों की सिंचाई की गई। मौके पर सभी सदस्यों ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई और भविष्य में भी ऐसे जनहितकारी कार्यों को निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया। अभियान में प्रणिता कंडवाल, सुरेश चंद्र कुकरेती, सुमन कुकरेती, विकास नेगी, प्रियंका नेगी, राजू चौरसिया, सुषमा डोबरियाल, अनामिका ध्यानी, डॉ. अरुण खंतवाल ने सक्रिय सहभागिता निभाई।

मारवाड़ी चौक से नृसिंह मंदिर होते हुए बदरीनाथ भेजे जाएंगे वाहन

चमोली। बदरीनाथ धाम की यात्रा को देखते हुए ज्योतिर्मठ में वन वे ट्रैफिक व्यवस्था लागू कर दी गई है। बदरीनाथ धाम जाने वाले वाहन मारवाड़ी चौक से नृसिंह मंदिर होते हुए जाएंगे। यात्रा के दौरान जाम से बचने के लिए नगर में यह व्यवस्था लागू की गई। कोतवाली ज्योतिर्मठ में प्रभारी निरीक्षक देवेंद्र रावत ने व्यापार संघ, होटल एसोसिएशन, टैक्सी यूनियन के साथ बैठक की और सभी को यात्रा के दौरान वन वे ट्रैफिक व्यवस्था से अवगत कराया। बदरीनाथ धाम जाने वाले वाहन मारवाड़ी चौक से नृसिंह मंदिर होते हुए जाएंगे जबकि वापस आने वाले वाहन मुख्य बाजार से लौटेंगे। उन्होंने कहा कि रात आठ बजे से सुबह आठ बजे तक वन वे में छूट रहेगी। सामान उतारने के लिए व्यापारियों के लिए तीन जगह मुख्य बाजार, गुरुद्वारे के पास और बदरीनाथ टैक्सी स्टैंड चिह्नित की गई हैं। इसके अलावा अन्य जगह पर वाहन खड़े नहीं होंगे। यदि अन्य जगह पर वाहन खड़े रहे तो चालानी कार्रवाई की जाएगी। बैठक में व्यापार मंडल अध्यक्ष नैन सिंह भंडारी, होटल एसोसिएशन से अजय भट्ट, टैक्सी यूनियन के अध्यक्ष देवेंद्र राणा, सुभाष डिमरी, अमीत सती आदि मौजूद रहे।

यात्रा संचालन में पुलिस का करें सहयोगः गोपेश्वर। कोतवाली गोपेश्वर में पुलिस उपाधीक्षक मदन सिंह बिष्ट ने व्यापार संघ के साथ बैठक की। उन्होंने व्यापारियों से यात्रियों के साथ सौम्य व्यवहार रखने की अपील की। बाजार में साफ–सफाई बनाए रखने, यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाने में पुलिस का सहयोग करने, अतिक्रमण न करने के भी निर्देश दिए।

सरकार ने नहीं सुनी मांग तो ग्रामीणों ने खुद उठाई गैंती–कुदाल

चमोली। खेल मैदान के लिए वर्षों तक सरकारी दफ्तरों के चक्कर काटने और जनप्रतिनिधियों से गुहार लगाने के बाद भी जब कोई सुनवाई नहीं हुई तो ग्रामीणों ने खुद ही श्रमदान कर खेल मैदान तैयार करने का बीड़ा उठाया। विकासखंड पोखरी के गुणम गांव के ग्रामीण गैंती–कुदाल उठाकर अब श्रमदान कर खेल मैदान बनाने में जुट गए। गुणम के ग्रामीणों ने कहा कि उनके क्षेत्र में खेल मैदान नहीं होने से बच्चों की खेल गतिविधियां प्रभावित हो गई हैं। किसी को सेना में भर्ती के लिए अभ्यास करना है या खेल का प्रशिक्षण लेना है मगर मैदान नहीं होने से उन्हें खेतों में ही खेल व अन्य अभ्यास करने पड़ते हैं। पूर्व ग्राम प्रधान सज्जन नेगी ने बताया कि गांव में खेल मैदान के लिए शासन–प्रशासन को कई पत्र लिखे, जनप्रतिनिधियों से गुहार लगाई। मगर उनकी मांग को किसी ने गंभीरता से नहीं लिया। ऐसे में सभी ने तय किया कि वे खुद श्रमदान कर जमीन को समतल कर मिनी स्टेडियम बनाएंगे। अब खिरगढ़ तोक में गांव की जमीन पर ग्रामीणों ने काम करना शुरू कर दिया है।

ग्रामीणों ने की बाढ़ सुरक्षा कार्य कराने की मांग

चमोली। ब्लॉक के सेरा विजयपुर के अस्सों तोक में ग्रामीणों ने शासन प्रशासन से बाढ़ सुरक्षा कार्य कराने की मांग की। ग्रामीणों ने कहा कि वर्ष 2013 की आपदा के कारण यहां बहुत नुकसान हुआ था। आपदा में धंस गया था जिससे कई मकानों में दरारें आ गई थीं लेकिन आपदा के 13 वर्ष बाद भी यहां पर बाढ़ सुरक्षा कार्य नहीं हो पाए हैं। रमेश जोशी, जयदत्त, गोपाल दत्त, केश-ावानंद, हरिदत्त आदि ने कहा कि बरसात के मौसम में डर बना रहता है। वहीं सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता प्रशांत श्रीवास्तव ने कहा कि बाढ़ सुरक्षा के लिए प्रस्ताव बनाकर भेजा गया है। इसे मंजूरी मिलने के बाद ही बाढ़ सुरक्षा कार्य हो सकेंगे।

गौचर से बदरीनाथ तक यात्रा मार्ग पर लगे हैं 11 चार्जिंग प्वाइंट

चमोली। चमोली जनपद में यात्रा पर आने वाले इलेक्ट्रिक वाहन जीएमवीएन में स्थित चार्जिंग प्वाइंट पर वाहन चार्ज कर सकते हैं। गौचर से बदरीनाथ तक जीएमवीएन के 11 चार्जिंग प्वाइंट हैं। हर चार्जिंग प्वाइंट पर दो गाड़ी और एक स्कूटर चार्ज किए जा सकते हैं। प्रदेश में चारधाम यात्रा की शुरुआत हो चुकी है। जनपद में 23 अप्रैल को बदरीनाथ धाम के कपाट खुल जाएंगे। ऐसे में भारी संख्या में वाहनों का धाम में पहुंचने का सिलसिला शुरू हो चुका है। यात्रा के दौरान लोग इलेक्ट्रिक वाहन से भी यहां पहुंचते हैं। ऐसे में जीएमवीएन (गढ़वाल मंडल विकास निगम लि) ने अपने विश्राम गृहों में चार्जिंग प्वाइंट भी लगाए हैं। जीएमवीएन के क्षेत्रीय प्रबंधक विश्वनाथ बेंजवाल ने बताया कि यात्रा से पूर्व सभी चार्जिंग प्वाइंटों की जांच की गई है। सभी चालू स्थिति में हैं। ऐसे में यात्रा पर आने वाले श्रद्धालु इस सुविधा का लाभ ले सकते हैं।

ट्राले से टकराई टैक्सी, महिला की मौत

ऋषिकेश : दिल्ली से पौड़ी जा रही एक टैक्सी मंगलवार सुबह कौड़ियाला के पास बदरीनाथ नेशनल हाईवे किनारे खड़े ट्राले से टकरा गई। भीषण हादसे में कार के परखच्चे उड़ गए। हादसे में एक महिला की मौत हो गई, जबकि चालक समेत सात लोग घायल हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस और एसडीआरएफ टीम मौके पर पहुंची और राहत-बचाव कार्य शुरू किया। सभी घायलों को 108 सेवा से ऋषिकेश के सरकारी अस्पताल भेजा गया। मृत महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए एम्स भेजा गया है।

तहसील दिवस में सीडीओ ने सुनी समस्याएं

तहसील दिवस में सीडीओ गिरीश गुणवंत फरियादी की शिकायत सुनते हुए।

तहसील दिवस में 94 शिकायतें दर्ज, अधिकांश का मौके पर निस्तारण

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : मंगलवार को तहसील सभागार में मुख्य विकास अधिकारी गिरीश गुणवंत की अध्यक्षता में तहसील दिवस का आयोजन किया गया। तहसील दिवस के दौरान नागरिकों द्वारा कुल 94 शिकायतें दर्ज कराई गईं, जिनमें से अधिकांश का मौके पर ही निस्तारण किया गया, जबकि शेष शिकायतों के शीघ्र एवं प्रभावी निस्तारण हेतु संबंधित विभागीय अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए।

तहसील दिवस में पूर्ति विभाग, सड़क, पेयजल, स्वास्थ्य सेवाएं, अतिक्रमण तथा अन्य जनसुविधाओं से संबंधित शिकायतें प्रमुख रूप से प्राप्त हुईं। पूर्ति विभाग से संबंधित गैस आपूर्ति के मामलों में मुख्य विकास अधिकारी ने गंभीरता दिखाते हुए जिला पूर्ति अधिकारी को निर्देशित किया कि गैस एजेंसियों द्वारा निर्धारित वितरण स्थलों पर ही पारदर्शी तरीके से गैस वितरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि जिन उपभोक्ताओं ने पहले गैस बुक करवाई है, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर बुकिंग क्रम में ही गैस उपलब्ध करायी जाए। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि गैस वितरण में किसी प्रकार की असमानता अथवा अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी और इसकी सतत निगरानी सुनिश्चित की जाए। नगर क्षेत्र कोटद्वार में अतिक्रमण संबंधी शिकायतों पर उन्होंने नगर निगम प्रशासन को निर्देशित किया कि अवैध अतिक्रमण के विरुद्ध नियमित एवं प्रभावी अभियान चलाया जाए, ताकि आमजन एवं वाहनों की आवाजाही सुचारु बनी रहे और किसी प्रकार की असुविधा उत्पन्न न हो। पेयजल से संबंधित शिकायतों पर संबंधित विभाग को निर्देश दिए गए कि सभी क्षेत्रों में नियमित एवं पर्याप्त जलापूर्ति सुनिश्चित की जाए तथा जहां भी तकनीकी अथवा अन्य समस्याएं हैं, उनका त्वरित समाधान किया जाए। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी संदीप कुमार, अधिशासी अभियंता विद्युत नंदिता अग्रवाल, लोनिवि दुगड्डा निर्भय सिंह, ग्रामीण निर्माण खंड कोटद्वार श्रीपति डोभाल, महाप्रबंधक उद्योग सोमनाथ गर्ग, खंड विकास अधिकारी विद्यादत्त रतूड़ी, सहायक नगर आयुक्त अजय एष्टवाल, खाद्य निरीक्षक करण क्षेत्री आदि मौजूद थे।

किसी भी प्रकरण को अनावश्यक रूप से लंबित न रखें

मुख्य विकास अधिकारी गिरीश गुणवंत ने कहा कि तहसील दिवस शासन की महत्वपूर्ण पहल है, जिसके माध्यम से आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाता है। कहा कि जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है कि जनता की समस्याओं का समयबद्ध, पारदर्शी एवं प्रभावी निस्तारण किया जाए। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि तहसील दिवस में प्राप्त शिकायतों का निस्तारण निर्धारित समयसीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण ढंग से किया जाए तथा किसी भी प्रकरण को अनावश्यक रूप से लंबित न रखा जाए। उन्होंने कहा कि समस्याओं का निस्तारण संबंधित स्तर पर ही सुनिश्चित किया जाए, जिससे अनावश्यक विलंब से बचा जा सके और शिकायतकर्ता को शीघ्र राहत मिल सके।

स्कूलों का समय बदलने की मांग

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : प्राइवेट स्कूल संचालकों ने प्रशासन से स्कूलों का समय बदलने की मांग की है। प्राइवेट स्कूल वेलफेयर सोसाइटी के एक प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को तहसील में अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने कहा कि स्कूलों का समय पूर्व की भांति किया जाना चाहिए। वर्तमान समय किसी भी प्रकार से उचित नहीं है। कहा कि मैदानी क्षेत्र में लगातार पारा बढ़ रहा है, जिससे बच्चों के बीमार होने का खतरा बना हुआ है।

प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व अध्यक्ष अजयपाल सिंह और सचिव चंद्रशेखर ने किया। उन्होंने मुख्य विकास अधिकारी गिरीश गुणवंत और उप जिलाधिकारी संदीप कुमार से मुलाकात की। बताया कि मैदानी क्षेत्रों में गर्मी का प्रकोप बढ़ गया है और लू चल रही है। दोपहर के समय तेज धूप में निकलना बच्चों के स्वास्थ्य के लिए खतरनाक है। बच्चे इस गर्मी में सुस्त और बीमार हो रहे हैं। उन्होंने वर्तमान समय सुबह 7:45 बजे से दोपहर 2:5 बजे तक के समय को अनुचित बताया। उन्होंने स्कूल का समय पहले की तरह ही करने की मांग उठाई। प्रतिनिधिमंडल में गिरिराज सिंह रावत, राकेश उनियाल, करुणेश कुकरेती, रेणुका गुसाईं, गणेश ध्यानी, वरुण भदोला शामिल थे।

नाली से अतिक्रमण हटाने की उठाई मांग

कोटद्वार : तहसील दिवस में सुखरौ मंदिर समिति के अध्यक्ष राजाराम अणथ्वाल ने सुखरौ देवी मंदिर के पास नाली से अतिक्रमण हटाने की मांग करते हुए कहा कि तीन माह पूर्व नाली से अतिक्रमण हटाने को लेकर प्रशासन को ज्ञापन सौंपा गया था, लेकिन अभी तक नाली से अतिक्रमण नहीं हटाया गया है। कहा कि जनहित में जल्द से नाली से अतिक्रमण हटाया जाना चाहिए। श्री अणथ्वाल ने श्रमिकों की समस्या उठाते हुए कहा कि वर्षों से कोटद्वार का बाजार रविवार को बंद रहता था, जिससे दुकानों में कार्य करने वाले श्रमिकों का रविवार को अवकाश रहता था, लेकिन कुछ वर्षों से बाजार हर दिन की भांति रविवार को भी खुला रहता है, जिस कारण दुकान में काम करने वाले श्रमिकों को अवकाश नहीं मिलता है, जो कि श्रमिक अधिनियम के तहत अनुचित है। उन्होंने इस संबंध में उचित कार्रवाई करने की मांग की।

तीन दिवसीय बिगनर्स कोर्स का शुभारंभ

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोटद्वार में रोवर्स /रेंजर इकाई कोटद्वार के तत्वाधान में तीन दिवसीय बिगनर्स कोर्स का शुभारंभ किया । महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर डीएस नेगी ने माँ सरस्वती के चित्र पर पुष्प अर्पित तथा दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया । साथ ही उन्होंने सभी रोबर्स रेंजर को शुभकामनायें प्रेसित की एवं पूर्ण निष्ठा से प्रशिक्षण को पूरा करने के लिये प्रेरित किया। इसमें प्रशिक्षक के रूप में जिला गाइड आयुक्त पोड़ी श्रीमती शांति रतूड़ी एवं जिला संगठन आयुक्त स्काउट पौड़ी श्री रूप चंद्र लखेड़ा रहे । प्रथम दिन के उद्घाटन सत्र में प्रशिक्षण का आरंभ झंडा रोहण व झंडा गीत से किया गया तत्पश्चात स्काउट गाइड प्रार्थना संपन्न की गई तथा ध्वजारोहण के नियम रोबर्स रेंजर्स प्रशिक्षक द्वारा बताये गये । सूक्ष्म जलपान के बाद प्रथम सत्र का प्रारम्भ हुआ रेंजर्स प्रभारी डॉ सुषमा भट्ट थलेड़ी ने सभी आगमंतुकों का स्वागत करते हुए आगामी तीन दिवसों की गतिबिधियों से समस्त रोबर्स रेंजर्स को अवगत कराया। इस अवसर पर प्रशिक्षक श्रीमती शांति रतूड़ी ने बताया कि यह एक विश्व व्यापी संगठन है जो की वसुदेव कुटुंबकम की भावना से प्रेरित होकर कर्तव्य पालन की शिक्षा देता है । साथ

ही उन्होंने स्काउट गाइडऔर रोबर्स रेंजर के विभिन्न सिद्धांतों से समस्त प्रशिक्षशर्थीयों को अवगत कराया और उनको बिभिन्न टोलियो में बिभक्त कर उनके कार्य आवंटित किये । भोजनोंउपरांत द्वितीय सत्र में प्रशिक्षक श्री रूप चंद्र लखेडा ने स्काउट गाइड के चिहनो से अवगत कराते हुये स्काउट गाइड के जनक बेडन पावेल के जीवन परिचय से अवगत कराते हुये आंदोलन की जानकारी दी । इस प्रशिक्षण में रॉबर्स प्रभारी के रूप में डॉ जुनिस कुमार एवं रेंजर्स प्रभारी के रूप में सुषमा भट्ट थलेड़ी रहे । आज के प्रथम दिवस में महाविद्यालय के प्रोफेसर रमेश चंद चौहान, प्रोफेसर राखी डिमरी तथा सदस्य के रूप में डॉ सुरभि मिश्रा, डॉ जेसी भट्ट, अरविन्द दुदपुड़ी सहित समस्त प्रतिभागी छात्र छत्राएं उपस्थित रहे।

महापौर ने किया बुद्धा पार्क में चल रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : कोटद्वार नगर निगम महापौर शैलेन्द्र सिंह रावत ने मंगलवार को बुद्धा पार्क में चल रहे निर्माण कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान महापौर ने पार्क में चल रहे पथवे निर्माण, हरित क्षेत्र, सौंदर्यीकरण, प्रकाश व्यवस्था एवं जल निकासी प्रणाली के बारे में जानकारी ली। कहा कि पार्क का निर्माण कार्य शीघ्र ही पूर्ण कर लिया जायेगा जिससे क्षेत्रवासियों को सुव्यवस्थित एवं आकर्षक पार्क उपलब्ध हो सकेगा।

इस दौरान महापौर ने संबंधित अधिकारियों एवं कार्यदायी संस्था को निर्देशित करते हुए कहा कि निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नही की जाएगी। कहा कि बुद्धा पार्क क्षेत्रवासियों के लिए एक महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्थल के रूप में विकसित किया जा रहा है, जहां नागरिकों को स्वच्छ, हरित एवं शांत वातावरण प्राप्त होगा। उन्होंने कहा कि पार्क में बच्चों, युवाओं एवं वरिष्ठ नागरिकों के लिए विशेष सुविधाओं का प्रावधान किया जा रहा है, जिससे यह स्थान सामाजिक एवं पारिवारिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र बन सके। इस अवसर पर नगर आयुक्त पी एल शाह, सह नगर आयुक्त चंद्रशेखर शर्मा सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

किरायेदारों का सत्यापन जरूर कराएं

श्रीनगर गढ़वाल : नगर निगम क्षेत्र के वार्ड नंबर 12 के केवट मोहल्ला में पार्षद शुभम प्रभाकर की पहल पर बैठक आयोजित की गई। बैठक में मोहल्ले के लोग शामिल हुए और क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर अहम निर्णय लिए गए। बैठक में सर्वसम्मति से तय किया गया कि जिन मकान मालिकों ने बाहरी लोगों को किराये पर मकान दिए हैं वे उनका अनिवार्य रूप से पुलिस सत्यापन कराएं और किरायेदारों के रखरखाव व गतिविधियों पर नजर रखें। कहा गया कि यदि कोई मकान मालिक इस व्यवस्था का पालन नहीं करता है तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। बैठक में हुकुम लाल, चंद्रकला, रेखा देवी, जगदीश लाल, रमेश सहित कई लोग मौजूद रहे। (एजेंसी)

नेगी दा उत्तराखण्ड की संस्कृति के सबसे बड़े आलोक स्तंभ

श्रीनगर गढ़वाल : एचएनबी गढ़वाल विवि के चौरास परिसर स्थित लोक कला एवं संस्कृति निष्पादन केंद्र के प्रेक्षागृह में आयोजित नरेंद्र संगीत पर केंद्रित सात दिवसीय कार्यशाला के पांचवें दिन का शुभारंभ मुख्य अतिथि रंगकर्मी और वरिष्ठ पत्रकार दीपक डोभाल ने किया। उन्होंने कहा कि नरेंद्र सिंह नेगी उत्तराखंड की संस्कृति के सबसे बड़े आलोक स्तंभ हैं। उनके गीतों ने समाज को नई दिशा प्रदान की है। कार्यशाला के पांचवें दिन कलाकारों ने नेगीदा के लिखे गीतों की छटा बिखेरी। अखिलेश कोहली ने अबरि दां तू लंबी छुट्टि लेकि ऐई गीत गाकर जलमग्न टिहरी की यादों को ताजा कर दिया। प्रिया ठक्कर ने घौरै रै घौरै रै राणी बलम्पा, अंशिका पंवार ने तेरी पिड़ा मं द्वी आंसु मेरा भी तौरी जाला, अंजलि रावत ने ओटूवा बेलेण, हार्दिक कण्डारी ने त्यारा रूप की झोळ मा नौणी सि ज्यू म्यारु, राजेन्द्र जोशी ने मेळा खौळों मा रौळा थौळौं मं, कुसुम खत्री ने छान्यूं मा कर्यूं डेरू घर गौंउ छोड़्यूं चा, किरन जोशी ने जै अम्बा जगदम्बा जै माता राणी, शालिनी डालिया ने तेरो भाग त्वे दगड़ी मेरो भाग मैं दगड़ी आदि गीतों की प्रस्तुति दी।

देहरादून मैराथन में कोटद्वार के एथलीटों ने दिखाया दमखम

तीन साल की नैन्सी रही विशेष आकर्षण का केंद्र

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : भारतीय खेल प्राधिकरण एवं फिट इंडिया अभियान के तहत भारतीय सीमा सुरक्षा बल की हीरक जयंती पर देहरादून में आयोजित मैराथन में कोटद्वार के एथलीटों ने दमखम दिखाया।

एक ओर जहां मास्टर एथलीट महावीर सिंह बिष्ट व सतीश भारद्वाज ने तय समय से पहले मैराथन पूरी कर सभी की वाहवाही लूटी, वहीं तीन साल की नैन्सी विशेष आकर्षण का केंद्र रही। सभी एथलीटों ने अपनी सफलता का श्रेय शहीद मुकेश बिष्ट एकेडमी के कोच तालिब खान को दिया। वहीं क्षेत्र के समस्त खेल प्रेमियों ने एथलीटों के इस प्रदर्शन पर उन्हें शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।रविवार को देहरादून के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में बीएसएफ ने दून मैराथन का आयोजन किया।

करीब तीन हजार प्रतिभागियों ने देहरादून की सड़कों पर दौड़ लगाते हुए हम फिट तो देश फिट का संदेश दिया।

50 वर्ष से अधिक आयु वर्ग में पदमपुर कोटद्वार निवासी 70 वर्षीय मास्टर एथलीट महावीर सिंह बिष्ट ने 10 किमी. व बालासौड़ कोटद्वार निवासी 63 वर्षीय मास्टर एथलीट सतीश भारद्वाज ने 21 किमी. हाफ मैराथन दौड़ तय समय से पहले ही पूरी की। वहीं 14 से 19 आयु वर्ग में मोटाढाक निवासी काजल, नींबूचौड़ निवासी याशिका, खूनीबड़ निवासी अराधना, बालक वर्ग में कोटद्वार बाजार निवासी आरुष, उमरावनगर निवासी आरव, नींबूचौड़ निवासी लकी, मवाकोट निवासी विजय, नींबूचौड़ निवासी अक्षय, लालपानी निवासी आकाश, अंकित, वंश बिष्ट ने 10 किमी. दौड़ नियत समय से पूर्व ही पूरी कर देहरादून में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। उमरावनगर निवासी एवं कक्षा तीन में अध्ययनरत तीन वर्षीय नैन्सी ने विशेष अनुमति के तहत प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया और तय समय से पूर्व एक घंटा तीन मिनट में 10 किमी. की दौड़ पूरी कर आकर्षण का केंद्र रही।

संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने के लिए जिले में चलाया जागस्कता अभियान

अल्मोड़ा। सुरक्षित मातृत्व को बढ़ावा देने के उद्देश्य से स्वास्थ्य विभाग ने जिले के विभिन्न विकासखंडों में सघन जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। सचिव, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा, उत्तराखंड देहरादून के निर्देशों के क्रम में प्रभारी मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. अरविन्द पांगती के मार्गदर्शन में यह अभियान हवालबाग, चौखुटिया, द्वाराहाट, स्याल्दे, सल्ट, ताकुला और भैसियाछाना ब्लॉकों में संचालित किया जा रहा है।

अभियान के तहत लोगों को संस्थागत प्रसव के लाभों के बारे में जानकारी दी जा रही है। अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. योगेश पुरोहित ने बताया कि संस्थागत प्रसव का अर्थ प्रशिक्षित स्वास्थ्य कर्मियों की देखरेख में किसी चिकित्सा संस्थान में सुरक्षित प्रसव कराना है, जहां किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए आवश्यक सुविधाएं

उपलब्ध रहती हैं। उन्होंने बताया कि घरेलू प्रसव के दौरान जटिलताओं की आशंका अधिक रहती है, जबकि अस्पतालों में प्रसव से जुड़ी सभी चिकित्सीय सेवाएं उपलब्ध होती हैं। स्वास्थ्य विभाग की टीमें सभी ब्लॉकों में घर–घर जाकर गर्भवती महिलाओं और उनके परिजनों को संस्थागत प्रसव के लिए प्रेरित कर रही हैं, ताकि प्रत्येक महिला सुरक्षित वातावरण में अस्पताल में प्रसव करा सके। विभाग द्वारा जननी सुरक्षा योजना तथा ईजा–बोई योजना के तहत संस्थागत प्रसव आर्थिक सहायता, दवाई आदि की जबकि आने–जाने के लिए 108 और 102 एंबुलेंस सेवाएं भी निशुल्क उपलब्ध हैं।

4 मई से होगी सम सेमेस्टर की परीक्षाएं

श्रीनगर गढ़वाल : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल केंद्रीय विवि की सम सेमेस्टर परीक्षाओं का कार्यक्रम घोषित कर दिया गया है। सम सेमेस्टर (द्वितीय, चतुर्थ, छठवें, आठवें) की परीक्षाएं 4 मई से शुरू होंगी, जबकि परीक्षाओं का समापन 30 मई को होगा। विवि के परीक्षा नियंत्रक प्रो. जेएस चौहान ने बताया कि सम सेमेस्टर परीक्षाओं का कार्यक्रम विवि की वेबसाइट पर अपलोड किया गया है। छात्र वेबसाइट पर जाकर या अपने कॉलेजों से परीक्षा कार्यक्रम प्राप्त कर सकते हैं।

छात्रों ने की बीजीआर परिसर में तालाबंदी

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : बीजीआर परिसर में छात्रों ने विभिन्न मांगों के समाधान के लिए अनिश्चितकालीन तालाबंदी शुरू कर दी है। मंगलवार को छात्रों ने प्रशासनिक भवन पर ताला जड़ते हुए जोरदार प्रदर्शन किया और विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। छात्रों ने चेतावनी दी है कि जब तक कुलपति स्वयं बीजीआर परिसर पहुंचकर वार्ता नहीं करते, तब तक तालाबंदी जारी रहेगी। छात्रों का आरोप है कि वे लंबे समय से परिसर की समस्याओं के लिए विवि प्रशासन से मांग कर रहे हैं, लेकिन उनकी अनदेखी की जा रही है। परिसर प्रशासन और छात्रों के बीच हुई वार्ता भी बेनतीजा रही, जिससे नाराज छात्रों ने आंदोलन तेज कर दिया। छात्रसंघ अध्यक्ष चिराग गुसाईं ने बताया कि परिसर में प्रस्तावित खेल मैदान का निर्माण कार्य शुरू होने के बाद अधूरा छोड़ दिया गया है, जिससे छात्रों में रोष है।

रंगाई–पुताई के बाद भी गोजियाणा का हैंडपंप बेकार

नई टिहरी। भिलंगना ब्लॉक के कोटी फैगुल क्षेत्र के गोजियाणा गांव में एक हैंडपंप लंबे समय से खराब पड़ा है। हाल ही में विभाग ने इसकी रंगाई–पुताई कर इसे बाहर से चकाचक कर दिया। हालांकि, इसे ठीक करने का कोई प्रयास नहीं किया गया जिससे यह केवल एक मात्र सजावट की वस्तु बनकर रह गया है। गोजियाणा के समीप टिहरी–घनसाली–ढुंगमंदार सड़क किनारे स्थित यह खराब हैंडपंप ग्रामीणों और राहगीरों को परेशान कर रहा है। बाहर से चमचमाता दिखने वाला यह हैंडपंप पीने के पानी की सुविधा प्रदान नहीं कर पा रहा है। स्थानीय निवासी जयप्रकाश कंसवाल के अनुसार, तिराहे पर होने के कारण दिनभर लोग वाहनों का इंतजार करते हैं। गांव के अधिकांश परिवार भी पीने के लिए इसी हैंडपंप पर निर्भर थे। हैंडपंप खराब होने से ग्रामीणों और यात्रियों को गंभीर पेयजल समस्या का सामना करना पड़ रहा है। गांव में जल जीवन मिशन के तहत पेयजल लाइन बिछी है,

दूरसंचार नेटवर्क खराब रहने पर डीएम ने 30 अप्रैल तक मांगी रिपोर्ट

नई टिहरी। जिले के दूरस्थ और दुर्गम क्षेत्रों में मोबाइल नेटवर्क एवं कनेक्टिविटी की समस्या को गंभीरता से लेते हुए डीएम नितिका खंडेलवाल ने कड़ा आक्रोश जताया है। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में डीएम ने दूरसंचार सेवाओं की स्थिति पर नाराजगी जताते हुए बीएसएनएल के अधिकारियों को 30 अप्रैल तक विस्तृत रिपोर्ट उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। डीएम ने कहा कि दूरसंचार व्यवस्था का सुदृढ़ होना आपदा प्रबंधन, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं के साथ–साथ समग्र विकास के लिए आवश्यक है।

एलपीजी सिलिंडर नहीं पहुंचने पर आक्रोशित उपभोक्ताओं ने किया प्रदर्शन

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : पौड़ी न्यू बस अड्डे पर घंटों में लाइन में खड़े उपभोक्ताओं को मायूस होकर खाली हाथ लौटना पड़ा। मंगलवार को आक्रोशित उपभोक्ताओं ने धरना देकर प्रदर्शन किया। उपभोक्ताओं ने कहा कि वह गत सोमवार को भी वह सिलिंडरों के लिए लाइन में खड़े थे, लेकिन सिलिंडर का वाहन, जिस कारण वह खाली सिलिंडर लेकर लौट गये। मंगलवार को भी उपभोक्ता सिलिंडर लेने के लिए लाइन में खड़ रहे, लेकिन मंगलवार को भी सिलिंडर का वाहन प्वाइंट पर नहीं पहुंचा तो उपभोक्ता भड़क गये।

मंगलवार को पौड़ी न्यू बस अड्डे पर सुबह से लाइन पर घंटों खड़े उपभोक्ताओं का इंतजार आक्रोश में बदल गया। उन्होंने न्यू बस अड्डे से गुजरने वाले राज्य राजमार्ग पौड़ी-देवप्रयाग पर जाम लगाकर धरना देकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। मामले को बढ़ता देख जिला प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और उपभोक्ताओं को समझाने का प्रयास किया। आश्वासन दिया कि 24 अप्रैल से पहले सभी को सिलिंडर मुहैया कराए जाएंगे, इसके बाद उपभोक्ताओं ने प्रदर्शन रोका। बीते सोमवार को निर्धारित रोस्टर के अनुसार न्यू बस अड्डे और सर्किट हाउस मोहल्ले में एलपीजी सिलिंडरों का वितरण होना था जिसके लिए उपभोक्ता अपने तय प्वाइंट पर सुबह से ही लाइन में लगे रहे। घंटों इंतजार के बाद भी सिलिंडर का वाहन नहीं आया तो उपभोक्ताओं ने फिर दूसरे दिन मंगलवार को लाइन लगाकर सिलिंडर पहुंचने का इंतजार किया। करीब 12 बजे तक उपभोक्ता सिलिंडर पहुंचने की राह ताकते रहे। उपभोक्ता मोहित सिंह, सज्जन सिंह, हरीश ने बताया कि सुबह 6 बजे से लाइन लगाकर सिलिंडर का इंतजार कर रहे हैं। सिलिंडरों के लिए लोगों की दिनचर्या ही प्रभावित हो रही है।

इस मौके पर आशीष नेगी, उषा देवी, संग्राम सिंह, शुभम बिष्ट, मुकेश, कंचन, सुनीता, सुरेंद्र, दिनेश, विपिन आदि मौजूद रहे। वहीं जिला पूर्ति अधिकारी अरुण कुमार वर्मा ने बताया कि पौड़ी में हर दिन 2700 सिलिंडर बंट रहे हैं। कहा कि पौड़ी में सिलिंडरों की कोई किल्लत नहीं है। उपभोक्ताओं को लाइनों से मुक्ति दिलाने के लिए होम डिलीवरी सिस्टम शुरू किया जा रहा है।

संपादकीय

प्रधानमंत्री पर आपत्तिजनक टिप्पणी

राजनीति में अक्सर दलों की आपस की लड़ाई कई बार व्यक्तिगत कटाक्ष करने का भी कारण बन जाती है। खास तौर से चुनावों के समय में नेता अक्सर ऐसी बातें मंच से बोल जाते हैं जो किसी व्यक्ति की गरिमा और सम्मान पर सीधे प्रहार करती है। ऐसा कोई एक दल नहीं बल्कि सभी दलों के लोग भड़काऊ और गरिमा खंडित करने वाले शब्द बोलते हैं जो बाद में स्वयं उन्हीं के लिए मुसीबत बन जाते हैं। अब ताजा बयान कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़के का आया है जो उन्होंने चेन्नई में दिया जिसमें उन्होंने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आतंकवादी बोलकर सबको सकते में डाल दिया। निश्चित तौर पर यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि एक वरिष्ठ नेता इस तरह की भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं और प्रधानमंत्री पद की गरिमा को ठेस पहुंचा रहे हैं। नेताओं को मंच से किसी भी प्रकार का भाषण देते हुए शब्दों और नैतिकता का खास ध्यान रखना चाहिए। जिस प्रकार से यह बयान दिया गया है उससे लगता है कि कांग्रेस व्यक्तिगत कटाक्ष पर उतर आई है जो कि राजनीति को एक गलत दिशा में ले जाने का काम कर रही है। हालांकि ऐसा नहीं है कि केवल कांग्रेस की तरफ से ही इस प्रकार की बयानबाजी राजनीतिक मंचों से सामने आई है बल्कि इससे पूर्व भाजपा नेताओं द्वारा भी कांग्रेस की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी के बारे में शर्मनाक बातें कहीं जा चुकी है तो वहीं समाजवादी पार्टी के मंच से भी दिवंगत मुलायम सिंह यादव ने महिलाओं से छेड़खानी को लेकर विवादित बयान दिया था। राजनीति का स्वरूप साफ सुथरा और आमजन के मुद्दों से जुड़ा हुआ होना चाहिए लेकिन राजनीति के चेहरे ने एक काला नकाब ओढ़ लिया है जिसमें बुनियादी मुद्दों को दरकिनार कर व्यक्तिगत तौर पर एक दूसरे को निशाना बनाया जा रहा है। कौन नेता अच्छा और खराब है यह देश की जनता अपने वोट और संबंधित नेता की लोकप्रियता से निर्धारित करती है। कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़क अगर ऐसा कोई बयान देश के प्रधानमंत्री के लिए देते हैं तो यह बेहद आपत्तिजनक है, और यदि उनके पास ऐसी कोई सबूत है तो इसी राजनीतिक मंच से जनता के सामने पेश भी करें। अन्यथा यह केवल उनकी निराशा और सस्ती लोकप्रियता बटोरने का एक प्रयास मात्र ही माना जाएगा। इतना तो निश्चित है कि कांग्रेस प्रत्येक चुनाव में अपने लिए कोई ना कोई ऐसा गड्ढा जरूर होती है जिसे भरना बाद में उसी के लिए मुश्किल हो जाता है।

चिंतन-मनन

मृत्यु का अर्थ

मृत्यु एक शात सत्य है। यह अनुभूति प्रत्यक्ष प्रमाणित है, फिर भी इसके संबंध में कोई दर्शन नहीं है। अब तक जितने ऋषि-महर्षि या संत-महंत हुए हैं, उन्होंने जीवन दर्शन की चर्चा की है। जीवन के बारे में ऐसी अनेक दृष्टियां उपलब्ध हैं जिनसे जीवन को सही रूप में समझा जा सकता है और जिया जा सकता है। किंतु मृत्युक को एक अवश्यंभावी घटना मात्र मानकर उपेक्षित कर दिया गया। मृत्यु के पीछ भी कोई दर्शन है, इस रहस्य को अधिक लोग पकड़ ही नहीं पाए। यही कारण है कि जीवन दर्शन की भांति मृत्यु दर्शन जीवन में उपयोगी नहीं बन सका। जैन दर्शन एक ऐसा दर्शन है जिसने जीवन को जितना महत्व दिया, उतना ही महत्व मृत्यु को दिया। बशत्रे कि वह कलात्मक हो। कलात्मक जीवन जीने वाला व्यक्ति जीवन की सब विसंगतियों के मध्य जीता हुआ भी उसका सार तत्व खींच लेता है। इसी प्रकार मृत्यु की कला समझने वाला व्यक्ति भी मृत्यु से भयभीत न होकर उसे चुनौती देता है। जैन दर्शन में इसका सवार्गीण विवेचन उपलब्ध है। मृत्यु का अर्थ है- आयुष्य प्राण चुक जाने पर जीव का स्थूल शरीर से वियोग।इसके कई प्रकार हैं। उन सबका संक्षिप्त वर्गीकरण किया जाए तो मृत्यु के दो प्रकार होते हैं- बाल मरण और पंडित मरण. असंयम और असमाधिमय मरण बाल मरण है।अकाल मृत्यु, आत्महत्या, अज्ञान मरण आदि सभी प्रकार के मरण बाल मरण में अंतर्निहित हैं। संयम और समाधिमय मृत्यु पंडित मरण है। जीवन के अंतिम क्षणों में भी संयम और समाधि का स्पर्श हो जाए तो वह मरण पंडित मरण की गणना में आ जाता है। कुछ व्यक्ति मौत के नाम से ही घबराते हैं। वे जीवन को महत्व देते हैं। अपना-अपना चिंतन है। मुझे इस संबंध में अपने विचार देने हों तो मैं मृत्यु को वरीयता दूंगा। क्योंकि जीवन की सार्थकता भी मृत्यु पर ही निर्भर करती है। किसी व्यक्ति ने तपस्या की है और जागरुकता के साथ धर्म की आराधना की है, तो उसका फल समाधिमय मृत्यु ही है।

स्पेस में बढ़ता मलबा और सैटेलाइट की सुरक्षा बनी चुनौती

कांतिलाल मांडोत

पिछले दो दशकों में अंतरिक्ष गतिविधियों में जिस तेजी से वृद्धि हुई है, उसने मानवता को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है, लेकिन इसके साथ एक गंभीर खतरा भी पैदा हो गया है। यह खतरा है अंतरिक्ष में तेजी से बढ़ते मलबे का, जिसे अब वैज्ञानिक ह्यस्पेस डेब्रिसह्न के नाम से पहचानते हैं। 2005 से 2025 के बीच भारत सहित दुनिया के कई देशों ने सैकड़ों उपग्रह अंतरिक्ष में स्थापित किए, जिससे पृथ्वी की कक्षा पहले की तुलना में कहीं अधिक भीड़भाड़ वाली हो गई है। इस स्थिति ने सैटेलाइट की सुरक्षा को एक बड़ी चुनौती बना दिया है।

भारत की अंतरिक्ष एजेंसी भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने इस खतरे को गंभीरता से लेते हुए कई बार अपने उपग्रहों और मिशनों को संभावित टकराव से बचाने के लिए कक्षा में बदलाव किया है। हाल के वर्षों में उपग्रहों और चंद्र मिशनों को कुल 18 बार खतरे से बचाने के लिए रास्ता बदलना पड़ा, जिनमें से अधिकांश मामले अंतरिक्ष मलबे से जुड़े थे। यह केवल तकनीकी चुनौती नहीं है, बल्कि यह भविष्य के अंतरिक्ष अभियानों की सुरक्षा और सफलता से भी जुड़ा हुआ विषय बन चुका है।

अंतरिक्ष में मलबे की समस्या अब एक वैश्विक चिंता बन चुकी है। विभिन्न शोधों के अनुसार, पृथ्वी की कक्षा में 10 सेंटीमीटर से बड़े लगभग 40,000 मलबे के टुकड़े मौजूद हैं, जबकि 1 सेंटीमीटर से बड़े टुकड़ों की संख्या 12 लाख के करीब पहुंच चुकी है। यह मलबा पुराने उपग्रहों के अवशेष, रॉकेट के टूटे हिस्से और टकराव से उत्पन्न कणों का मिश्रण है। इनकी रफ्तार लगभग 28,000 किलोमीटर प्रति घंटा होती है, जो किसी भी सक्रिय उपग्रह के लिए बेहद खतरनाक है। इतनी तेज गति से चलने वाला एक छोटा सा टुकड़ा भी किसी सैटेलाइट को पूरी तरह नष्ट कर सकता है।

भारत के चंद्र मिशन भी इस खतरे से अछूते नहीं हैं। चंद्रयान-2 के ऑर्बिटर को 2025 में कई बार अपनी कक्षा बदलनी पड़ी। अकेले इस मिशन के लिए 16 बार ऑर्बिट मैन्यूवर किए गए, ताकि संभावित टकराव से बचा जा सके। यह दशार्ता है कि अब अंतरिक्ष में काम करना पहले की तुलना में कहीं अधिक जटिल और जोखिम भरा हो गया है। हर मिशन को न केवल अपने वैज्ञानिक उद्देश्यों पर ध्यान देना होता है, बल्कि उसे सुरक्षित बनाए रखना भी उतना ही महत्वपूर्ण हो गया है। अंतरिक्ष में बढ़ती भीड़ का एक और असर लॉन्चिंग प्रक्रियाओं पर भी पड़ा है। कई बार रॉकेट लॉन्च को अंतिम क्षणों में टालना पड़ता है ताकि वह मलबे के रास्ते से बच सके। एक मामले में भारत को अपने एक मिशन की लॉन्चिंग 41 सेकंड तक टालनी पड़ी, ताकि संभावित टकराव से बचा जा सके। यह छोटी सी देरी दिखने में मामूली लग सकती है, लेकिन इसके पीछे अत्यंत जटिल गणनाएं और सुरक्षा उपाय होते हैं।

इस चुनौती से निपटने के लिए भारत ने ह्यनेत्रह्न परियोजना की शुरूआत की है। प्रोजेक्ट नेत्र का उद्देश्य अंतरिक्ष में मौजूद मलबे और अन्य वस्तुओं की निगरानी करना है। इसके तहत उन्नत ट्रैकिंग सिस्टम विकसित किए जा रहे हैं, जो 10 सेंटीमीटर तक के मलबे को भी पहचान सकें। यह प्रणाली भविष्य में सैटेलाइट्स को समय रहते खतरे से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

दुनिया के अन्य देश भी इस समस्या के समाधान के लिए प्रयास कर रहे हैं। अमेरिका उन्नत कोलिजन अवॉइडेंस सॉफ्टवेयर विकसित कर रहा है और 2030 तक सक्रिय मलबा हटाने वाली तकनीकों को तैनात करने की योजना बना रहा है। चीन ने विशाल ग्राउंड-बेस्ड टेलीस्कोप सिस्टम तैयार किया है, जो अंतरिक्ष में मौजूद वस्तुओं की निगरानी करता है और उपग्रहों को सुरक्षित कक्षा में स्थानांतरित करने में मदद करता है। वहीं यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी मलबे को हटाने के लिए नई तकनीकों पर काम कर रही है, जिनमें छोटे कणों को जलाकर नष्ट करना या उनकी दिशा बदलना शामिल है।

अंतरिक्ष में मलबे की समस्या केवल तकनीकी नहीं है, बल्कि यह अंतरराष्ट्रीय सहयोग की भी मांग करती है। जैसे-जैसे अधिक देश और निजी कंपनियां अंतरिक्ष में प्रवेश कर रही हैं, यह जरूरी हो गया है कि सभी एक साझा नियम और जिम्मेदारी के तहत काम करें। अगर इस दिशा में समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो भविष्य में अंतरिक्ष अभियानों की लागत और जोखिम दोनों बढ़ सकते हैं।

स्पेस डेब्रिस का बढ़ता खतरा हमें यह सोचने पर मजबूर करता है कि अंतरिक्ष अब केवल खोज और विकास का

क्षेत्र नहीं रह गया है, बल्कि इसकी सुरक्षा भी उतनी ही जरूरी हो गई है। आने वाले वर्षों में सैटेलाइट्स की संख्या और बढ़ेगी, जिससे यह चुनौती और गंभीर हो सकती है। ऐसे में वैज्ञानिकों और अंतरिक्ष एजेंसियों के लिए यह आवश्यक हो गया है कि वे नई तकनीकों और रणनीतियों के माध्यम से इस समस्या का समाधान निकालें।

अंततः यह कहा जा सकता है कि अंतरिक्ष में बढ़ता मलबा मानवता के लिए एक चेतावनी है। यदि हम समय रहते सतर्क नहीं हुए, तो यह हमारी सबसे महत्वपूर्ण तकनीकी उपलब्धियों के लिए खतरा बन सकता है। इसलिए सैटेलाइट की सुरक्षा अब केवल एक तकनीकी मुद्दा नहीं, बल्कि वैश्विक जिम्मेदारी बन चुकी है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ताः सुविधा का वरदान या मूल्यों का संकट

ललित गर्ग

मानव सभ्यता के विकास का इतिहास यदि देखा जाए तो यह स्पष्ट होता है कि हर नई तकनीक अपने साथ संभावनाओं और संकटों का एक द्वंद्व लेकर आती है। आज का समय भी इसी द्वंद्व से गुजर रहा है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के रूप में विकसित हो रही नवीन तकनीक ने जीवन को सरल, तीव्र और सुविधाजनक बनाया है, किंतु इसके साथ ही यह मानवीय मूल्यों, नैतिकता और सामाजिक संतुलन के लिए एक गंभीर चुनौती भी बनकर उभर रही है। समाज के चिंतकों, दार्शनिकों और आध्यात्मिक नेतृत्व ने समय-समय पर इस विषय पर चिंता व्यक्त की है और हाल ही में पोप लियो 14 द्वारा व्यक्त आशंकाओं ने इस चिंता को वैश्विक विमर्श का केंद्र बना दिया है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि यदि इस तकनीक का उपयोग नैतिक मयार्दाओं से परे जाकर किया गया, तो यह विश्व में विभाजन, भय, हिंसा और संघर्ष को बढ़ावा दे सकती है। यह चेतावनी केवल एक धार्मिक नेता की भावनात्मक प्रतिक्रिया नहीं है, बल्कि यह उस गहरी चिंता का संकेत है जो आज पूरी मानवता के भीतर कहीं न कहीं विद्यमान है। तकनीक अपने आप में न तो नैतिक होती है और न ही अनैतिक, किंतु उसका उपयोग उसे किसी भी दिशा में ले जा सकता है।

वर्तमान समय में यह देखा जा रहा है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग केवल रचनात्मक और सकारात्मक कार्यों तक सीमित नहीं रह गया है। इसके माध्यम से झूठी सूचनाओं का निर्माण, नकली चित्रों और ध्वनियों का सृजन तथा जनमत को प्रभावित करने के प्रयास तेजी से बढ़े हैं। चुनावी प्रक्रियाओं में इसका उपयोग लोकतंत्र की जड़ों को कमजोर कर सकता है। जब कोई मतदाता यह

समझ ही नहीं पाता कि जो वह देख रहा है या सुन रहा है वह सत्य है या निर्मित भ्रम, तब उसकी निर्णय क्षमता प्रभावित होती है। यह स्थिति लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति विश्वास को कमजोर करती है। आज सोशल माध्यमों पर ऐसी अनेक घटनाएँ सामने आती हैं, जहाँ किसी व्यक्ति को नरेंद्र मोदी जैसे बड़े नेताओं के साथ दिखाया जाता है, जबकि वास्तविकता में ऐसा कभी हुआ ही नहीं होता। यह केवल व्यक्तिगत भ्रम नहीं, बल्कि सामाजिक स्तर पर विश्वास की संरचना को कमजोर करने वाला प्रवाह है। जब झूठ और सत्य के बीच की रेखा धुंधली हो जाती है, तब समाज में संशय, अविश्वास और अस्थिरता का वातावरण बनता है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता का एक और चिंताजनक पक्ष है साइबर अपराधों में इसका बढ़ता उपयोग। आज अपराधी किसी व्यक्ति की आवाज की नकल करके उसके परिचितों को धोखा देने में सक्षम हो गए हैं। परिवार के सदस्य या अधिकारी बनकर धन की ठगी करना अब अत्यंत सरल हो गया है। इस प्रकार की घटनाओं ने अनेक लोगों की जीवन भर की कमाई को पल भर में समाप्त कर दिया है। यह केवल आर्थिक क्षति नहीं, बल्कि विश्वास और सुरक्षा की भावना पर गहरा आघात है। वित्तीय क्षेत्र में भी इस तकनीक का दुरुपयोग गंभीर संकट उत्पन्न कर सकता है। स्वचालित हमलों के माध्यम से बैंकिंग व्यवस्था की कमजोरियों का लाभ उठाया जा सकता है। यदि इस प्रकार के हमले व्यापक स्तर पर होते हैं, तो यह केवल व्यक्तिगत हानि तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि राष्ट्रीय और वैश्विक अर्थव्यवस्था को भी अस्थिर कर सकते हैं। यह स्थिति उस समय और भी गंभीर हो जाती है जब नियामक संस्थाएँ इन जटिल तकनीकों की गति और स्वरूप को समझने में पीछे रह जाती हैं।

पर्यावरणीय दृष्टि से भी यह तकनीक पूरी तरह निर्दोष नहीं है। विशाल आंकड़ा केंद्रों की स्थापना, ऊर्जा की अत्यधिक खपत, तथा खनिज संसाधनों का दोहन-ये सभी प्रकृति पर अतिरिक्त दबाव डालते हैं। कोबाल्ट और लिथियम जैसे खनिजों की बढ़ती मांग पर्यावरणीय असंतुलन और मानवीय शोषण दोनों को जन्म देती है। इस प्रकार यह तकनीक केवल सामाजिक या नैतिक ही नहीं, बल्कि पर्यावरणीय चुनौती भी बन रही है। इन सभी चिंताओं के बीच यह समझना आवश्यक है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता को नकारा नहीं जा सकता। यह आधुनिक जीवन का अभिन्न अंग बन चुकी है और चिकित्सा, शिक्षा, आपदा प्रबंधन तथा उत्पादन के क्षेत्र में इसके योगदान को अनदेखा नहीं किया जा सकता। समस्या तकनीक में नहीं, बल्कि उसके उपयोग के स्वरूप में है। यदि इसे मानवीय मूल्यों, नैतिकता और सामाजिक उत्तरदायित्व के साथ जोड़ा जाए, तो यह एक वरदान सिद्ध हो सकती है।

इसके लिए सबसे पहले आवश्यक है कि इसके विकास और उपयोग के लिए स्पष्ट और सशक्त नियम बनाए जाएं। सरकारों और संस्थाओं को यह सुनिश्चित करना होगा कि इस तकनीक का उपयोग पारदर्शी, सुरक्षित और उत्तरदायी तरीके से हो। कंपनियों को अपने तंत्र में ऐसी व्यवस्थाएँ विकसित करनी चाहिए, जिससे किसी भी प्रकार की भ्रामक सामग्री की पहचान और नियंत्रण संभव हो सके। साथ ही नागरिकों की जागरूकता भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। डिजिटल साक्षरता के बिना कोई भी समाज इस चुनौती का सामना नहीं कर सकता। लोगों को यह समझना होगा कि जो कुछ वे देख या सुन रहे हैं, वह हमेशा सत्य नहीं हो सकता। सत्यापन की प्रवृत्ति को विकसित करना समय की आवश्यकता है। नैतिकता के स्तर पर यह भी आवश्यक है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता के प्रशिक्षण के लिए उपयोग किए जाने वाले आंकड़े निष्पक्ष और उच्च गुणवत्ता वाले हों। यदि आधार ही पक्षपाती होगा, तो परिणाम भी पक्षपाती होंगे। इससे सामाजिक असमानता और भेदभाव को बढ़ावा मिल सकता है। इसलिए निष्पक्षता, पारदर्शिता, गोपनीयता और उत्तरदायित्व जैसे सिद्धांतों को इसके विकास का आधार बनाना होगा।

सांस्कृतिक दृष्टि से भी यह ध्यान रखना आवश्यक है कि तकनीकी विकास हमारी परंपराओं और मूल्यों के साथ संतुलन बनाए रखे। हमारी सांस्कृतिक धरोहर का डिजिटलीकरण और संरक्षण इस दिशा में एक सकारात्मक कदम हो सकता है, किंतु यह भी सुनिश्चित करना होगा कि इसका उपयोग सम्मानपूर्वक और संवेदनशीलता के साथ किया जाए। साररूप में यह कहा जा सकता है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता एक शक्तिशाली साधन है, जो मानव जीवन को नई दिशा दे सकता है। किंतु यदि इसे नैतिकता से अलग कर दिया जाए, तो यह उसी गति से विनाश का कारण भी बन सकता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम तकनीक के विकास के साथ-साथ अपने नैतिक मूल्यों को भी सुदृढ़ करें। विज्ञान और मानवीय संवेदना के बीच संतुलन ही वह मार्ग है, जो हमें सुरक्षित और समृद्ध भविष्य की ओर ले जा सकता है।

धधकती धरतीः विकास की दौड़ या विनाश की ओर?

योगेश कुमार गोयल

प्रकृति पिछले कुछ समय से बार-बार भयानक आंधियों, तूफान और ओलावृष्टि के रूप में यह गंभीर संकेत देती रही है कि विकास के नाम पर हम प्रकृति से भयानक तरीके से जिस तरह का खिलवाड़ कर रहे हैं, उसके परिणामस्वरूप मौसम का मिजाज कब कहां किस कदर बदल जाए, कुछ भी भविष्यवाणी करना मुश्किल होता जा रहा है।

न केवल भारत में बल्कि वैश्विक स्तर पर तापमान में लगातार हो रही बढ़ोतरी तथा मौसम का निरन्तर बिगड़ता मिजाज गंभीर चिंता का सबब बना है। हालांकि जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए विगत वर्षों में दुनियाभर में दोहा, कोपेनहेगन, कानकुन इत्यादि बड़े-बड़े अंतर्राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन होते रहे हैं किन्तु उसके बावजूद इस दिशा में अभी तक ठोस कदम उठते नहीं देखे गए हैं। दरअसल वास्तविकता यही है कि राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर प्रकृति के बिगड़ते मिजाज को लेकर चचाएं और चिंताएं तो बहुत होती हैं, तरह-तरह के संकल्प भी दोहराये जाते हैं किन्तु सुख-संसाधनों की अंधी चाहत, सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि, अनियंत्रित औद्योगिक विकास और रोजगार के अधिकाधिक अवसर पैदा करने के दबाव के चलते इस तरह की चचाएं और चिंताएं अर्थहीन होकर रह जाती हैं। ऐसे में पर्यावरण संरक्षण को लेकर लोगों में जागरूकता पैदान करने तथा पृथ्वी को बचाने के लिए प्रतिवर्ष 22 अप्रैल को 'विश्व पृथ्वी दिवस' मनाया जाता है।

प्रकृति पिछले कुछ समय से बार-बार भयानक आंधियों, तूफान और ओलावृष्टि के रूप में यह गंभीर संकेत देती रही है कि विकास के नाम पर हम प्रकृति से भयानक तरीके से जिस तरह का खिलवाड़ कर रहे हैं, उसके परिणामस्वरूप मौसम का मिजाज कब कहां किस कदर बदल जाए, कुछ भी भविष्यवाणी करना मुश्किल होता जा रहा है। ग्लोबल वार्मिंग के चलते दुनियाभर में मौसम का मिजाज किस कदर बदल रहा है, इसका अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि उत्तरी ध्रुव के तापमान में एक-दो नहीं बल्कि करीब 30 डिग्री तक की बढ़ोतरी देखी गई। मौसम की प्रतिकूलता साल दर साल किस कदर बढ़ती जा रही है, यह इसी से समझा जा सकता है कि कहीं भयानक सूखा तो कहीं बेमौसम अत्यधिक वर्षा, कहीं जबरदस्त बर्फबारी तो कहीं कड़ाके की ठंड, कभी-कभार ठंड में गर्मी का अहसास तो कहीं तूफान और कहीं भयानक प्राकृतिक आपदाएं, ये सब प्रकृति के साथ हमारे खिलवाड़ के ही दुष्परिणाम हैं और हमें यह सचेत करने के लिए पर्याप्त हैं कि अगर हम इसी प्रकार प्रकृति के संसाधनों का बुरे तरीके से दोहन करते रहे तो हमारे भविष्य की तस्वीर कैसी होने वाली है।

हालांकि प्रकृति कभी समुद्री तूफान तो कभी भूकम्प, कभी

सूखा तो कभी अकाल के रूप में अपना विकराल रूप दिखाकर हमें चेतावनी भी देती रही है किन्तु जलवायु परिवर्तन से निपटने के नाम पर वैश्विक चिंता व्यक्त करने से आगे हम शायद कुछ करना ही नहीं चाहते। हिन्दी अकादमी दिल्ली के सौजन्य से प्रकाशित पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' के अनुसार हम यह समझना ही नहीं चाहते कि पहाड़ों का सीना चीरकर हरे-भरे जंगलों को तबाह कर हम जो कंक्रीट के जंगल विकसित कर रहे हैं, वह वास्तव में विकास नहीं बल्कि विकास के नाम पर हम अपने विनाश का ही मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं। पहाड़ों में बढ़ती गर्माहट के चलते हमें अक्सर घने वनों में भयानक आग लगने की खबरें सुनने को मिलती रहती हैं। पहाड़ों की इसी गर्माहट का सीधा असर निचले मैदानी इलाकों पर पड़ता है, जहां का पारा अब हर वर्ष बढ़ता जा रहा है।

धरती का तापमान यदि इसी प्रकार साल दर साल बढ़ता रहा तो आने वाले वर्षों में हमें इसके बेहद गंभीर परिणाम भुगतने को तैयार रहना होगा क्योंकि हमें यह बखूबी समझ लेना होगा कि जो प्रकृति हमें उपहार स्वरूप शुद्ध हवा, शुद्ध पानी, शुद्ध मिट्टी तथा ढ़ेरों जनोपयोगी चीजें दे रही है, अगर मानवीय क्रियाकलापों द्वारा पैदा किए जा रहे पर्यावरण संकट के चलते प्रकृति कुपित होती है तो उसे सब कुछ नष्ट कर डालने में पल भर की भी देर नहीं लगेगी। करीब दो दशक पहले देश के कई राज्यों में जहां अप्रैल माह में अधिकतम तापमान औसतन 32-33 डिग्री रहता था, अब वह 40 के पार रहने लगा है। मौसम विभाग का तो अनुमान है कि अगले तीन दशकों में इन राज्यों में तापमान में वृद्धि 5 डिग्री तक दर्ज की जा सकती है और इसी प्रकार तापमान बढ़ता रहा तो एक ओर जहां जंगलों में आग लगने की घटनाओं में बढ़ोतरी होगी, वहीं धरती का करीब 20-30 प्रतिशत हिस्सा सूखे की चपेट में आ जाएगा तथा एक चौथाई हिस्सा रेगिस्तान बन जाएगा, जिसके दायरे में भारत सहित दक्षिण पूर्व एशिया, मध्य अमेरिका, दक्षिण आस्ट्रेलिया, दक्षिण यूरोप इत्यादि आएंगे।

सवाल यह है कि धरती का तापमान बढ़ते जाने के प्रमुख कारण क्या हैं? ह्यप्रदूषण मुक्त सांसेंह्न पुस्तक के मुताबिक इसका सबसे अहम कारण है ग्लोबल वार्मिंग, जो तमाम तरह की सुख-सुविधाएं व संसाधन जुटाने के लिए किए जाने वाले मानवीय क्रियाकलापों की ही देन है। पैट्रोल, डीजल से उत्पन्न होने वाले धुएं ने वातावरण में कार्बन डाईऑक्साइड तथा ग्रीन हाउस गैसों की मात्रा को खतरनाक स्तर तक पहुंचा दिया है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि वातावरण में पहले की अपेक्षा 30 फीसदी ज्यादा कार्बन डाईऑक्साइड मौजूद है, जिसकी मौसम का मिजाज बिगाड़ने में अहम भूमिका है। पेड़-पौधे कार्बन डाईऑक्साइड को अवशोषित कर पर्यावरण संतुलन बनाने में अहम भूमिका निभाते रहे हैं लेकिन पिछले कुछ दशकों में वन-क्षेत्रों को बड़े पैमाने पर कंक्रीट के जंगलों में तब्दील किया जाता रहा है। एक और अहम कारण है बेतहाशा जनसंख्या वृद्धि। जहां 20वीं सदी में वैश्विक जनसंख्या करीब 1.7 अरब थी, अब बढ़कर 8 अरब से भी ज्यादा हो चुकी है। अब सोचने वाली बात यह है कि धरती का क्षेत्रफल तो उतना ही रहेगा, इसलिए कई गुना बढ़ी आबादी के रहने और उसकी जरूरतें पूरी करने के लिए प्राकृतिक संसाधनों का बड़े पैमाने पर दोहन किया जा रहा है, इससे पर्यावरण की सेहत पर जो जबरदस्त प्रहार हुआ है, उसी का परिणाम है कि धरती बुरी तरह धधक रही है। ब्रिटेन के प्रख्यात भौतिक शास्त्री स्टीफन हॉकिंग की इस टिप्पणी को कैसे नजरअंदाज किया जा सकता है कि यदि मानव जाति की जनसंख्या इसी कदर बढ़ती रही और ऊर्जा की खपत दिन-प्रतिदिन इसी प्रकार होती रही तो करीब 600 वर्षों बाद पृथ्वी आग का गोला बनकर रह जाएगी।

धरती का तापमान बढ़ते जाने का ही दुष्परिणाम है कि ध्रुवीय क्षेत्रों में बर्फ पिघल रही है, जिससे समुद्रों का जलस्तर बढ़ने के कारण दुनिया के कई शहरों के जलमग्न होने की आशंका जताई जाने लगी है। बहरहाल, अगर प्रकृति से खिलवाड़ कर पर्यावरण को क्षति पहुंचाकर हम स्वयं इन समस्याओं का कारण बने हैं और हम वाकई गंभीर पर्यावरणीय समस्याओं को लेकर चिंतित हैं तो इन समस्याओं का निवारण भी हमें ही करना होगा ताकि हम प्रकृपि के प्रकोप का भाजन होने से बच सकें अन्यथा प्रकृति से जिस बड़े पैमाने पर खिलवाड़ हो रहा है, उसका खामियाजा समस्त मानव जाति को अपने विनाश से चुकाना पड़ेगा।

संक्षिप्त समाचार

लेबनान में यीशु प्रतिमा वाली तस्वीर पर बवाल, इस्राइली सेना ने जांच शुरू की; सोशल मीडिया पर मचा हंगामा

तेल अवीव, एजेंसी। लेबनान के दक्षिणी हिस्से में एक वायरल तस्वीर को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। इस मामले में इस्राइली सेना ने जांच शुरू कर दी है। तस्वीर में एक इस्राइली सैनिक को कथित तौर पर यीशु मसीह की क्रूस पर लगी प्रतिमा को नुकसान पहुंचाते हुए दिखाया गया है। यह तस्वीर लेबनान के देबेल गांव की बताई जा रही है। इस तस्वीर में क्रूस पर लगे यीशु की प्रतिमा को असामान्य स्थिति में दिखाया गया है। दावा किया जा रहा है कि एक सैनिक ने हथौड़े या कुल्हाड़ी जैसी चीज से प्रतिमा पर वार किया। इस घटना के बाद स्थानीय लोगों में गुस्सा देखा जा रहा है। देबेल गांव के उप प्रमुख मारून नसीफ ने इस घटना की कड़ी निंदा की है। उन्होंने इसे धार्मिक भावनाओं पर हमला बताते हुए कार्रवाई की मांग की है। इस्राइल रक्षा बल (आईडीएफ) ने एक बयान में कहा कि वे इस घटना को गंभीरता से ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि सैनिक का आचरण पूरी तरह से उन मूल्यों के विपरीत है जिनकी उनसे अपेक्षा की जाती है। आईडीएफ के उत्तरी कमान ने इस मामले की जांच शुरू कर दी है। आईडीएफ ने कहा 'जांच के निष्कर्षों के अनुसार, इसमें शामिल लोगों के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी।' सेना ने यह भी कहा कि वे स्थानीय समुदाय की प्रतिमा को उसके मूल स्थान पर बहाल करने में सहायता करने के लिए काम कर रहे हैं।

होर्मुज की सुरक्षा पर भारत-दक्षिण कोरिया साथ, राष्ट्रपति ली ने सप्लाई चेन सहयोग बढ़ाने पर दिया जोर

सियोल, एजेंसी। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्युंग ने कहा है कि दक्षिण कोरिया और भारत को होर्मुज जलडमरूमध्य में सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए मिलकर काम करना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि वैश्विक सप्लाई चेन को स्थिर बनाने और ऊर्जा सुरक्षा मजबूत करने के लिए दोनों देशों के बीच साझेदारी बेहद अहम है। राष्ट्रपति ली ने एक साक्षात्कार में यह टिप्पणी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ प्रस्तावित शिखर वार्ता से पहले की। यह बैठक उनके राष्ट्रपति पद संभालने के बाद मोदी के साथ तीसरी आमने-सामने की मुलाकात मानी जा रही है। उन्होंने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच लंबे समय से जारी संघर्ष के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य जैसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग पर असर पड़ा है। इसके चलते वैश्विक तेल कीमतों में तेजी आई है और औद्योगिक उत्पादन के लिए जरूरी कच्चे माल की आपूर्ति भी प्रभावित हुई है। राष्ट्रपति ली ने कहा कि दक्षिण कोरिया और भारत दोनों अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए पश्चिम एशिया से आने वाले कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस पर काफी हद तक निर्भर हैं। ऐसे में महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों की सुरक्षा हमारे नागरिकों की सुरक्षा और हमारे देशों के अस्तित्व से जुड़ा मुद्दा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि दक्षिण कोरिया भारत के साथ लगातार संवाद बनाए रखेगा ताकि सभी जहाज होर्मुज जलडमरूमध्य से सुरक्षित और स्वतंत्र रूप से गुजर सकें। साथ ही दोनों देश अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी इस साझा प्रतिबद्धता को मजबूत करेंगे। ऊर्जा निर्भरता कम करने और आपूर्ति संकट से निपटने के लिए राष्ट्रपति ली ने महत्वपूर्ण खनिजों की सप्लाई चेन में सहयोग बढ़ाने की भी वकालत की। उन्होंने कहा कि पारंपरिक आयात मॉडल से आगे बढ़ते हुए दक्षिण कोरिया की तकनीकी क्षमता और भारत की खनन व रिफाइनिंग क्षमता को जोड़कर स्थिर और भरोसेमंद सप्लाई चेन बनाई जा सकती है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच सहयोग केवल पारंपरिक क्षेत्रों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि एआई, रक्षा, शिपिंग, शिपबिल्डिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल और वित्तीय सेवाओं जैसे रणनीतिक क्षेत्रों में भी साझेदारी को नई गति दी जाएगी।

अमेरिका के लुइसियाना में घरेलू कलह के चलते हुई गोलीबारी, आठ बच्चों की दर्दनाक मौत

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के लुइसियाना में गोलीबारी की दर्दनाक घटना हुई है। इस घटना में एक से 14 साल के आठ बच्चों की मौत हो गई है। पुलिस ने इसकी पुष्टि की है। पुलिस ने बताया कि घरेलू कलह के चलते ये घटना हुई। फिलहाल पुलिस घटना की जांच में जुटी है। घटना रविवार तड़के श्रेवपोर्ट इलाके में हुई। श्रेवपोर्ट पुलिस के प्रवक्ता ने बताया कि घटना में कुल 10 लोगों को गोली लगी, जिनमें कुछ बच्चे संदिग्ध हमलावर के रिश्तेदार भी थे। गोलीबारी में आठ बच्चों की मौत की पुष्टि हुई है। मृतकों की उम्र एक वर्ष से लेकर लगभग 14 वर्ष तक बताई गई है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी की बाद में पुलिस के साथ मुठभेड़ के दौरान मौत हो गई। गोलीबारी के बाद आरोपी ने मौके से भागते समय एक कार चोरी कर ली थी, जिसके बाद पुलिस ने उसका पीछा किया। पुलिस ने अभी तक आरोपी की पहचान उजागर नहीं की है, लेकिन उसे एक वयस्क पुरुष बताया गया है।

ईरान सेना और विदेश नीति पर आईआरजीसी का नियंत्रण; कमांडर अहमद वाहिदी ले रहे हैं देश के फैसले

ईरान, एजेंसी। ईरान को लेकर आई एक रिपोर्ट के मुताबिक, अब वहां की सेना और विदेश नीति पर कट्टरपंथी संगठन इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) का पूरा नियंत्रण हो गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि आईआरजीसी के कमांडर अहमद वाहिदी और उनके सहयोगी अब देश के फैसले ले रहे हैं, जबकि पहले जो नेता बातचीत और शांति की कोशिश कर रहे थे, उन्हें किनारे कर दिया गया है।

बताया गया है कि अब्बास अराघची जैसे नेता अमेरिका के साथ बातचीत करना चाहते थे और होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने पर सहमत थे, लेकिन आईआरजीसी ने इस फैसले को रोक दिया। इसके बाद ईरान ने उस रास्ते से गुजरने वाले जहाजों पर हमला भी किया, जिससे कई जहाज फंस गए। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि अब ईरान के अंदर सख्त रुख अपनाया जा रहा है और जो नेता नरम रवैया चाहते हैं, उनकी शक्ति कम हो गई है। इससे अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत मुश्किल हो गई है और क्षेत्र में तनाव बढ़ने का खतरा बना हुआ है।

दुनिया भर में कैसा है बाजार का हाल : एशियाई बाजारों में तेजी के साथ कारोबार हो रहा था। टोक्यो, हांगकांग, शंघाई, सोल और जकार्ता हरे निशान में थे। केवल बैंकॉक लाल निशान में था। अमेरिकी शेयर बाजार शुक्रवार को बड़ी तेजी के साथ बंद हुए थे। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजार में

इक्विटी में 683.20 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश किया था। वहीं, घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने इक्विटी में 4,721.48 करोड़ रुपए की शुद्ध बिकवाली की थी।

अमेरिका-ईरान तनाव के बीच सपाट खुला भारतीय शेयर बाजार : अमेरिका-ईरान तनाव के बीच भारतीय शेयर बाजार की शुरुआत सोमवार को सपाट हुई। सुबह 9:17 पर सेंसेक्स 137.14 अंक या 0.17 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 78,356.40 और निफ्टी 61.65 अंक या 0.25 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24,291.50 पर था। बाजार में गिरावट का नेतृत्व मेटल और रियल्टी शेयर कर रहे थे। इस कारण सूचकांकों में निफ्टी मेटल और निफ्टी रियल्टी टॉप लूजर्स थे। इसके अलावा निफ्टी इंडिया डिफेंस, निफ्टी पीएसई, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, निफ्टी कमोडिटीज और निफ्टी ऑयल एंड गैस भी लाल निशान में थे। दूसरी तरफ निफ्टी पीएसयू बैंक, निफ्टी मीडिया और निफ्टी कंजप्शन हरे निशान में थे। दूसरी तरफ मिडकैप और स्मॉलकैप में तेजी देखने को मिल रही थी। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 303.70 अंक या 0.51 प्रतिशत की तेजी के साथ 60,201.90 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 38.40 अंक या 0.22 प्रतिशत की मजबूती के साथ 17,604 पर था। सेंसेक्स पैक में ट्रेंट, एसबीआई, आईसीआईसीआई बैंक, एशियन पेंट्स, अल्ट्राटेक सीमेंट, अदाणी पोर्ट्स, एलएंडटी, एक्सिस बैंक, एनटीपीसी, एचयूएल, बजाज फिनसर्व, एमएंडएम, बजाज फिनसर्व, भारती एयरटेल, टाटा स्टील और इंडिगो गेनर्स थे। वहीं, एचडीएफसी बैंक, इन्फोसिस, कोटक महिंद्रा बैंक, टीसीएस, टाइटन और इटरनल लूजर्स थे।

अमेरिका-ईरान वार्ता में मुख्य अड़चनें : ईरान का परमाणु कार्यक्रमः अमेरिका चाहता है कि ईरान अपना परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह बंद कर दे, लेकिन तेहरान का कहना है कि किसी भी तरह की पाबंदी केवल सीमित वर्षों के लिए होनी चाहिए। ईरान का यूरेनियम भंडारः राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का कहना है कि अमेरिका चाहता है कि ईरान अपने लगभग 400 किलोग्राम उच्च संवर्धित यूरेनियम को अमेरिका को सौंप दे। लेकिन ईरान ने इस मांग को पूरी तरह खारिज कर दिया है। होर्मुज जलडमरूमध्यः ईरान का कहना है कि वह इस समुद्री मार्गों पर अपनी पाबंदियां तब तक बनाए रखेगा, जब तक अमेरिका ईरानी बंदरगाहों की नाकाबंदी नहीं हटाता। लेकिन ट्रंप का कहना है कि जब तक समझौता नहीं होता, तब तक यह रोक जारी रहेगी।

जब्त की गई संपत्तियांः ईरानी अधिकारी मांग कर रहे हैं कि अमेरिका उन पर लगे प्रतिबंध हटाए और करीब 20 अरब डॉलर की संपत्तियां जो जब्त हैं, उन्हें वापस करे।युद्ध क्षतिपूर्तिः ईरान यह भी मांग कर रहा है कि अमेरिका और इज़राइल द्वारा किए गए हमलों से हुए नुकसान के लिए उसे लगभग 270 अरब डॉलर का मुआवजा दिया जाए।

ईरान ने क्षतिग्रस्त सरकारी इमारतों की बिक्री की दी अनुमति : ईरान ने युद्ध में क्षतिग्रस्त सरकारी इमारतों की बिक्री या अदला-बदली की अनुमति देते हुए नया निर्देश जारी किया है। इसमें गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त या पुनर्निर्माण योग्य न होने वाली इमारतों का फैसला सरकारी एजेंसियां लेंगी। यूएनआईएफआईएल ने लेबनान में मारे गए फ्रांसीसी शांति सैनिक फ्लोरियन मॉन्टोरियो को श्रद्धांजलि दी और उनके पार्थिव शरीर को फ्रांस भेज दिया है।

ट्रंप के टैरिफ वार से परेशान कनाडा, दुनिया में नए व्यापारिक रास्ते की कर रहा तलाश

ओटावा, एजेंसी। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने अमेरिका के साथ बढ़ते व्यापारिक तनाव के बीच देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए नई रणनीति पर जोर दिया है। उन्होंने साफ कहा कि अब सिर्फ अमेरिका पर निर्भर रहना कनाडा की ताकत नहीं, बल्कि कमजोरी बन गया है, और इससे बाहर निकलने के लिए दुनिया के अन्य देशों के साथ व्यापार बढ़ाना जरूरी है। ओटावा से जारी एक वीडियो संदेश में कार्नी ने बताया कि अमेरिका ने अपने व्यापारिक रवैये में बड़ा बदलाव किया है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में टैरिफ (आयात शुल्क) को इतना बढ़ा दिया गया है, जैसा कि पहले केवल महामंदी के समय देखा गया था। इन भारी शुल्कों का सीधा असर कनाडा के ऑटोमोबाइल, स्टील और लकड़ी (लंबर) उद्योग पर पड़ा है।

अमेरिका ने कनाडा के कई उत्पादों पर लगाए हैं टैरिफ : रिपोर्ट के मुताबिक, 2025 की शुरुआत से ही अमेरिका ने कनाडा से आने वाले कई उत्पादों पर कड़े टैरिफ लगाए हुए हैं। कुछ सामानों पर 25% तक और स्टील व एल्युमिनियम पर 50% तक टैक्स लगाया गया है। इससे दोनों देशों के बीच सप्लाई चेन बुरी तरह प्रभावित हुई है और कनाडा पर नए व्यापारिक विकल्प तलाशने का दबाव बढ़ गया है। कार्नी ने बताया कि उनकी सरकार पिछले एक साल में चार महाद्वीपों में 20 नए व्यापार समझौते

कर चुकी है। अब सरकार का फोकस विदेशी निवेश बढ़ाने, देश के अंदर राज्यों के बीच व्यापार नियम आसान बनाने और स्वच्छ ऊर्जा (क्लीन एनर्जी) क्षमता को दोगुना करने पर है, ताकि बाहरी झटकों का असर कम हो सके। उन्होंने कहा,' उम्मीद कोई योजना नहीं होती और पुरानी यादों के सहारे रणनीति नहीं बनाई जा सकती।' यानी कनाडा अब पुराने अमेरिका-केंद्रित मॉडल पर वापस लौटने का इंतजार नहीं करेगा, बल्कि नई दिशा में आगे बढ़ेगा। कार्नी ने यह भी माना कि अमेरिकी टैरिफ का असर वहां के ऑटो और स्टील सेक्टर के कामगारों पर पड़ा है। अनिश्चित माहौल के कारण कंपनियां निवेश करने से बच रही हैं, जिससे आर्थिक गतिविधियों पर असर पड़ रहा है। वहीं, अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप के उस बयान से भी कनाडा में नाराजगी है, जिसमें उन्होंने कनाडा को अमेरिका का '51वां राज्य' बनाने की बात कही थी। इस बयान ने दोनों देशों के रिश्तों में और तनाव बढ़ा दिया है। प्रधानमंत्री कार्नी ने भरोसा दिलाया कि सरकार समय-समय पर जनता को इस नई आर्थिक रणनीति की जानकारी देती रहेगी।

महिला पत्रकार के होर्मुज से जुड़े सवाल पर भड़के ट्रंप, कहा- बाहर जाओ; भारत से क्या कनेक्शन?

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक बार फिर अपने बयान को लेकर चर्चा में हैं। इस बार मामला भारतीय जहाजों पर हुए हमले से जुड़ा है, जिस पर सवाल पूछने पर वह भड़क गए। दरअसल, व्हाइट हाउस कवर करने वाली ओलिविया रिनाल्डी ने ईरान में चल रही स्थिति और होर्मुज में हाल की घटनाओं को लेकर सवाल पूछने की कोशिश की। जैसे ही उन्होंने भारतीय जहाजों पर हमले का जिक्र किया, ट्रंप नाराज हो गए और उन्होंने पत्रकार को बाहर निकलने को कह दिया।

यह घटना ऐसे समय में सामने आई है जब अमेरिका और ईरान के बीच तनाव चरम पर है। रिपोर्ट के मुताबिक, होर्मुज पार करने की कोशिश कर रहे दो भारतीय जहाजों पर ईरान ने हमला किया था, जिस पर भारत ने भी नाराजगी जताई है। इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। एक यूजर ने वह क्लिप शेयर की, जिसमें ट्रंप पत्रकारों को बाहर जाने के लिए कहते नजर आ रहे हैं। जिसके बाद उसी पोस्ट को महिला रिपोर्टर ने खुद भी शेयर करते हुए लिखा, 'मैंने राष्ट्रपति से होर्मुज में मौजूद दो जहाजों के बारे में पूछने की कोशिश की, जिन पर कथित तौर पर ईरानी गनबोट्स ने गोलियां चलाई थीं। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा- बाहर निकलो।' ओलिविया रिनाल्डी सीबीएस न्यूज में व्हाइट हाउस रिपोर्टर हैं।

वह 2024 के राष्ट्रपति चुनाव अभियान की कवरेज भी कर चुकी हैं। इससे पहले वह सीबीएस इवनिंग न्यूज में एसोसिएट प्रोड्यूसर के तौर पर काम कर चुकी हैं। इस बीच, ट्रंप ने ईरान को लेकर सख्त रुख अपनाया है। उन्होंने कहा कि ईरान ने संघर्ष-विराम का गंभीर उल्लंघन किया है, लेकिन उन्हें अब भी शांति समझौते की उम्मीद है। ट्रंप ने कहा, 'यह होगा। किसी न किसी तरह। अच्छे तरीके से या मुश्किल तरीके से। यह होकर रहेगा।' उन्होंने आगे कहा कि हम ईरान को एक अच्छी डील ऑफर कर रहे हैं। उन्हें यह डील माननी ही पड़ेगी और अगर नहीं मानते हैं तो फिर सभी पुलों और पावर प्लांट्स पर हमले होंगे।

उत्तर कोरिया ने क्लस्टर बमों का किया परीक्षण, किम जोंग-उन की बेटी भी रहीं मौजूद

प्योंगयांग, एजेंसी। उत्तर कोरिया ने बैलिस्टिक मिसाइलों के अपने नवीनतम प्रक्षेपण में क्लस्टर बमों का परीक्षण किया है। यह परीक्षण नेता किम जोंग-उन की देखरेख में हुई है।दक्षिण कोरिया की सेना ने उत्तर कोरिया के सिनफो क्षेत्र से सुबह लगभग 6:10 बजे पूर्वी सागर की ओर दागी। कई अल्प दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलों का पता लगाने के एक दिन बाद, कोरियाई सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) ने ह्वासोंग-11 रा सामरिक बैलिस्टिक मिसाइल के प्रक्षेपण की रिपोर्ट प्रकाशित की। केसीएनए ने कहा कि परीक्षण प्रक्षेपण का उद्देश्य हथियार प्रणाली में लगे क्लस्टर बम वारहेड और विखंडन माइन वारहेड की शक्ति का मूल्यांकन करना था। केसीएनए की रिपोर्ट के अनुसार, लगभग 136 किलोमीटर दूर स्थित लगभग 13 हेक्टेयर क्षेत्रफल वाले एक द्वीप के पास एक लक्ष्य क्षेत्र पर पांच मिसाइलों ने हमला किया। यह अत्यधिक घनत्व वाला क्षेत्र था, जिससे उनकी युद्ध क्षमता पूरी तरह से प्रदर्शित हुई।

बेटी भी रही मौजूद : इसके साथ ही जारी की गई तस्वीरों में किम की बेटी जू-ए भी नजर आई, जिनके बारे में माना जाता है कि उन्हें उनके उत्तराधिकारी के रूप में तैयार किया जा रहा है। किम ने परीक्षण प्रक्षेपण पर अत्यंत संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि यह एक विशिष्ट लक्ष्य क्षेत्र को नष्ट करने के लिए उच्च घनत्व वाली मारक क्षमता के साथ-साथ उच्च परिशुद्धता वाली मारक क्षमता को बढ़ाने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि विभिन्न क्लस्टर बम वारहेड का विकास और परिचय कोरियाई पीपुल्स आर्मी की परिचालन मांग को अधिक संतोषजनक और प्रभावी तरीके से पूरा कर सकता है। नेता ने हथियार विकास के लिए जिम्मेदार विज्ञान अनुसंधान समूहों को भी प्रोत्साहित किया और कहा कि वे हमारी सेना की युद्ध तत्परता के लिए आवश्यक विभिन्न अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों को प्राप्त करने और अद्यतन करने के अपने महत्वपूर्ण प्रयासों को जारी रखेंगे। किम के साथ परीक्षण प्रक्षेपण में केंद्रीय सैन्य आयोग के सदस्य किम जोंग-सिक, मिसाइल प्रशासन के प्रमुख जांग चांग-हा और सैन्य इकाई के कमांडर भी उपस्थित थे। रविवार को किया गया यह प्रक्षेपण 8 अप्रैल को उत्तर कोरिया द्वारा कई अल्प दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलों के परीक्षण के बाद हुआ। उस समय राज्य मीडिया ने कहा था कि देश ने क्लस्टर बम वारहेड से युक्त एक सामरिक बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण किया था। इसके साथ ही दावा किया था कि यह उच्चतम घनत्व शक्ति के साथ लक्षित क्षेत्रों को राख में बदल सकती है। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रीय सुरक्षा कार्यालय ने उत्तर कोरिया द्वारा किए गए नवीनतम मिसाइल प्रक्षेपण की निंदा करते हुए इसे संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों का उल्लंघन बताया है और उत्तर कोरिया की मिसाइल संबंधी उकसावों को तत्काल रोकने का आह्वान किया है। क्लस्टर बम दर्जनों से लेकर सैकड़ों छोटे बम छोड़ता है, जिससे यह एक विस्तृत क्षेत्र में कई लक्ष्यों को निशाना बना सकता है। इस हथियार का इस्तेमाल ईरान द्वारा मध्य पूर्व में चल रहे संघर्ष में किया गया है।

शांति वार्ता पर संकट के बादल, ट्रंप की धमकी पर गालिबाफ का जवाब

वेस्ट एशिया। पश्चिम एशिया इस समय बेहद संवेदनशील दौर से गुजर रहा है। एक ओर जहां संघर्ष के बीच युद्धविराम और बातचीत की उम्मीदें दिखाई दे रही हैं, वहीं दूसरी ओर तनाव और अस्थिरता पूरी तरह खत्म नहीं हुई है। अमेरिका–ईरान तनाव के बीच कूटनीतिक प्रयासों में तेजी आई है, जिससे क्षेत्र में कुछ राहत की संभावना बनी है। इसी दौरान इस्राइल और लेबनान के बीच 10 दिन का युद्धविराम लागू होने से हालात कुछ हद तक शांत हुए हैं।

अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने दावा किया है कि ईरान के खिलाफ जारी नौसैनिक घेराबंदी के तहत अब तक 28 जहाजों को ईरानी बंदरगाहों से

वापस लौटने या अपना रास्ता बदलने पर मजबूर किया गया है। अमेरिका की इस सख्त कार्रवाई ने तेहरान के आर्थिक हितों पर भारी चोट पहुंचाई है, जिसके विरोध में ईरान ने पाकिस्तान के इस्लामाबाद में होने वाली अगली शांति वार्ता में शामिल होने से फिलहाल इनकार कर दिया है। जहां एक ओर ईरान इस घेराबंदी को युद्धविराम का उल्लंघन बता रहा है, वहीं अमेरिका का कहना है कि यह दबाव ईरान की सैन्य गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए जरूरी है। वहीं, मौजूदा युद्धविराम की अवधि समाप्त होने जा रही है, जिससे क्षेत्र में दोबारा संघर्ष शुरू होने की आशंका बढ़ गई है।

हुती विद्रोहियों की चेतावनी, कहा— यह अंत नहीं, सिर्फ एक छोटा विराम है

यमन के हुती विद्रोही नेता अब्दुल मलिक अल–हुती ने क्षेत्र में बड़े संघर्ष की चेतावनी देते हुए कहा है कि अमेरिका और ईरान के बीच हुआ वर्तमान संघर्षविराम बेहद कमजोर है। हुती प्रमुख ने स्पष्ट किया कि दुश्मन के साथ निरंतर चल रहे संघर्ष में यह केवल एक अल्पकालिक संघर्षविराम है और आने वाले दिनों में लड़ाई के और भयानक दौर देखने को मिल सकते हैं। पिछले महीने इस्राइल पर हुए मिसाइल हमलों और लाल सागर के महत्वपूर्ण व्यापारिक मार्गों को फिर से बाधित करने की धमकी के बाद, इस बयान ने वैश्विक सुरक्षा और समुद्री व्यापार को लेकर चिंताएं और अधिक बढ़ा दी हैं।

उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन का श्रीलंका दौरा: तेल पाइपलाइन पर चर्चा, द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने पर जोर

कोलंबो, एजेंसी। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन और श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमार दिसानायके के बीच बैठक हुई। इसमें भारत और श्रीलंका को तेल पाइपलाइन से जोड़ने के प्रस्ताव पर चर्चा हुई। दोनों नेताओं ने ऊर्जा, आवास परियोजनाओं और मछुआरों के मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने पर विस्तार से बातचीत की। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने रविवार को यह जानकारी दी। विदेश सचिव ने कहा, भारत की ओर से ऊर्जा केंद्र परियोजना और श्रीलंका के त्रिंकोमाली में प्रस्तावित योजनाओं पर भी विचार किया गया। साथ ही दोनों देशों को जोड़ने वाली तेल पाइपलाइन के अहमियत पर जोर दिया गया। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया संकट के कारण ऊर्जा आपूर्ति पर पड़ रहे असर के बीच यह संपर्क और भी अहम हो जाता है। मिस्री ने यह भी बताया कि राष्ट्रपति दिसानायके ने भारत की 'पड़ोसी पहले' नीति की सराहना की। उन्होंने दोनों देशों के बीच पारंपरिक संबंधों को मजबूत करने पर जोर दिया। उन्होंने आर्थिक संकट और हाल की आपदाओं में भारत की ओर से दी गई मदद को भी याद किया। उपराष्ट्रपति ने श्रीलंका में जारी भारत की विकास परियोजनाओं और विशेषकर दित्वाह चक्रवात राहत पैकेज पर भी चर्चा की। दोनों नेताओं ने मछुआरों के मुद्दों पर मानवीय दृष्टिकोण से समाधान निकालने पर सहमति जताई, ताकि दोनों तरफ के मछुआरा समुदायों की आजीविका सुरक्षित रहे। भारत व श्रीलंका साझा इतिहास व भविष्य के वास्तविक साझेदारः

साजित प्रेमदासा श्रीलंका की प्रधानमंत्री हरिणी अमरसूर्या ने उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन के सम्मान में दोपहर के भोज का आयोजन किया। इस दौरान सांस्कृतिक और ऐतिहासिक संबंधों को और मजबूत करने पर चर्चा हुई। वहीं, विपक्षी नेता साजित प्रेमदासा ने कहा, भारत व श्रीलंका साझा इतिहास व भविष्य के वास्तविक साझेदार हैं। उपराष्ट्रपति ने श्रीलंकाई तमिल और भारतीय मूल के तमिल नेताओं से भी मुलाकात की। उन्होंने राहत प्रयासों के लिए भारत का आभार जताया। इस दौरान डिजिटल पहचान पत्र (आईडी) परियोजना व आर्थिक सहयोग समझौते जैसे मुद्दों पर भी चर्चा हुई। आवास विकास परियोजना के लाभार्थियों को सौंपी चाबी अपने दौरे के दौरान उपराष्ट्रपति ने भारतीय प्रवासियों से भी मुलाकात की। उन्होंने आवास विकास परियोजना के तमिल समुदाय के लाभार्थियों को घरों की चाबी ऑनलाइन सौंपी। उन्होंने तमिल और सिंहली नववर्ष का जिक्र करते हुए दोनों देशों की परंपरागत एकता पर जोर दिया। उपराष्ट्रपति ने कोलंबो में गंगारामया मंदिर और काथिरेसन मंदिर के भी दर्शन किए, जहां उनका पारंपरिक संगीत और नृत्य से स्वागत किया गया। उनका यह दौरा भारत-श्रीलंका के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंधों को और मजबूत करने की दिशा में अहम माना जा रहा है।

कच्चे तेल की कीमतों में उछाल, यूएस-ईरान टकराव बढ़ने का दिखा असर; तेहरान टैंकर जब्त होने से भड़का

तेहरान, एजेंसी। ओमान की खाड़ी में अमेरिकी सेना ने ईरानी-झंडे वाले टैंकर को जब्त कर लिया है। इस घटना के बाद ईरान की सेना ने त्वरित प्रतिक्रिया की चेतावनी दी है। ईरान के सरकारी चैनल पर जारी बयान में इस कार्रवाई को युद्धविराम समझौते का उल्लंघन और समुद्र में डकैती जैसा कृत्य बताया गया। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के कारण शुरुआती कारोबार में कच्चे तेल की कीमतों में भी उछाल दर्ज की गई है। शिकागो मर्केंटाइल एक्सचेंज में कारोबार फिर से शुरू होने पर अमेरिकी कच्चे तेल की कीमत 6.4 फीसदी बढ़कर 87.88 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल हो गई। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड की कीमत 6.5 फीसदी बढ़कर 96.25 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गई। दरअसल, ईरान और अमेरिका के बीच गतिरोध के कारण ईंधन लदे टैंकर होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते गुजर नहीं पा रहे। वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण इस जलमार्ग पर अमेरिका ने भी नाकाबंदी कर रखी है। इससे लगातार तनाव बढ़ रहा है। दो दिनों से अधिक समय से बरकरार उम्मीदों और निराशाओं के बाद सोमवार को कच्चे तेल की कीमतों में उछाल देखी गई।

होर्मुज खुलने पर कच्चे तेल की कीमतें घटीं, तनाव बढ़ने पर जहाजों पर गोलीबारी : हफ्ते के अंतिम कारोबारी दिन शुक्रवार को ईरान ने वाणिज्यिक यातायात के लिए होर्मुज को पूरी तरह से खोलने की बात कही थी। इस सकारात्मक पहल के बाद कच्चे तेल की कीमतें 9 फीसदी से अधिक गिरी थीं। हालांकि, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी नौसेना ईरानी बंदरगाहों की नाकाबंदी जारी रखेगी तो ईरान की सेना-ढृक्त्तष्ट ने होर्मुज को दोबारा बंद करने का एलान कर दिया। शनिवार को तेहरान के इस फैसले के बाद ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड ने

कई जहाजों पर गोलीबारी भी की। इसमें भारत के भी दो जहाज शामिल रहे, जिस पर विदेश मंत्रालय ने चिंता भी जताई। टकराव बढ़ने के बीच ट्रंप ने एलान किया कि अमेरिका ने नाकाबंदी से बचने की कोशिश कर रहे एक ईरानी-झंडे वाले मालवाहक जहाज को जब्त किया है।

चेतावनी नजरअंदाज कर नाकाबंदी का उल्लंघन : ईरानी ध्वज वाले पोत को जब्त किए जाने के संबंध में अमेरिकी सेना की तरफ से जारी बयान के मुताबिक जहाज पर गोलीबारी के बाद उसे जब्त कर लिया गया। अमेरिका के मुताबिक कई बार दी गई चेतावनी को नजरअंदाज करते हुए जहाज नाकाबंदी रेखा पार कर गया। इस उल्लंघन के बाद सेना ने जहाज को जब्त कर लिया। खास बात ये है कि पिछले सप्ताह ईरानी बंदरगाहों की नाकाबंदी शुरू करने के बाद अमेरिका ने पहली बार जहाज को जब्त किया है। अमेरिका ने मिसाइल विध्वंसक पोत की मदद से रोका ईरानी जहाज इस संबंध में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा कि अमेरिकी नौसेना ने मिसाइल विध्वंसक पोत की मदद से 'टौस्का' नाम के जहाज को रोका। नौसेना की कार्रवाई के दौरान जहाज के इंजन रूम को नुकसान हुआ, जिसके बाद ईरानी जहाज को आगे बढ़ने से रोक दिया गया। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने बताया कि जहाज को छह घंटे की अवधि में कई बार नाकाबंदी का उल्लंघन न करने की चेतावनी दी गई थी। पाकिस्तान में प्रस्तावित शांति वार्ता पर सवालिया निशान होर्मुज में तनाव के बीच जहाज जब्त किए जाने की इस घटना से चिंता बढ़ने लगी है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की उस घोषणा पर भी सवाल उठ रहे हैं कि अमेरिकी वार्ताकार सोमवार को पाकिस्तान जाएंगे।

क्या आप भी जल्दी

जल्दी नौकरी बदलते हैं ? ये हैं फायदे एवं नुकसान

एक तो लोगों को नौकरी मिलना आज के समय में बेहद मुश्किल का कार्य है, वहीं कई लोग भाग्यशाली होते हैं, जिन्हें एक नौकरी छोड़ने से पहले ही दूसरी नौकरी मिल जाए! ऐसे में थोड़ी ग्रोथ के लिए लोगबाग जल्दी-जल्दी नौकरी चेंज करने लगते हैं। शायद आप भी उनमें से हों, किन्तु अगर आप भी जल्दी जल्दी नौकरी चेंज करते हैं तो यह जान लें कि शार्ट टर्म में बेशक इसके कुछ फायदे दिखें, किन्तु दीर्घावधि में इसका काफी नुक्सान होता है।

हालांकि अभी के समय में हालात यह हैं कि अब पहले की तरह लोग एक ही नौकरी पर बहुत दिन तक कार्य नहीं करते हैं, बल्कि नौकरी चेंज करने में वह अपनी ग्रोथ देखते हैं, और उसी अनुरूप डिसीजन भी लेते हैं।

किंतु जॉब बदलने का फैसला कुछ मामलों में बेशक ठीक लगता है, किंतु कुछ मामलों में यह कहीं ना कहीं नुकसान देता है। आइये जानते हैं.अगर फायदे की बात करें तो आप यह जान लीजिए कि जॉब बदलने में सबसे पहले तो कुछ परसेंट ही सही, मगर आपकी सैलरी बढ़ जाती है। निश्चित रूप से हर व्यक्ति चाहता है कि उसे उसके काम के अधिक से अधिक पैसे मिलें, और एक नौकरी में अगर उस अनुरूप ग्रोथ नहीं होती है, तो वह जॉब बदलना चाहता है, और ऐसे में उसे तुरंत ही ग्रोथ मिल जाती है।

वहीं अगर दूसरे फायदे की बात करें तो इससे पर्टिकुलर इंडस्ट्री में आपका नेटवर्क बेहतर होता है। अगर एक कंपनी में आप जॉब करते हैं, फिर दूसरी कंपनी में जाते हैं, और इस तरीके से अलग-अलग कंपनी में आपका बेस तैयार होता चला जाता है।

इसके अलावा सबसे बड़ी बात यह है कि एक ही कंपनी में काम करने पर आप कंफर्ट जोन में आ जाते हैं। आपकी स्किल कहीं ना कहीं सैचुरेट हो जाती है, तो दूसरी कंपनी में जब आप जाते हैं, तो वहां कुछ ना कुछ नया सीखने को अवश्य मिलता है। चाहे वहां आपका नया सीनियर हो, चाहे वहां का इनवायरमेंट हो, आप उस कंपनी से नई चीजें जरूर सीखते हैं, और यह वह चीज है जो आपको आने वाले दिनों में मजबूती करती है। इसके अलावा कई भारत लोग एक जगह पर कार्य करने से बोर भी हो जाते हैं, ऐसे में नयी जॉब में उन्हें नयापन भी मिलता है।

हालांकि यह इसका पॉजिटिव पक्ष है, किंतु कुछ निगेटिव पक्ष भी हैं, जिन्हें आपको अवश्य ध्यान में रखना चाहिए।

नुकसान की बात करें तो बार बार जॉब चेंज करने से पोजीशन के मामले में आपके आगे बढ़ने पर असर पड़ सकता है। जी हाँ! एक ही कंपनी में जब आप काम करते हैं, तो वहां आपकी कांस्टेंट ग्रोथ होती है। वहां आपको प्रमोशन मिलता रहता है, किंतु जब आप दूसरी कंपनी में जाते हैं, तो सीनियर पोजिशन पर आपको पहुंचने में कहीं ना कहीं दिक्कत होती है।

इससे आपकी लॉयल्टी भी चेक की जाती है। अगर आप कुछ ज्यादा ही जॉब चेंज करते हैं, तब आपको किसी हायर पोजिशन पर जॉब देने से एचआर मैनेजर निश्चित ही कई बार सोचेगा।

कंपनी अगर किसी जिम्मेदारी वाली पोस्ट पर आप की हायरिंग कर भी लेती है, तो भी कंपनी श्योर नहीं हो पाती है कि आप आखिर कितने दिन जॉब करेंगे? कहीं आप बीच में ही जॉब छोड़ कर कहीं और तो नहीं चले जाएंगे? ऐसे में आप शक के घेरे में आ जाते हैं!

यह कार्य सिर्फ पोजीशन के मामले में ही नहीं है, बल्कि प्रोजेक्ट अलॉटमेंट के मामले में भी है, तो क्लाइंट इंटरेक्शन के मामले में भी है। जब तक आप किसी कंपनी के लम्बे समय तक वफादार नहीं होते हैं, तब तक किसी बड़े प्रोजेक्ट की कमांड आपके हाथ में देने से निश्चित रूप से वह कंपनी हिचकिचाएगी। इसी प्रकार से बड़े क्लाइंट हैंडलिंग में भी कंपनी आपको तब तक इंवॉल्व नहीं करेगी, जब तक आप उसके प्रति लॉयल साबित न हो जाएँ! ऐसे में कहीं ना कहीं बड़ी संभावनाओं से आपके दूर रहने की शुरुआत हो जाती है।

कंपनी बार-बार चेंज करने का आपके फाइनेंसियल पोजीशन पर भी खासा असर पड़ता है। चाहे आप क्रेडिट कार्ड एप्लीकेशन के लिए अप्लाई करें, चाहे आप होम लोन या दूसरे लोन के लिए अप्लाई करें.आपकी फाइनेंशियल स्टेबिलिटी जरूर चेक की जाती है। आप किस कंपनी में कितने लंबे समय तक रहे हैं, यह आपके लिए एक प्लस प्वाइंट साबित होता है। वहीं अगर आप बार-बार अपनी जॉब चेंज करते हैं, तो कहीं ना कहीं आप की फाइनेंसियल स्टेबिलिटी पर एक सवाल खड़ा होता है।

मैनेजेरियल स्किल डेवलपमेंट पर पड़ता है फर्क

जी हां! ऊपर से आपको बेशक लगे कि आप कुछ चीजें ऊपर ऊपर समझ गए हैं, किंतु प्रबंधन के गुणों को आप तब तक नहीं समझ सकते, जब तक आप किसी कंपनी में देर तक नहीं टिकेंगे! कहीं टिक कर काम करने के बाद ही कंपनी पॉलिटिक्स, प्रबंधन टेक्निक आप समझ पाते हैं। कंपनी अपने इन्वेस्टमेंट डिसीजंस किस प्रकार लेती है, वास्तव में उसकी रुचि और भविष्य की योजनायें क्या हैं, यह आप गहराई से एक समय के बाद ही समझ पाते हैं। अगर बाद में आप कभी अपना उद्यम शुरू करना चाहें, तो इसलिए जरूरी है कि किसी कंपनी में आप देर तक टिक कर काम करें, अन्यथा आप उसकी गहराई को नहीं समझ पाएंगे।

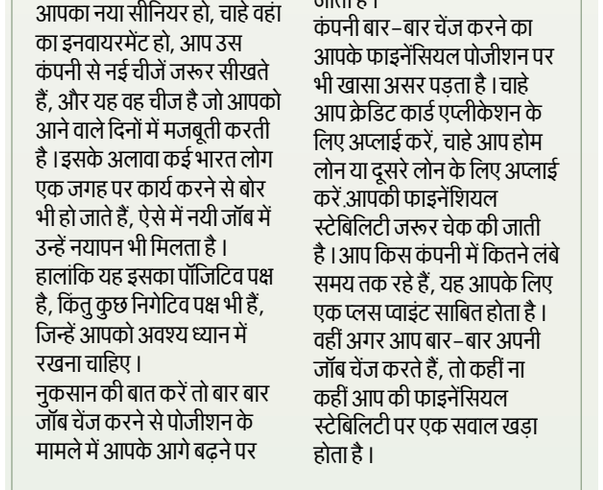

पॉलीमर साइंस में बीटेक करने के बाद है शानदार करियर संभावनाएं

विदेश ही नहीं, भारत में भी कई पॉलिमर और पेट्रोकेमिकल इंडस्ट्रीज खुल चुकी हैं। नतीजतन, करियर विकल्प के रूप में केमिकल इंजीनियरिंग या पॉलिमर इंजीनियरिंग का महत्व कई गुना बढ़ गया है। अगर आप इस क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो 12वीं के बाद पॉलीमर साइंस में बीटेक कर सकते हैं।

मौजूदा तकनीकी दौर में पॉलीमर प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है। इनमें प्लास्टिक, मोल्डेड सामग्री, सिंथेटिक फाइबर, रबर आदि शामिल हैं। ईको-फ्रेंडली और रीसाइक्लेबल प्लास्टिक के साथ इन सभी पॉलीमर प्रोडक्ट्स के उचित प्रबंधन की आवश्यकता भी समय के साथ बढ़ रही है। यह काम पॉलिमर इंजीनियर्स करते हैं। वे प्लांट डिजाइन, प्रोसेस डिजाइन और थर्मोडाइनेमिक्स के सिद्धांतों का उपयोग करते हैं। विदेश ही नहीं, भारत में भी कई पॉलिमर और पेट्रोकेमिकल इंडस्ट्रीज खुल चुकी हैं। नतीजतन, करियर विकल्प के रूप में केमिकल इंजीनियरिंग या पॉलिमर इंजीनियरिंग का महत्व कई गुना बढ़ गया है। अगर आप इस क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो 12वीं के बाद पॉलीमर साइंस में बीटेक कर सकते हैं। आज के इस लेख में हम आपको पॉलीमर साइंस में बीटेक के बाद करियर अवसर के बारे में जानकारी देंगे-

पॉलिमर इंजीनियरिंग में बीटेक के बाद सार्वजनिक क्षेत्र के अवसर

पॉलिमर इंजीनियरिंग में बीटेक के बाद आप सरकारी फर्मों जैसे सेंट्रल ग्लास एंड सिरेमिक रिसर्च इंस्टीट्यूट, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, राउरकेला और सेंट्रल साल्ट एंड मरीन केमिकल्स रिसर्च इंस्टीट्यूट आदि में बतौर जूनियर रिसर्च फेलो काम कर सकते हैं। इन फेलोशिप कार्यक्रमों के लिए आवेदन करने के लिए उम्मीदवारों को राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण करने की आवश्यकता है। कुल मिलाकर कम से कम 55% अंकों के साथ एम।टेक डिग्री प्राप्त करने के बाद कोई भी नेट के लिए बैठ सकता है। जिन उम्मीदवारों ने अपनी बी टेक डिग्री में 60% अंक प्राप्त किए हैं, वे भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) में वैज्ञानिक या इंजीनियर के रूप में 40,000/- रुपये के मासिक वेतन के साथ काम कर सकते हैं। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन भी वैज्ञानिक बी पद की भूमिका में पॉलिमर इंजीनियरिंग स्नातकों की भर्ती करता है। इनके अलावा सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ प्लास्टिक इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, ब्रह्मपुत्र क्रैकर एंड पॉलिमर लिमिटेड (बीसीपीएल) जैसे संगठन भी पॉलिमर इंजीनियरिंग में बी टेक स्नातकों को नियुक्त करते हैं। इनके अलावा स्नातक डिग्री धारक पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय, ऑयल इंडिया लेबोरेटरीज, पेट्रोकेमिकल्स इंजीनियरिंग प्लांट्स और ऑयल एंड नेचुरल गैस कमीशन (ओएनजीसी) आदि विभागों में भी रोजगार पा सकते हैं। उम्मीदवार विभिन्न इंजीनियरिंग संस्थानों में लेक्चरर पद का विकल्प भी चुन सकते हैं।

पॉलिमर इंजीनियरिंग में बीटेक के बाद निजी क्षेत्र के अवसर

जर्मन आधारित कंपनी विंडमोलर एंड होल्शर, अक्सर अपने मैकेनिकल इंजीनियरिंग अनुभाग में संचालन करने के लिए पॉलिमर इंजीनियरों की भर्ती करती है। 7 से 8 साल के कार्य अनुभव वाले लोग एलाइड सॉल्यूशंस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड में सेल्स/बिजनेस डेवलपमेंट सेक्शन में जा सकते हैं। यहाँ आप 35,000/- से रु।50,000/- प्रति माह तक की सैलरी पा सकते हैं। अपोलो टायर्स लिमिटेड, सिएट लिमिटेड आदि जैसी टायर कंपनियों को भी पॉलिमर इंजीनियर्स की जरूरत है। पॉलीमर इंजीनियरिंग में स्नातकों के लिए क्वालिटी इंजीनियर, प्रोडक्शन इंजीनियर्स/ टेक्नोलॉजिस्ट, पॉलीमर स्पेशलिस्ट आदि सामान्य जॉब प्रोफाइल हैं।

प्रतिभावान विद्यार्थियों को तराशती योजना

राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा

नेशनल टेलेंट सर्च यानी राष्ट्रीय प्रतिभा खोज एनसीईआरटी की एक प्रमुख योजना है। इसका उद्देश्य प्रतिभावान विद्यार्थियों का पता लगाना और उनकी प्रतिभा को बढ़ाना है। इसके तहत विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, इंजीनियरिंग, चिकित्सा विज्ञान, प्रबंधन और विधि जैसे क्षेत्रों को शामिल किया गया है। यह योजना प्रतिभावान विद्यार्थियों को मासिक स्कॉलरशिप के रूप में आर्थिक मदद दे कर सहयोग देती है। इस योजना में बेसिक साइंस, सामाजिक विज्ञान और वाणिज्य के पाठ्यक्रमों के लिए पीएचडी स्तर तक सहायता प्रदान की जाती है। व्यावसायिक पाठ्यक्रमों जैसे इंजीनियरिंग, चिकित्सा विज्ञान, प्रबंधन एवं विधि के लिए पीजी स्तर तक सहायता दी जाती है। एनसीईआरटी द्वारा राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा का आयोजन कक्षा 8 स्तर पर किया जाता है।

स्कॉलरशिप

परीक्षा आयोजन के आधार पर कक्षा 8 की परीक्षाओं के लिए बैठे छात्रों के प्रत्येक समूह के लिए 1000 स्कॉलरशिप दी जाती हैं। स्कॉलरशिप की राशि प्रत्येक माह 500 रुपए होती है। अनुसूचित जाति के छात्रों के लिए 15 प्रतिशत, अनुसूचित जनजाति के छात्रों के लिए 7.5 प्रतिशत और विकलांग छात्रों के लिए 3 प्रतिशत स्कॉलरशिप आरक्षित होती है। स्कॉलरशिप का भुगतान सीधे प्राप्तकर्ता को न देकर संबद्ध संस्थान के प्रमुख के माध्यम से दिया जाता है।

चयन प्रक्रिया

प्रतिभाओं की पहचान दो स्तरीय लिखित परीक्षा के आधार पर की जाती है। प्रथम स्तर का चयन अलग-अलग राज्य/यूनियन टेरेटरीज द्वारा लिखित परीक्षा के माध्यम से किया जाता है। प्रथम स्तर की परीक्षा में सफल अभ्यर्थी ही एनसीईआरटी द्वारा संचालित द्वितीय स्तर की परीक्षा में भाग लेने के लिए पात्र माने जाते हैं। राज्य और यूनियन टेरेटरीज राष्ट्रीय प्रतिभा खोज योजना की प्रथम स्तर की लिखित परीक्षा के साथ राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृत्ति योजना की भी परीक्षा आयोजित करते हैं।

पात्रता

मान्यताप्राप्त विद्यालयों के 8वीं कक्षा में अध्ययनरत विद्यार्थी उस राज्य/यूनियन टेरेटरी द्वारा संचालित प्रथम स्तर की परीक्षा में बैठने के पात्र होते हैं, जिस राज्य में विद्यालय स्थित है।

आवेदन प्रपत्र

आवेदन-प्रपत्र प्राप्त करने के लिये राज्य संपर्क अधिकारी से संपर्क करें। आवेदन-प्रपत्र एनसीईआरटी की वेबसाइट से भी डाउनलोड किया जा सकता है। भरे हुए आवेदन प्रपत्र विद्यालय के प्राचार्य द्वारा हस्ताक्षरित होने चाहिए। आवेदन प्रपत्र जमा कराने की अंतिम तिथि तथा प्रपत्र कहां जमा कराया जायेगा, इस संबंध में संबंधित राज्य/संघ राज्य-क्षेत्र के संपर्क अधिकारी से पता किया जा सकता है। विभिन्न राज्यों की आवेदन प्रपत्र जमा कराने की अंतिम तिथियां भिन्न हो सकती हैं।

शुल्क

एनसीईआरटी द्वारा द्वितीय स्तर की परीक्षा के लिए कोई शुल्क नहीं लिया जाता। राज्य और यूनियन टेरेटरी प्रथम परीक्षा के लिए अपेक्षित शुल्क के भुगतान के लिए अधिसूचना जारी कर सकते हैं। इसलिये आवेदन प्रपत्र जमा करने से पहले कितनी और कैसे फीस दी जायेगी, इसका पता अपने राज्य संपर्क अधिकारी से लगा लेना चाहिए।

परीक्षा माध्यम

परीक्षा हिन्दी व अंग्रेजी के साथ असमी, बंगला, गुजराती, कन्नड़, मराठी, मलयालम, उड़िया, पंजाबी, तमिल, तेलुगु, उर्दू में संचालित की जाएगी। अभ्यर्थी आवेदन प्रपत्र में जिस भाषा में परीक्षा देना चाहते हैं, उस विकल्प का उल्लेख करें। इसके आधार पर ही अभ्यर्थी को उस भाषा में प्रश्न पुस्तिका उपलब्ध कराई जाएगी।

परीक्षा-विधि

8वीं के लिए लिखित परीक्षा की विधि इस प्रकार है - प्रथम स्तर की राज्य/ यूनियन टेरेटरी स्तर पर संचालित परीक्षा में दो भाग होंगे (अ) मानसिक योग्यता परीक्षण (एमएटी) और (ब) शैक्षिक योग्यता परीक्षण (एसएटी)। इनमें सामाजिक विज्ञान, विज्ञान और गणित विषय शामिल होंगे। द्वितीय स्तर की राष्ट्रीय स्तर पर संचालित परीक्षा में (अ) मानसिक योग्यता परीक्षण (एमएटी) और (ब) शैक्षिक योग्यता परीक्षण (एसएटी) शामिल होंगे। इनमें सामाजिक विज्ञान, विज्ञान और गणित विषय शामिल होंगे। (स) इंटरव्यू - इंटरव्यू के लिए उन्हीं अभ्यर्थियों को आमंत्रित किया जाएगा, जिन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर संचालित लिखित परीक्षा उत्तीर्ण की हो।

लिखित परीक्षा

लिखित परीक्षा में प्रथम भाग एमएटी और द्वितीय भाग एसएटी शामिल होंगे। दोनों परीक्षाएं एक छोटे से अंतराल पर अलग-अलग ली जाएंगी। मानसिक योग्यता परीक्षा- एमएटी - चार विकल्पों सहित इसमें 90 मल्टीच्वॉइस प्रश्न होंगे, जिनमें से केवल एक सही उत्तर होगा। प्रत्येक प्रश्न एक अंक का होगा। समय 90 मिनट होगा।

स्कॉलरशिप पाने की सामान्य शर्तें

स्कॉलरशिप प्राप्त करने के लिए यह जरूरी है कि उम्मीदवार अनुमोदित पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत हो। वह अच्छा आचरण बनाए रखता हो (संस्थान प्रमुख द्वारा प्रमाणित) और अपना अध्ययन एक नियमित विद्यार्थी के रूप में कर रहा हो। बिना उचित अवकाश के अनुपस्थित न होता हो। पूर्णकालिक आधार पर अध्ययन करता हो। कोई रोजगार नहीं करता हो। राष्ट्रीय प्रतिभा खोज योजना पीएचडी कोर्स को छोड़ कर छात्रवृत्ति प्राप्तकत्ताओं को कोई अन्य स्कॉलरशिप स्वीकार करने से वंचित नहीं करती, अलबत्ता किसी भी पाठ्यक्रम के लिए विदेश में अध्ययन के लिए कोई स्कॉलरशिप उपलब्ध नहीं होगी। यदि कोई प्राप्तकर्ता पंजीकरण/प्रवेश के एक माह के अंदर अपने पाठ्यक्रम का अध्ययन छोड़ता है तो उसे कोई स्कॉलरशिप नहीं दी जाएगी।

विजुअल मर्चेंडाइजिंग के क्षेत्र में हैं अपार संभावनाएं

विजुअल मर्चेंडाइजिंग शब्द भले ही कुछ लोगों के लिए नया हो, लेकिन सेल्स और एडवरटाइजिंग के क्षेत्र से जुड़े लोग इससे भली-भांति वाकिफ हैं। विजुअल मर्चेंडाइजिंग वास्तव में एक आर्ट है, जिसमें एक व्यक्ति किसी प्रॉडक्ट या सर्विस को क्लाइंट्स के सामने कुछ इस तरह पेश करता है ताकि वह सेल्स को बढ़ावा दे सके। अब इस कॉन्सेप्ट को रिटेल सेक्टर में एक मार्केटिंग टूल के रूप में उपयोग किया जा रहा है। इस क्षेत्र में वह सभी गतिविधियां शामिल हैं, जो रिटेल स्टोर्स में उत्पादों की बिक्री बढ़ाने में मदद करती हैं। उदाहरण के तौर पर, प्रॉडक्ट के संभावित ग्राहकों के माइंड को समझना और उपभोक्ताओं को उत्पाद के बारे में शिक्षित करना व प्रॉडक्ट को बेहद इफेक्ट व क्रिएटिव तरीके से पेश करना आदि। तो चलिए विस्तार से जानते हैं इस करियर के बारे में

क्या है विजुअल मर्चेंडाइजिंग

एजुकेशन एक्सपर्ट बताते हैं कि विजुअल मर्चेंडाइजिंग के क्षेत्र से जुड़े लोगों को विजुअल मर्चेंडाइजर कहा जाता है। विजुअल मर्चेंडाइजर ऐसे पेशेवर हैं जो किसी भी ब्रांड, एक चेहरे को देने के लिए जिम्मेदार हैं। वे ऑनलाइन शॉपर्स और रिटेल स्टोर दोनों के लिए विंडो और स्टोर डिस्प्ले में अवधारणा, डिजाइन और कार्यान्वयन करते हैं। वे स्टोर थीम की योजना बनाते हैं, डिस्प्ले के लिए प्रॉपर की व्यवस्था करते हैं, डिस्प्ले फिक्स्चर और लाइटिंग की व्यवस्था करते हैं, ओपनिंग से पहले स्टोर सेट करते हैं, फ़्लोर प्लान के साथ काम करते हैं और डिस्प्ले को बनाने के लिए सेल्स फ़्लोर पर स्टोर कर्मियों को प्रशिक्षित करते हैं। एक विजुअल मर्चेंडाइजर का मुख्य उद्देश्य स्टोर की छवि के अनुरूप डिस्प्ले बनाना और अधिक ग्राहकों को स्टोर में लाना है।

शैक्षणिक योग्यता

आजकल ऐसे कई इंस्टीट्यूट हैं जो विजुअल मर्चेंडाइजिंग से संबंधित सर्टिफिकेट व डिप्लोमा कोर्स करवाते हैं। इस कोर्स को करने के लिए छात्र का 12वीं पास होना आवश्यक है। हालांकि अधिकतर जगहों पर विजुअल मर्चेंडाइजिंग को फैशन डिजाइनिंग या फैशन टेक्नोलॉजी कोर्स के तहत पढ़ाया जाता है।

कॅरियर एक्सपर्ट के अनुसार, विजुअल मर्चेंडाइजिंग के कोर्स में छात्रों को विजुअल मर्चेंडाइजिंग से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर प्रशिक्षित किया जाता है जैसे कि रिटेल स्टोर का लेआउट और डिजाइन, इंटीरियर डेकोरेशन, स्टोर के अंदर फर्नीचर और फिक्स्चर की स्थापना, स्टोर डिस्प्ले और उत्पादों की प्रस्तुति, विभिन्न संचार साधनों के उपयोग के जरिए ग्राहकों को आकर्षित करना।

व्यक्तिगत गुण

इस क्षेत्र में कॅरियर देख रहे छात्रों में डिजाइनिंग और क्रिएटिविटी के गुण का होना बेहद आवश्यक है। एक विजुअल मर्चेंडाइजर में बेहतरीन आर्गेनाइजिंग स्किल्स होने के साथ-साथ प्लानिंग, प्रोजेक्ट मैनेजमेंट व टाइम मैनेजमेंट आदि विशेषताएं भी होनी चाहिए। इसके अलावा उनमें संचार व इंटरपर्सनल स्किल्स, समस्या सुलझाने की क्षमता और कंप्यूटर का ज्ञान होना भी जरूरी है। कॅरियर एक्सपर्ट कहते हैं कि विजुअल मर्चेंडाइजर को उपभोक्ताओं के मनोविज्ञान को जानना आना चाहिए और उसे रूझानों का भी पूर्वानमान लगा लेना चाहिए।

संभावनाएं

शॉपिंग मॉल, फाइव स्टार होटल, बुटीक व रिटेल आउटलेट्स की संख्या बढ़ने के साथ ही विजुअल मर्चेंडाइजर्स की मांग में भी काफी इजाफा हुआ है। विजुअल मर्चेंडाइजर फैशन बुटीक, शॉपिंग मॉल, एम्पोरिया, डिजाइन कंपनी, आर्किटेक्चर फर्म, थीम पार्टी ऑर्गनाइजिंग कंपनी आदि में जॉब कर सकते हैं। वे प्रदर्शनियों, मेलों, ब्यूटी कॉन्टेस्ट, अवार्ड सेरेमनी, मॉल, रिटेल में विंडो डिस्प्ले के लिए अनुबंध के आधार पर फ्रीलांसिंग भी कर सकते हैं।

आमदनी

इस क्षेत्र में एक फ्रेशर भी दस से पंद्रह हजार आसानी से कमा सकता है। वहीं कुछ समय के अनुभव के बाद आप किसी बड़े ब्रांड के रिटेल आउटलिट में काम कर सकते हैं और एक आकर्षक पैकेज पा सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, बैंगलोर
- द सिंथेटिक एंड आर्ट सिल्क मिल्स रिसर्च एसोसिएशन, मुम्बई
- स्कूल ऑफ कम्युनिकेशन एंड मैनेजमेंट स्टडीज, कोच्चि
- बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी, ग्रेटर नोएडा

एक नजर

डॉक्टरों के मना करने पर भी गंगोत्री की ओर बढ़ रहे हाई रिस्क यात्री

उत्तरकाशी। गंगोत्री धाम मार्ग पर स्थित हीना स्क्रीनिंग प्वाइंट पर स्वास्थ्य विभाग ने यात्रियों की सुरक्षा को देखते हुए सख्त चिकित्सा निगरानी व्यवस्था लागू की है। विशेष रूप से 50 वर्ष से अधिक उम्र के श्रद्धालुओं के साथ-साथ बीपी, शुगर, अस्थमा और हाइपरटेंशन वाले मरीजों का प्राथमिकता के आधार पर विस्तृत स्वास्थ्य परीक्षण किया जा रहा है। इसके बावजूद मंगलवार दोपहर तक पहली शिफ्ट में करीब 17 हाई रिस्क यात्री फॉर्म भरकर धाम के लिए रवाना हुए। डॉ. श्रुति कोहली और डॉ. लोकेश कुमार के अनुसार, जिन यात्रियों में स्वास्थ्य जोखिम अधिक पाया जा रहा है, उन्हें गंगोत्री की यात्रा न करने की सलाह दी जा रही है। सीएमओ डॉ. बीएस रावत ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग की ओर से लगातार निगरानी रखते हुए जरूरत के अनुसार व्यवस्थाओं को और मजबूत किया जा रहा है।

पशुओं को रोग से बचाने के लिए चलाया टीकाकरण अभियान

उत्तरकाशी। पशुओं में फैलने वाले संक्रामक रोग खुरपका और मुंहपका की रोकथाम के लिए पशुपालन विभाग की ओर से ब्लॉक स्तर पर वृहत टीकाकरण अभियान तेजी से चलाया जा रहा है। अभियान के तहत गांव-गांव जाकर पशुओं को टीके लगाए जा रहे हैं। इससे पशुपालकों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। पशु चिकित्सालय पुरोला में तैनात पशु चिकित्सक विरेन्द्र कठैत ने बताया कि खुरपका व मुंहपका रोग के नियंत्रण और बचाव के लिए चरणबद्ध तरीके से टीकाकरण किया जा रहा है। अब तक अभियान के सात चरण सफलतापूर्वक पूरे हो चुके हैं जबकि वर्तमान में आठवां चरण जारी है। उन्होंने बताया कि अभी तक लगभग 4000 बड़े पशुओं और 4500 छोटे पशुओं का टीकाकरण किया जा चुका है। पुरोला क्षेत्र में कुल 10500 बड़े और 13500 छोटे पशु पंजीकृत हैं। जिन सभी का टीकाकरण किया जाना लक्ष्य है। उन्होंने पशुपालकों से अपील की है कि वे अपने पशुओं का समय पर टीकाकरण अवश्य कराएं। इस मौके पर डॉ विरेंद्र कठैत, त्रिलोक रावत, चंद्रमोहन, अवल दास, ललिता राणा, सुषमा, बनीशा रावत आदि मौजूद रहें।

खाई में गिरने से नेपाली मूल के व्यक्ति की मौत

उत्तरकाशी। मोरी विकासखंड के पांव मल्लाझसिरगा मोटर मार्ग पर एक दर्दनाक हादसे में नेपाली मूल के एक व्यक्ति की खाई में गिरने से मौत हो गई। मृतक की पहचान खेमचंद पुत्र मन बहादुर (43) के रूप में हुई है। जो मूल रूप से नेपाल का निवासी था। वर्तमान में हिमाचल प्रदेश के अंटी, थाना जुब्बल (शिमला) का अस्थायी निवासी है। खेमचंद इन दिनों सांकरी के पास फफराला क्षेत्र में एक सेब के बगीचे में कार्य कर रहा था। सोमवार देर शाम वह सिरगा से पांव मल्ला की ओर जा रहा था। तभी अचानक पैर फिसलने से वह गहरी खाई में जा गिरा। इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही एसडीआरएफ और पुलिस टीम मौके के लिए रवाना हुई। टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद देर रात खाई से शव को बाहर निकालकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोरी पहुंचाया। थानाध्यक्ष दीपक रावत ने बताया कि पुलिस की ओर से मृतक का पंचायतनामा भरने की कार्रवाई पूरी कर ली गई है।

विद्युत कटौती की मार झेल रही कस्बे और क्षेत्र की 50 हजार की आबादी

रुड़की। कस्बे सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्र में हरोज आठ घंटे की बिजली कटौती हो रही है। इससे लगभग 50 हजार की आबादी विद्युत कटौती की मार झेल रही है। चौधरी बिरम सिंह, सुखबीर सिंह, इंद्रेश कुमार, मुकेश कुमार, यशवीर सिंह, रोहित कुमार, भोला सिंह, विक्रम सिंह, जमशेद अहमद, शमशाद अली, सुलेमान मलिक आदि का कहना है कि गर्मी शुरू होते ही ऊर्जा निगम ने मनमानी शुरू कर दी है। शाम लगभग छह बजे विद्युत आपूर्ति ठप हो जाती है। इसके चार घंटे बाद रात करीब दस बजे आपूर्ति शुरू हो पाती है जबकि सुबह चार बजते ही विद्युत आपूर्ति ठप हो जाती है और सात बजे आपूर्ति होती है। सुबह के समय बिजली गुल होने से लोगों के आवश्यक काम भी नहीं हो पाते हैं।

खाद वितरण पर गन्ना आयुक्त की रोक, लक्सर समिति से किसान मायूस लौटे

रुड़की। खाद की कालाबाजारी के मामले के बाद लक्सर गन्ना विकास समिति से किसानों को राहत मिलती नजर नहीं आ रही है। चीनी एवं गन्ना उद्योग आयुक्त त्रिलोक सिंह मतीलिया ने खाद वितरण पर रोक लगाने के आदेश जारी कर दिए हैं। इसके चलते मंगलवार को प्रस्तावित खाद वितरण नहीं हो सका और सैकड़ों किसान निराश होकर वापस लौट गए। लक्सर गन्ना विकास समिति तहसील क्षेत्र के 50 हजार से अधिक किसानों को खाद, बीज, कीटनाशक दवाइयां और कृषि यंत्र उपलब्ध कराती है, जिनका भुगतान बाद में गन्ना मूल्य से समायोजित किया जाता है।

पीएम आवास योजना के लिए पात्र नागरिकों से आवेदन करने की अपील

अल्मोड़ा। नगर निगम अल्मोड़ा ने प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत पात्र नागरिकों से आवेदन करने की अपील की है। नगर आयुक्त सीमा विश्वकर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि लाभार्थी आधारित निर्माण घटक (बीएलसी) के अंतर्गत ऐसे परिवार, जिनके पास देश में कहीं भी पक्का मकान नहीं है और जिनकी वार्षिक पारिवारिक आय तीन लाख रुपये से कम है, योजना का लाभ ले सकते हैं। उन्होंने बताया कि जिन आवेदकों के नाम खाता-खतौनी में 30 वर्ग मीटर भूमि दर्ज है, उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना-2.0 के तहत 2.75 लाख रुपये का अनुदान चार किश्तों में सीधे उनके बैंक खाते में प्रदान किया जाएगा। साथ ही स्पष्ट किया गया कि जिन लाभार्थियों या उनके परिवार के किसी सदस्य ने पिछले 20 वर्षों में केंद्र या राज्य सरकार की किसी अन्य आवास योजना का लाभ लिया है, वे इस योजना के लिए पात्र नहीं होंगे।

मॉक ड्रिल के साथ अग्निशमन सेवा सप्ताह का समापन

अल्मोड़ा। अग्निशमन सेवा सप्ताह 2026 के तहत आयोजित कार्यक्रमों का समापन मॉक ड्रिल के साथ किया गया। अग्निशमन एवं आपात सेवा मुख्यालय, देहरादून के निर्देशों के क्रम में 20 अप्रैल को समापन अवसर पर यह आयोजन किया गया। अग्निशमन अधिकारी गणेश चंद्र ने क्षेत्रीय आयुर्वेदिक अनुसंधान संस्थान में मॉक ड्रिल का संचालन किया। इस दौरान अधिकारियों और कर्मचारियों को अग्निशमन उपकरणों के प्रकार, उनके उपयोग और रखरखाव के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। मॉक ड्रिल के माध्यम से आग लगने की संभावित स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया, बचाव और नियंत्रण की कार्यवाही का व्यावहारिक प्रदर्शन किया गया। साथ ही लोगों को आपात स्थिति में घबराने के बजाय सतर्कता और सूझबूझ के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया गया।

पुल का निर्माण कार्य निर्धारित समय सीमा में पूर्ण करें

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने किया निर्माणाधीन पुल का स्थलीय निरीक्षण

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को मसूरी रोड स्थित शिव मंदिर के निर्माणाधीन पुल का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने बारिश से क्षतिग्रस्त हुए पुल की कार्य प्रगति की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि पुल निर्माण का कार्य निर्धारित समयसीमा के भीतर शीघ्र पूर्ण किया जाए, ताकि आमजन को आवागमन में सुविधा मिल सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि आगामी चारधाम यात्रा एवं आदि कैलाश यात्रा को ध्यान में रखते हुए सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिए गए हैं कि आवश्यक अवसंरचनात्मक कार्यों को समय पर पूर्ण किया जाए, ताकि श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों को सुरक्षित एवं सुगम यात्रा सुविधा उपलब्ध कराई जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पुल देहरादून और मसूरी को जोड़ने वाला एक अत्यंत महत्वपूर्ण संपर्क मार्ग है, जिस पर प्रतिदिन बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों एवं पर्यटकों का आवागमन होता है। कहा कि यातायात को सुचारू बनाए रखने के उद्देश्य से दोनों ओर से आवागमन के लिए वैली ब्रिज का निर्माण कार्य तेजी से किया जा रहा है, जो दूसरी ओर से भी शीघ्र ही पूर्ण होकर संचालित हो जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस स्थान पर स्थायी पुल का निर्माण कार्य भी प्राथमिकता के आधार पर किया जा रहा है, जिसे आगामी 2 से 3 माह के भीतर पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में सड़कों एवं पुलों के सुदृढ़ीकरण हेतु निरंतर प्रयासरत है।

जागेश्वर धाम में गर्भगृह में असलहे के साथ प्रवेश पर विवाद

अल्मोड़ा। जागेश्वर धाम में दर्शन के दौरान गर्भगृह में असलहे के साथ सुरक्षाकर्मी के प्रवेश को लेकर विवाद सामने आया है। बरेली के जिलाधिकारी अविनाश सिंह के साथ आए गनर के कार्बाइन लेकर गर्भगृह में जाने की तस्वीर सामने आने के बाद पुजारियों और स्थानीय लोगों ने इसे परंपरा के खिलाफ बताया है। पुजारियों का कहना है कि गर्भगृह में किसी भी प्रकार का हथियार ले जाना धार्मिक परंपराओं के विरुद्ध है। आरोप है कि विरोध के बावजूद सुरक्षाकर्मी प्रोटोकॉल और सुरक्षा का हवाला देते हुए असलहे के साथ अंदर पहुंच गया। इस घटना पर पंडित नवीन चंद्र भट्ट, पंडित मनोज भट्ट, पूरन भट्ट, मुकेश भट्ट, पंडित गोपाल भट्ट, पंडित बसंत भट्ट, खीमानंद भट्ट सहित अन्य लोगों ने नाराजगी जताई।

हेलिपैड पर अग्नि सुरक्षा का निरीक्षण किया

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ यात्रा के सुरक्षित संचालन के तहत मंगलवार को अग्निशमन अधिकारियों ने केदारघाटी के गुप्तकाशी, फाटा और सोनप्रयाग क्षेत्र स्थित हेलिपैड पर अग्निसुरक्षा का निरीक्षण किया। एसपी रुद्रप्रयाग के निर्देश पर प्रभारी अग्निशमन अधिकारी गणनाथ सिंह बिष्ट ने फायर टीम के साथ विभिन्न हेलिपैड का जायजा लिया। निरीक्षण के 1दौरान त्रियुगीनारायण सड़क पर स्थित एरो एविएशन सोनप्रयाग, हिमालयन एविएशन शेरसी, राजन एविएशन, पिलग्रिमेज एविएशन, थंबी हेली एविएशन और फाटा के ट्रांस भारत एविएशन के हेलिपेड की सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। अग्निशमन अधिकारियों ने सभी हेलिपैड संचालकों को अग्निसुरक्षा उपकरण हमेशा चालू स्थिति में रखने के लिए कहा।

चेन्नई से आए 32 श्रद्धालुओं के दल ने किए आदिबदरी के दर्शन

आदिबदरी। चारधाम यात्रा शुरू होने के साथ ही श्रद्धालुओं का जनपद में पहुंचने का सिलसिला शुरू हो चुका है। मंगलवार को चेन्नई से आए 32 यात्रियों के दल ने आदिबदरीमंदिर के दर्शन किए। दर्शन करने के बाद सभी श्रद्धालु बदरीनाथ धाम के लिए रवाना हो गए। वहीं यात्रा शुरू होने से व्यावसायियों में भी भारी उत्साह है। होटलों में रंग रोहन और साज सज्जा का काम पूरा हो चुका है। होटल व्यवसायी संदीप बहुगुणा का कहना है कि यात्रा में आ रहे श्रद्धालुओं के लिए स्वच्छता और स्थानीय व्यंजनों को परोसने की उनकी प्राथमिकता है। वहीं संजय चमोला का कहना है कि रहने और खाने की अच्छी सुविधा की गई है।

ट्रांसफार्मर से तेल चोरी का आरोपी गिरफ्तार

रुड़की। पुलिस ने ट्यूबवेलों के ट्रांसफॉर्मर से तेल चोरी करने के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। एसएसआई नितिन चौहान ने बताया कि 15 फरवरी अनुज निवासी नंदपुर, रायसी के नलकूप से चोरों ने ट्रांसफार्मर से तेल चोरी कर लिया था। इसके अलावा क्षेत्र में अन्य लोगों के ट्रांसफार्मर से तेल चोरी किया गया था। उन्होंने बताया कि पुलिस ने आशु निवासी गांव महाराजपुर खुर्द, लक्सर को गिरफ्तार कर लिया। उसके कब्जे से 240 लीटर तेल, बाइक व एक बरादम बरामद की है। साथ ही आरोपी को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया है। इस दौरान पुलिस टीम में अजय कुमार, रविंद्र नागर, महेंद्र सिंह, अनिल वर्मा व राजेंद्र सिंह आदि मौजूद रहे।

आदि गुरु शंकराचार्य की गद्दी, गाडू घड़ा व गरुड़ की डोली बदरीनाथ रवाना

चमोली। जय बदरीविशाल के उद्घोष के साथ आदि गुरु शंकराचार्य की गद्दी, गरुड़ की डोली व गाडू घड़ा तेल कलश यात्रा विधि विधान के साथ नृसिंह मंदिर से बदरीनाथ धाम के लिए रवाना हुई। भक्तों ने डोली पर फूल बरसाए और बदरीविशाल के जयकारे लगाए। यात्रि विश्राम के लिए यात्रा पांडुकेश्वर स्थित योग ध्यान बदरी मंदिर पहुंची। मंगलवार को नृसिंह मंदिर में धार्मिक प्रक्रियाएं शुरू हुईं। बदरीनाथ धाम के रावल अमरनाथ नंबूदरी, धर्माधिकारी स्वयंवर सेमवाल व पुजारी हितेश सती ने पंचांग पूजा की। सुबह 10 बजे सेना के बैंड की मधुर ध्वनियों के साथ आदि गुरु शंकराचार्य की गद्दी, गरुड़ की डोली और गाडू घड़ा तेल कलश यात्रा बदरीनाथ धाम के लिए रवाना हुआ। भक्तों भगवान बदरीनाथ के जयकारे लगाए और महिलाओं ने भजन गाए। स्थानीय लोगों, विभिन्न विद्यालयों के बच्चों ने पेट्रोल पंप तक डोली यात्रा को विदा किया। डोली दोपहर 12 बजे पांडुकेश्वर स्थित योग ध्यान बदरी मंदिर पहुंची। यहां रात्रि विश्राम के बाद बुधवार को भगवान कुबेर, उद्धव, आदि गुरु शंकराचार्य की गद्दी व गाडू घड़ा तेल कलश बदरीनाथ धाम पहुंचेंगे और 23 अप्रैल को सुबह 6 बजकर 15 मिनट पर बदरीनाथ मंदिर के कपाट खोल दिए जाएंगे। इस दौरान बीकेटीसी के उपाध्यक्ष ऋषि प्रसाद सती, रावल अमरनाथ नंबूदरी, नायब रावल सूर्यराग नंबूदरी, धर्माधिकारी स्वयंबर सेमवाल, पूर्व धर्माधिकारी भुवन चंद्र उनियाल, नगर पालिका अध्यक्ष देवेश्वरी शाह, देव पुजाई समिति के अध्यक्ष अनिल नंबूरी आदि मौजूद रहे।

51 कुंतल फूलों से सजा केदारनाथ मंदिर: जयकारों के साथ धाम पहुंची बाबा की डोली, कल खुलेंगे कपाट

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ धाम के कपाट कल बुधवार सुबह आठ बजे तय लग्नानुसार विधि-विधान और पूजा-अर्चना के बाद श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए जाएंगे। धाम को इस बार करीब 51 कुंतल फूलों से भव्य रूप से सजाया गया है। देश-विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु धाम पहुंच चुके हैं और उत्साह चरम पर है। कपाट खुलने के अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी धाम पहुंचकर पूजा में शामिल होंगे। बाबा केदार की पंचमुखी चल विग्रह उत्सव डोली मंगलवार सांय करीब 4:30 बजे केदारनाथ धाम पहुंची। ओंकारेश्वर मंदिर ऊखीमठ से चली डोली 17 किमी पैदल यात्रा तय करते हुए जंगलचट्टी, रामबाड़ा, छोटे-बड़े लिनचोली और बेस कैंप होते हुए केदारपुरी पहुंची। मंदिर परिसर में पहुंचते ही हजारों श्रद्धालुओं ने हर हर महादेव और जय बाबा केदार के जयघोषों के साथ पुष्प वर्षा कर डोली का भव्य स्वागत किया। डोली ने मंदिर की परिक्रमा कर भंडार गृह में प्रवेश किया, जहां विधिवत पूजा-अर्चना की गई।

इस दौरान 8वीं सिखलाई रेजीमेंट के बैंड की मधुर धुनों और डमरू-वाद्य यंत्रों की गूंज से पूरा धाम शिवमय हो गया। इस दौरान पुलिस और आईटीबीपी की कड़ी सुरक्षा है। कपाट खुलने के साथ ही केदारनाथ यात्रा का विधिवत शुभारंभ होगा। राजस्थान के शेर सिंह, ऋषिकेश के सौरभ कालरा, देहरादून के ध्रुव, चमोली की पुष्पा बिष्ट, नरेंद्र बिष्ट और पौड़ी की सोनाली नेगी सहित कई श्रद्धालुओं ने केदारनाथ यात्रा को लेकर उत्साह जाहिर किया। कपाट खुलने के साक्षी बनने के लिए बीकेटीसी अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी, पुजारी टी. गंगाधर लिंग, केदारसभा अध्यक्ष राजकुमार तिवारी, जिलाधिकारी एवं बीकेटीसी मुख्य कार्य अधिकारी विशाल मिश्रा, पुलिस अधीक्षक नीहारिका तोमर, तीर्थ पुरोहित उमेश पोस्ती, बीकेटीसी सदस्य डॉ. विनीत पोस्ती सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु धाम पहुंच चुके हैं। 1530 डंडी-कंडी मजदूरों का हुआ पंजीकरणः केदारनाथ यात्रा के लिए सोनप्रयाग और गौरीकुंड में पंजीकरण प्रक्रिया तेज हो गई है। पिछले पांच दिनों में अब तक 1530 डंडी-कंडी मजदूरों का पंजीकरण किया जा चुका है। जिला पंचायत प्रति मजदूर 654 रुपये शुल्क लेकर छह माह के लिए लाइसेंस जारी कर रही है। 12 मालवाहक घोड़े-खच्चरों का मेडिकल परीक्षण और बीमा कराने के बाद उनके संचालकों को भी लाइसेंस दिए गए हैं। पंजीकरण प्रक्रिया गत 16 अप्रैल से शुरू हुई थी।

आज खुलेंगे तुंगनाथ मंदिर के कपाटः 22 अप्रैल को तुंगनाथ मंदिर के कपाट विधि विधान के साथ पूर्वाह्न 11 बजे खोल दिए जाएंगे। कपाट उद्घाटन के लिए तुंगनाथ मंदिर को फूलों से सजाया है। मंगलवार सुबह साढ़े दस बजे भूतनाथ मंदिर से प्रस्थान करने के बाद तुंगनाथ की डोली पाब जगपुड़ा गांव पहुंची।

चार कार्मिक बने कनिष्ठ लिपिक

रुड़की। परिवहन निगम में मंडलीय प्रबंधक (संचालन) की ओर से प्रदेशभर में कार्मिकों को कनिष्ठ लिपिक पद पर पदोन्नत किया गया है। इस क्रम में रुड़की रोडवेज डिपो के चार कार्मिकों को भी पदोन्नति का लाभ मिला है,

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969
PRGI NO. 35469/79

मंडियों में काम कर रहे 300 आउटसोर्स कर्मियों का मानदेय बढ़ेगा

रुद्रपुर। उत्तराखंड कृषि उत्पादन एवं विपणन बोर्ड की 41वीं बोर्ड बैठक में नौ प्रस्तावों को मंजूरी दी गई और 155 करोड़ रुपये का बजट पारित किया गया। बैठक में आउटसोर्स कर्मियों का मानदेय बढ़ाने का निर्णय भी लिया गया, जिससे प्रदेश की विभिन्न मंडियों में कार्यरत करीब 300 कर्मचारियों को लाभ मिलेगा। इसके लिए वित्त नियंत्रक की अध्यक्षता में एक कमेटी गठित की गई है। मंगलवार को मंडी निदेशालय में हुई बैठक की अध्यक्षता डॉ. अनिल कपूर डब्बू ने की। बैठक में सभी महिला कर्मियों को छह माह का प्रसूति अवकाश देने का निर्णय लिया गया। इसके अलावा सड़क निर्माण समेत अन्य कार्यों के अनुमोदन को स्वीकृति दी गई। तय किया गया कि आउटसोर्स कर्मचारियों के मानदेय में वृद्धि कमेटी की संस्तुति के आधार पर की जाएगी। मंडी बोर्ड के विपणन क्षेत्र और अन्य कार्यों के विस्तार के लिए नए पद सृजित करने का प्रस्ताव भी पारित कर शासन को भेजा जाएगा। साथ ही उपनल कार्मिकों के लिए लागू शासनादेश की व्यवस्था को आउटसोर्स कर्मियों पर भी लागू करने का निर्णय लिया गया।20 दिन में मंडियों में डिजिटल बोर्ड पर प्रदर्शित होंगी दरेंडॉ. अनिल कपूर डब्बू ने बताया कि 20 दिनों के भीतर मंडी शुल्क वाली मंडियों में उपभोक्ताओं के लिए दरें निर्धारित कर दी जाएंगी। इन दरों को प्रतिदिन मंडी समितियों में डिजिटल बोर्ड के माध्यम से प्रदर्शित किया जाएगा,

कर्नाटक की महिला क्रिकेटर सौम्या वर्मा पहुंचीं अल्मोड़ा

अल्मोड़ा। कर्नाटक की सीनियर महिला क्रिकेट टीम की विकेटकीपर सौम्या वर्मा भ्रमण पर अल्मोड़ा स्थित अपने ननिहाल पहुंचीं, जहां खेल प्रेमियों ने उनका स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में क्रिकेट के क्षेत्र में काफी संभावनाएं हैं और यहां के खिलाड़ियों को बेहतर मंच मिलने की जरूरत है। चंपावत मूल की सौम्या मंगलवार को अपने नाना वरिष्ठ अधिवक्ता गोविंद लाल वर्मा के घर पहुंचीं। इस अवसर पर आयोजित बातचीत में उन्होंने बताया कि वह लंबे समय से क्रिकेट खेल रही हैं और अब भारतीय टीम में जगह बनाकर देश के लिए विश्व कप जीतना उनका लक्ष्य है, जिसके लिए वह लगातार मेहनत कर रही हैं। उन्होंने बताया कि भारत की कप्तान हरमनप्रीत कौर और ऑस्ट्रेलियाई टीम की कप्तान एलिसा हीली से उन्हें काफी प्रेरणा मिलती है, जबकि पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धौनी की तरह छक्का लगाना उन्हें पसंद है। सौम्या ने बताया कि उन्होंने स्कूल स्तर से क्रिकेट खेलना शुरू किया और लगातार आगे बढ़ती रहीं। अपने प्रदर्शन के बारे में उन्होंने बताया कि इंटरजोनल वनडे ट्रॉफी 2026 में उन्होंने 45 गेंदों में 56 रन बनाए, जबकि सीनियर महिला वनडे ट्रॉफी 2026 में 33 गेंदों में 51 और 46 गेंदों में 58 रन की पारियां खेलीं। पांच पारियों में उन्होंने कुल 205 रन बनाए।

महिला आरक्षण की आड़ में राजनीतिक एजेंडा चला रही भाजपा : ममता

रुद्रपुर। भाजपा द्वारा महिला आरक्षण के मुद्दे पर कांग्रेस को महिला विरोधी बताए जाने के आरोपों पर कांग्रेस ने पलटवार किया है। रुद्रपुर के सिटी क्लब में मंगलवार को पत्रकार वार्ता में महानगर कांग्रेस अध्यक्ष ममता रानी और पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल ने भाजपा पर जमकर निशाना साधा। ममता ने कहा कि भाजपा महिला आरक्षण की आड़ में राजनीतिक एजेंडा चला रही है। महानगर अध्यक्ष ममता ने कहा कि महिला आरक्षण के नाम पर जनता को गुमराह किया जा रहा है। वर्ष 2023 में महिला आरक्षण विधेयक संसद में सर्वसम्मति से पारित होने के बावजूद अब तक लागू नहीं किया गया। इससे भाजपा की कथनी और करनी का अंतर साफ दिखाई देता है। उन्होंने आरोप लगाया कि संवैधानिक 131वां संशोधन बिल महिला आरक्षण की आड़ में संसद और विधानसभा सीटों को बढ़ाने की साजिश थी। उन्होंने कहा कि भाजपा इस बिल को जनगणना और परिसीमन से जोड़कर अपना राजनीतिक एजेंडा साधना चाहती थी, लेकिन विपक्ष ने इनकी मंशा को उजागर कर दिया। स्पष्ट किया कि कांग्रेस परिसीमन के जरिए सीटें बढ़ाने का विरोध करती है। इससे उत्तराखंड जैसे छोटे राज्यों को नुकसान होगा और देश का संघीय ढांचा प्रभावित होगा। उन्होंने मांग की कि वर्तमान सीटों के आधार पर ही महिला आरक्षण को तुरंत लागू किया जाए। यह भी कहा कि स्थानीय निकायों से लेकर संसद तक महिलाओं को आगे लाने का श्रेय कांग्रेस को जाता है।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे सैन्य अभिलेखों में मेरे पुत्र का नाम त्रुटिवश Rishabh Gajwan दर्ज हो गया है। जबकि मेरे पुत्र का वास्तविक नाम Rishabh है। मेरे सैन्य अभिलेखों में मेरे पुत्र का नाम Rishabh दर्ज किया जाएं।

Army No- 4097228W Rank L/NK Name Pramod Singh S/o Manbar Singh निवास Depo Coy. G.R.R.C LANSDOWNE, PAURI GARHWAL, UTTARAKHAND. (0502/21)

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

नं. 74-W/2/3/WA/Publication दिनांक : 21.04.2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/प्रथम द्वारा ई टेन्डर जिनके बन्द होने की तिथि प्रत्येक निविदा के सामने अंकित है। निम्न टेन्डर संख्या के अर्न्तगत आमंत्रित किये जाते है जो उसी दिन 16:00 बजे तक प्राप्त किये जायेंगे। निविदा की कीमत तथा धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चैक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वैबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

टेन्डर संख्या दिनांक	16-DRM-MB-26-27 21.04.2026	17-DRM-MB-25-26 21.04.2026
कार्य का नाम	Provision of jacketing in underpass 1269A in RK yard and improvement of drainage in TSS/RK and surrounding areas of underpass 1269A/ 1269B to prevent water logging issue in monsoon season in the section of SSE/W/RK under ADEN/RK in the jurisdiction of Sr.DEN/I/MB	Upgradation / modernization of infrastructure at Roorkee goods shed under Sr. DEN/I/MB.
निविदा का प्रकार	Works	Works
निविदा की कीमत	Nil	Nil
अनुमानित लागत	4,57,26,835.54	8,56,25,680.37
धरोहर राशि	9,14,500.00	17,12,500.00
टेन्डर क्लोसिंग दिनांक/समय	19.05.2026 16:00	19.05.2026 16:00
बिडिंग स्टार्ट तिथि	05.05.2026	05.05.2026
आफर की वैधता	60 Days	60 Days
कार्य पूर्ण करने की अवधि	06 Months	12 Months

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 1323/26

शेफाली वर्मा टी20आई रैंकिंग में छठे पायदान पर पहुंची, स्मृति मंधाना को लगा झटका

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मौजूदा पांच मैच की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में अर्धशतक की बदौलत आईसीसी की नई महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजी रैंकिंग में दो स्थान के फायदे से छठे पायदान पर पहुंच गईं।

शेफाली ने रविवार को डरबन में खेले गए दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय में 38 गेंद पर 57 रन बनाए थे लेकिन भारत मेजबान टीम से आठ विकेट से हार गया जिससे श्रृंखला में वह 0-2 से पिछड़ गया। भारत को इसी मैदान पर खेले गए पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय में भी छह विकेट से हार का सामना करना पड़ा था जिसमें शेफाली ने 34 रन का योगदान दिया था। भारत की उप कप्तान और शेफाली की सलामी जोड़ीदार स्मृति मंधाना अब तक खेले गए दोनों मैच में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद एक स्थान नीचे चौथे स्थान पर खिसक गई हैं। उन्होंने इन मुकाबलों में 13 और 12 रन बनाए। तीसरे स्थान पर अब वेस्टइंडीज की हेले मैथ्यूज हैं।

भारत की कप्तान हरमनप्रीत कौर दो स्थान ऊपर चढ़कर अब शीर्ष 10 में शामिल होने के करीब हैं। वह फिलहाल 11वें स्थान पर हैं। उन्होंने पहले टी20 में नाबाद 47 रन बनाए थे। महिला विश्व कप की स्टार खिलाड़ी जेमिमा रोड्रिग्स को चार स्थान का नुकसान हुआ है। खराब फॉर्म के चलते वह अब बल्लेबाजों की सूची में 14वें स्थान पर खिसक गई हैं। यह श्रृंखला दोनों टीम के लिए आगामी टी20 विश्व कप की तैयारियों के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण है जो जून में इंग्लैंड और वेल्स में शुरू होने वाला है।

दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोलवार्ट ने भारत के खिलाफ दूसरे मैच में शानदार अर्धशतक लगाने के बाद बल्लेबाजों की सूची में अपना पांचवां स्थान बरकरार रखा है। ऑस्ट्रेलिया की जॉर्जिया वोल शीर्ष पर हैं। दक्षिण अफ्रीका की अन्य खिलाड़ियों में एनेरी डर्कसेन (18 स्थान के फायदे से 33वें स्थान पर) और सुने लुस (आठ स्थान के फायदे से 35वें स्थान पर) ने भी रैंकिंग में लंबी छलांग लगाई है।

भारत की प्रमुख गेंदबाज दीप्ति शर्मा, रेणुका सिंह ठाकुर और अरुंधति रेड्डी गेंदबाजों की रैंकिंग में नीचे खिसक गई हैं। दीप्ति दो स्थान नीचे पांचवें जबकि रेणुका चार स्थान नीचे नौवें स्थान पर हैं। अरुंधति भी तीन स्थान के नुकसान से 12वें स्थान पर खिसक गई हैं और शीर्ष 10 गेंदबाजों की सूची से बाहर हो गई हैं।

ललित मोदी ने दी बीसीसीआई को नसीहत, अपने खिलाड़ियों का सम्मान करें

लंदन (एजेंसी)। आईपीएल के पहले कमिश्नर रहे ललित मोदी ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को नसीहत देते हुए कहा है कि उसे अपने खिलाड़ियों का सम्मान करना चाहिये। ललित मोदी ने कहा है कि इन खिलाड़ियों के अच्छे प्रदर्शन के कारण ही बीसीसीआई को मोटा लाभ होता है। मोदी का कहना है कि बीसीसीआई को उन खिलाड़ियों का सम्मान करना चाहिए, जिन्होंने उसके लिए खजाना भरा है। ललित मोदी ने ये बात इंग्लैंड के पूर्व कप्तान जेम्स एंडरसन की वीडियो देखकर किया है। उनका कहना है कि भारत में बहुत ही कम ऐसे क्रिकेटर हैं जिनकी विदाई सम्मान के साथ हुई हैं केवल सचिन तेंदुलकर और राहुल द्रविड़ ही दो दिग्गज हैं, जिन्होंने सम्मान के साथ विदायी दी गयी है। वहीं सौरव गांगुली, वीवीएस लक्ष्मण, वीरेंद्र सहवाग जैसे कई खिलाड़ी हैं, जिन्हें विदायी मैच नहीं मिला। हाल ही में विराट कोहली और रोहित शर्मा ने भी सोशल मीडिया पर टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की थी। इन दोनो को भी कोई विदायी मैच नहीं मिला।

मोदी ने एंडरसन के आखिरी टेस्ट का वीडियो जारी किया है। इस वीडियो में एंडरसन लॉर्ड्स के मैदान पर बीयर का गिलास लेकर बालकनी में प्रशंसकों के सामने आते हैं। प्रशंसकों का धन्यवाद अदा करते हैं और उन्हीं के सामने बीयर का गिलास खत्म करते हैं। इससे पहले ललित मोदी ने तो दावा किया है कि आईपीएल टीमों के कुछ मालिकों ने 2011 में काले जादू तक का इस्तेमाल किया था, जिसका उनके पास पुख्ता सबूत है। इतना ही नहीं, उन्होंने दावा किया है कि वह किसी फिल्म या टीवी सीरीज के जरिए इससे जुड़ी हर चीज का खुलासा करना चाहते हैं।

अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट में सीनियर खिलाड़ियों को आराम दे सकती है बीसीसीआई

-घरेलू क्रिकेट खेल रहे युवाओं को मिलेगा अवसर

मुम्बई (एजेंसी)। अफगानिस्तान के खिलाफ 6 जून से होने एकमात्र क्रिकेट टेस्ट मैच में भारतीय क्रिकेट बोर्ड बीसीसीआई आईपीएल खेल रहे अनुभवी खिलाड़ियों को आराम दे सकती है। विशेषकर उन टीमों के खिलाड़ियों को आराम दिया जाएगा जिनकी टीम प्लेऑफ में पहुंचेंगी। ऐसे में इनकी जगह पर घरेलू क्रिकेट खेल रहे युवा खिलाड़ियों को अवसर मिल सकता है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार चयन समिति इस बात पर नजर रखे हुए है कि कौन-से खिलाड़ी आईपीएल में कितने मैच खेल रहे हैं और उनकी टीम प्लेऑफ तक पहुंचती है या नहीं। रिपोर्ट के अनुसार, चयनकर्ता खिलाड़ियों की फिटनेस और काम के बोझ को ध्यान में रखते हुए टीम का चयन करेंगे। खासकर शुभमन गिल, जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज जैसे अनुभवी खिलाड़ियों को आराम दिया जाना तय है। अगर उनकी आईपीएल टीम जैसे गुजरात टाइटंस या मुंबई इंडियंस प्लेऑफ में पहुंचती हैं, तो इन खिलाड़ियों का टेस्ट खेलना कठिन हो सकता है।

ये टेस्ट मैच विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) से नहीं जुड़ा है। ऐसे में टीम प्रबंधन किसी प्रकार का जोखिम नहीं चाहता। जहां बुमराह को आराम दिया जान तय है। वहीं कप्तान शुभमन स्वयं इस मैच से बाहर हो सकते हैं। ऐसे में कई युवा घरेलू खिलाड़ियों को अवसर मिल सकता है। इसके तहत ही गुरनूर बराड़, मानव सुथार, आकिब नबी, नितीश कुमार रेड्डी और हर्ष दुबे जैसे खिलाड़ियों को टेस्ट डेब्यू का अवसर मिल सकता है। अफगानिस्तान के खिलाफ ये टेस्ट मैच आईपीएल के बाद खेला जाएगा। इसके बाद टीम अगानिस्तान के खिलाफ 3 एकदिवसीय के अलावा आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ सीमिति ओवरों की सीरीज खेलेगी। इसके अलावा भारतीय टीम को जिम्बाब्वे का दौरा भी करना है। इसी को देखते हुए बीसीसीआई सभी खिलाड़ियों को रोटेशन के तहत आराम देना चाहता है।

टी20 विश्व कप मैच फिक्सिंग के तार लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े !

ओटावा (एजेंसी)। टी20 विश्वकप 2026 में न्यूजीलैंड ओर कनाडा मुकाबले को लेकर फिक्सिंग के आरोपों के बाद अब कहा जा रहा है कि इस मामले के तार लॉरेंस बिश्नोई गैंग से भी जुड़े हो सकते हैं। ये कहा जा रहा है कि मैच फिक्सिंग को लेकर संदेह के घेरे में आये कनाडाई टीम के कप्तान दिलप्रीत बाजवा पर लॉरेंज बिश्नोई गैंग का दबाव भी हो सकता है। इससे कनाडाई क्रिकेट धमकियों, चयन में दबाव से लेकर मैच फिक्सिंग के आरोपों से घिर गया है। ऐसे में लॉरेंस बिश्नोई गैंग की जांच भी चल रही है। कनाडा के पब्लिक ब्रॉडकास्टर, कैनेडियन ब्रॉडकास्टिंग कॉर्पोरेशन (सीबीसी) की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि बाजवा के जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के नेटवर्क से संबंध हो सकते हैं। या उनपर बिश्नोई ग्रुप की ओर से मैच फिक्स करने के लिए दबाव डाला गया होगा।

सीबीबसी की रिपोर्ट के अनुसार, पिछली जुलाई (2025) में, एक बड़े प्रोविंशियल टूर्नामेंट में जीत के बाद करीब 25 क्रिकेटर ब्रिटिश कोलंबिया के सरे में एक रेस्टोरेंट में इकट्ठा हुए। इस टूर्नामेंट के दो खिलाड़ी अंदर एक टेबल पर गए, जहाँ कनाडा की टीम का एक स्टार दूसरे ग्रुप के साथ डिनर कर रहा था। सूत्रों के मुताबिक, उन्होंने दावा किया कि वे बिश्नोई गैंग के हैं। साथ ही कहा कि अगर वह दिलप्रीत बाजवा नाम की तरक्की का सहयोग नहीं करते हैं तो इसके परिणाम भुगतने होंगे।

रिपोर्ट के मुताबिक, जिस मैच पर संदेह है, वह कनाडा का न्यूजीलैंड के खिलाफ ग्रुप स्तर का मैच है। इस मैच में कनाडा के कप्तान दिलप्रीत ने पांचवां ओवर किया जिसमें 15 रन बने और मैच का परिणाम बदल गया। इस ओवर के अलावा

आईसीसी कनाडा के पूर्व कोच खुर्रम चौहान से जुड़े एक रिकॉर्डेड टेलीफोन कॉल की भी जांच कर रहा है। चौहान का आरोप है कि क्रिकेट कनाडा के सीनियर बोर्ड के सदस्यों ने उन पर नेशनल टीम के लिए कुछ खास खिलाड़ियों को चुनने का दबाव डाला था।

कोनोली ने बताया पंजाब किंग्स की सफलत का राज

मुल्लांपुर । आईपीएल के इस सत्र में शानदार प्रदर्शन कर रहे पंजाब पंजाब किंग्स के युवा बल्लेबाज ऑस्ट्रेलिया के कूपर कोनोली ने कहा है कि टीम के अंदर काफी अच्छा माहौल है और सभी एकदूसरे की सहायता कर रहे हैं उसी कारण टीम जीत रही है। साथ ही कहा कि सभी को एकदूसरे के मजबूत पक्ष से सीखने को मिला रहा है। कोनोली ने कहा, हम सभी इस बात पर विचार करते हैं कि एक-दूसरे के लिए क्या फायदेमंद है। हम एक-दूसरे से छोटी-छोटी बातें सीखते हैं। हमें एक-दूसरे से छोटी-छोटी चीजें सीखने से लाभ भी हुआ है। उन्होंने कहा, हम सभी बेहतर होने का प्रयास कर रहे हैं। खेल का भी लक्ष्य होता है कि एक सर्वश्रेष्ठ टीम बनायी जाये। हम एक टीम के रूप में एक-दूसरे से सीख कर अपनी कमियों को दूर कर रहे हैं। कोनोली ने कहा कि टीम की सफलता में कप्तान श्रेयस अय्यर की भी अहम भूमिका है। श्रेयस काफी अच्छी कप्तानी कर रहे हैं। उनके नेतृत्व में टीम लगातार आगे बढ़ रही है। पंजाब इस सत्र में अब अब अपने 6 में एक भी मैच नहीं हारी है। वह पांच मैच जीती है जबकि एक मैच बारिश के कारण नहीं हो पाया। टीम अंक तालिक में अभी नंबर एक पर है। कोनोली ले कहा, श्रेयस स्वयं आगे रहकर टीम को प्रेरित करते हैं। वह हमेशा यह प्रयास करते हैं कि टीम के सभी खिलाड़ी सहज महसूस करें। वह खिलाड़ियों को हमेशा बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं और यह सुनिश्चित करते हैं कि सभी खिलाड़ी उत्साहित होकर अपनी जिम्मेदारी निभाएं।

ऑरेंज कैप की रेस में नंबर एक पर पहुंचने से चूके शुभमन, तिलक ने लगायी छलांग

अहमदाबाद । आईपीएल में गुजरात टाइटंस और मुम्बई इंडियंस के बीच हुए मुकाबले में गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल को खासा नुकसान हुआ है। इस मैच में टीम के हार के साथ ही शुभमन के बल्लेबाजी में असफल रहने से उनका ऑरेंज कैप की रेस में शीर्ष पर आने का प्रयास भी असफल रहा। वहीं मुंबई इंडियंस की ओर से शतक लगाने वाले तिलक वर्मा ऑरेंज कैप की दौड़ में शीर्ष 35 खिलाड़ियों की सूची में शामिल होने में सफल रहे हैं। इस मैच में शुभमन केवल 14 रन ही बना पाए। इससे आईपीएल सत्र के 5 मैचों में उनके कुल 265 रन हो गए हैं। शुभमन अब ऑरेंज कैप की रेस में दूसरे स्थान पर बने हुए हैं। वहीं सनराइजर्स हैदराबाद के आक्राम बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन 283 रनों के साथ ही पहले नंबर पर बरकारार हैं। वहीं मुम्बई के तिलक गुजरात के खिलाफ नाबाद 101 रनों की पारी के साथ ही सीधे 33वें स्थान पर पहुंच गये हैं है। तिलक के अब 6 मैचों में कुल 144 रन हो गये हैं। वहीं तीसरे पायदान पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के विराट कोहली हैं, जिन्होंने कुल 247 रन बनाए हैं। राजस्थान रॉयल्स के वैभव सूर्यवंशी 246 रनों के साथ चौथे और आरसीबी के रजत पाटीदार 230 रनों के साथ पांचवें स्थान पर काबिज हैं।

शुभमन ने हार के लिए गेंदबाजों को जिम्मेदार बताया, बीच के ओवरों में जरुरत से ज्यादा रन दिये

अहमदाबाद । गुजरात टाइटंस की टीम को यहां मुंबई इंडियंस के खिलाफ हुए इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मुकाबले में करारी हार का सामना करना पड़ा है। इस हार से निराश टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने इसके लिए गेंदबाजों का जिम्मेदार बताया। शुभमन ने कहा कि हमने काफी ज्यादा रन दे दिये थे। बीच के ओवरों में हमें अच्छी गेंदबाजी करनी चाहिये थी पर उसमें हम विफल रहे। हमारे गेंदबाज विरोधी टीम पर अंकुश नहीं लगा पाये। इस मैच में टीम की बल्लेबाजी भी खराब रही और वह लक्ष्य का पीछा करते हुए केवल 100 रन ही बना पायी। गुजरात की ओर से कगिसो रबाडा ने पावरप्ले में 3 विकेट लिए, पर तिलक वर्मा के शतक से मुंबई ने 199 रनों का अच्छा खासा स्कोर बना लिया। मैच के बाद गिल ने कहा कि हमारी टीम मुम्बई के बल्लेबाजों को रोक नहीं पायी। पिच थोड़ी धीमी थी जिस पर हमने काफी रन लुटा दिये पर इसके बाद भी हमें इस मैच से काफी कुछ सीखने को मिला है। साथ ही कहा कि यह हार टीम के लिए एक सबक है। सभी को समझना होगा कि एक गलती उन्हें पीछे कर सकती है विशेषकर जब वे घरेल मैदान की जगह पर अन्य स्थलों पर उतरेंगे तब उन्हें सावधान रहना होगा। उन्होंने कहा, 'अब हमारे पास बाहर के कुछ मैच हैं, उम्मीद है कि हम फिर से जीत की राह पर लौटेंग। मुझे लगता है कि विकेट थोड़ा धीमा था। हम सही क्षेत्र में गेंदबाजी नहीं कर पाए। हमें मध्य के ओवरों में लगातार उसी लेंथ पर गेंदबाजी करनी चाहिए थी, जो हम नहीं कर पाए।' वहीं टीम बल्लेबाजी में भी असफल रही जबकि दूसरी पारी में ओस के कारण बल्लेबाजी थोड़ी आसान हो गई थी। इस मैच में मुंबई इंडियंस ने गुजरात को 99 रन से हराया. पहले बल्लेबाजी करते हुए मुंबई ने पांच विकेट पर 199 रन बनाये। इसके बाद जीत के लिए मिले 200 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए गुजरात टीम 100 रन ही बना पायी। इस मैच में जीत के साथ ही मुम्बई की पिछले चार मैचों से हार का सिलसिला जरुर थम गया है।

बुमराह को लंबे इंतजार के बाद मिला सत्र का पहला विकेट, प्रशंसक भी उत्साहित हुए

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुजरात टाइटंस के खिलाफ मुकाबले में मुम्बई इंडियंस के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को आखिरकार विकेट मिल ही गया। बुमराह को ये विकेट लंबे इंतजार के बाद मिला है। इस सत्र का ये उनका पहला विकेट है। बुमराह ने पहले ही ओवर में गुजरात के सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन का विकेट लिया। बुमराह को आईपीएल में 325 दिनों के बाद ये विकेट मिला है। उनके इस विकेट पर प्रशंसक भी उत्साहित दिखे। इससे पहले उन्होंने आईपीएल में अपना अंतिम विकेट 2025 क्वालीफायर के दौरान लिया था। बुमराह के इस विकेट से टीम को शुरुआती सफलता मिली और विरोधी टीम पर दबाव बनाने में मदद मिली। यह सिर्फ एक विकेट नहीं था, बल्कि लगभग एक साल के इंतजार के बाद आईपीएल में उनकी वापसी का संकेत था, जो प्रशंसकों के लिए किसी त्योहार से कम नहीं था।

बुमराह ने आईपीएल में अपना अंतिम विकेट 2023 के क्वालीफायर मुकाबले के दौरान लिया था। उसके बाद चोट के कारण उन्हें काफी समय तक क्रिकेट से दूर रहना पड़ा। इस लंबे ब्रेक और फिर मैदान पर जोरदार वापसी ने उनके हर प्रदर्शन को और भी महत्वपूर्ण बना दिया है। यही कारण है कि उनके इस पहले विकेट पर फैंस का उत्साह चरम पर था

इस विकेट की एक और दिलचस्प बात यह है कि इसका मूल्य लगभग 26 लाख रुपये आंका गया है। यह कोई वेतन या नीलामी राशि नहीं है, बल्कि एक विशेष डेटा-आधारित मूल्यांकन है। क्रिकेट विश्लेषकों और डेटा वैज्ञानिकों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले बॉल-लेवल डेटा के अनुसार, सुदर्शन जैसे शीर्ष और प्रभावशाली बल्लेबाज का विकेट लेना, खासकर पारी की शुरुआत में, खेल के परिणामों पर बड़ा प्रभाव डालता है। डिलीवरी का बॉलर-बॉल इम्पैक्ट स्कोर 15.449 रहा, जिसे मौजूदा मैच कन्वर्जन रेट से गुणा करने पर लगभग 25.60 लाख रुपये का मौद्रिक मूल्य प्राप्त होता है।

चेन्नई के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ पर है दबाव : अश्विन

मुम्बई । पूर्व भारतीय क्रिकेटर रविचंद्रन अश्विन ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ के खराब प्रदर्शन को लेकर कहा है कि गायकवाड़ इस समय काफी दबाव में हैं, जिसके चलते वे न तो सही निर्णय ले पा रहे हैं और न ही अपनी बल्लेबाजी में प्रभाव छोड़ पा रहे हैं। इसी कारण सीएसके की हालत भी खराब है और अंकतालिका में काफी नीचे है। इस सत्र में ऋतुराज अब तक खेली गई छह पारियों में केवल 82 रन बना पाये हैं, जिसमें उनका औसत सिर्फ 13.67 रहा है। यह आंकड़ा एक कप्तान और प्रमुख बल्लेबाज के लिए निराशाजनक है और टीम प्रबंधन के साथ-साथ प्रशंसकों के लिए भी चिंता का विषय बन गया है। हाल ही में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ हुए मुकाबले में भी गायकवाड़ बड़ी पारी खेलने में विफल रहे। इस मैच में गायकवाड़ ने 13 गेंदों पर सिर्फ 19 रन बनाए। हालांकि युवा बल्लेबाज आयुष ने पावरप्ले में टीम को अच्छी शुरुआत दी थी, लेकिन उनके आउट होने के बाद मध्यक्रम दबाव में आ गया, जिसका असर गायकवाड़ की बल्लेबाजी पर भी साफ दिखा और रन गति धीमी पड़ गई। इससे अंत में टीम के हाथ से मैच निकल गया। अश्विन ने गायकवाड़ की खराब फॉर्म की असली वजह बताते हुए कहा, इस मैच में उनके लिए रन बनाने का सबसे अच्छा अवसर था। उन्हें ज्यादा जोखिम लेने की जरूरत नहीं थी क्योंकि टीम पहले ही अच्छी शुरुआत कर चुकी थी। वह समय लेकर अपनी पारी को संभाल सकते थे पर ऐसा नहीं कर पाये। उन्होंने आगे कहा, मुझे ऐसा लगता है कि वह काफी दबाव में हैं और उनका दिमाग सही फैसले नहीं ले पा रहा है।गायकवाड़ से ही टीम को उनसे सबसे ज्यादा उम्मीदें हैं और उनके असफल होने से अन्य खिलाड़ियों पर भी विपरीत प्रभाव पड़ा है। सीएसके ने सीजन की शुरुआत तीन लगातार हार के साथ की थी, हालांकि बाद में दो मैच जीतकर वापसी की, लेकिन सनराइजर्स के खिलाफ मिली हार ने एक बार फिर टीम का मनोबल गिरा दिया है। अश्विन के अनुसार टीम की कमान संभालने का बोझ और व्यक्तिगत प्रदर्शन में गिरावट से भी गायकवाड़ के खेल पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के मार्गदर्शन की कमी भी उन्हें महसूस हो रही है। इससे उनकी उनकी मानसिक स्थिति प्रभावित हुई है।अब सीएसके का अगला मुकाबला 23 अप्रैल को मजबूत मुंबई इंडियंस के खिलाफ है। इसमें कप्तान को पूरी ताकत से उतरना होगा। प्लेऑफ की दौड़ में बने रहने के लिए टीम के लिए इस मैच में जीत जरुरी है। ऐसे में गायकवाड़ को बड़ी पारी खेलकर अपनी टीम को जीत दिलानी होगी। जिससे की उसका अभियान पटरी पर आ सके।

जोकोविच बोले, विराट हैं मेरे अच्छे दोस्त, उनके कारण क्रिकेट को फॉलो कर रहा

-भारत आने की भी इच्छा जतायी

मैड्रिड (एजेंसी)। सर्बियाइ टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच ने कहा है कि वह विराट कोहली के बड़े प्रशंसक हैं और उन्हीं के कारण क्रिकेट को फॉलो करते हैं। जोकोविच के अनुसार सर्बिया में लोग क्रिकेट के बारे में अधिक नहीं जानते पर विराट से मेरी काफी अच्छी दोस्ती है। विराट कोहली भी समय-समय पर जोकोविच के मैचों को देखने पहुंचते हैं। जोकोविच ने कहा कि जब भी वह कभी भारत जाएंगे तो कोहली उनके साथ जरूर रहेंगे। जोकोविच ने जल्द ही भारत आने की भी बात कही। मैड्रिड में लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स अवॉर्ड्स 2026 समारोह के दौरान इस टेनिस स्टार ने कहा, विराट कोहली मेरे करीबी दोस्त हैं वह ऐसे शख्स हैं जिनका मैं सम्मान करता हूं, प्रशंसा करता हूं। ईमानदारी से कहें तो उनकी वजह से ही मैंने क्रिकेट को फॉलो करना शुरू किया। मैंने पहले भी इसे फॉलो किया पर उनके जरिये और ज्यादा फॉलो करने शुरू किया। हम संपर्क में रहते हैं और उम्मीद करता हूं कि मैं जब भी आऊंगा वह मेरे साथ हो सकते हैं। हम थोड़ा बहुत टेनिस खेलेंगे और थोड़ा बहुत क्रिकेट। मस्ती करेंगे और खेल का आनंद लेते हुए सकारात्मक और अच्छी बातें फैलाएंगे।

जोकोविच ने कहा कि वह भारत के भी प्रशंसक हैं। साथ ही कहा कि वह जल्द ही भारत आना चाहते हैं। जोकोविच ने कहा, मुझे व्यक्तिगत तौर पर भारतीय टेनिस और दुनियाभर के खेलप्रेमियों से जो समर्थन मिलता रहा है उस पर मेरा हमेशा प्यार, सम्मान और तारीफ का संदेश रहेगा। मेरा संदेश यह भी होगा- बहुत जल्द आपसे भारत में मिलेंगे क्योंकि मुझे वहां जाने की जरूरत है। मैं पिछले कुछ सालों से भारत जाने की अच्छा रखता हूं। मैं खुद को भारतीय लोगों के बहुत करीब पाता हूं। लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स अवॉर्ड्स 2026 की बात करें तो मैड्रिड में हुए इस भव्य समारोह में टेनिस का दबदबा रहा। कार्लोस अल्काराज और एरिना सबालेंका को क्रमशः स्पोर्ट्समैन और स्पोर्ट्समैन ऑफ द ईयर के सम्मान से नवाजा गया।

अफगानिस्तान के स्टार स्पिनर राशिद बोले, मुझे भारत और ऑस्ट्रेलिया ने दिया था खेलने का प्रस्ताव

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। अफगानिस्तान के स्टार स्पिनर राशिद खान ने कहा है कि उन्हें भारतीय ओर ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट से खेलने के साथ ही नागरिकता का प्रस्ताव मिला था पर उन्होंने उसे ठुकरा दिया था क्योंकि वह अपने ही देश अफगानिस्तानी की ओर से खेलना चाहते थे। राशिद के अनुसार वह अपने देश से प्यार करते हैं और उसके लिए समर्पित हैं। राशिद खान ने ये खुलासा अपनी किताब 'राशिद खान- फ्रॉम स्ट्रीट्स टू स्टारडम' में किया है। उन्होंने कहा कि साल 2023 आईपीएल सीजन के दौरान उन्हें अनौपचारिक रूप से प्रस्ताव मिले थे पर मैंने ठुकरा दिये थे। इस किताब में राशिद के हवाले से लिखा है, ÷मुझे ऑस्ट्रेलिया और भारत दोनों से खेलने के प्रस्ताव मिले थे पर मैंने इससे इंकार करते हुए कहा था कि मैं किसी अन्य देश के लिए नहीं खेलूंगा.÷

उन्होंने कहा कि तब आईपीएल के दौरान ही भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक बड़े अधिकारी ने कहा था कि आपके देश अफगानिस्तान की हालत ठीक नहीं है अगर आप चाहें तो भारत में खेल सकते हैं। इससे मैं हैरान हो गया पर मैंने उन्हें साफ तौर पर मना कर दिया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वह अपने वतन अफगानिस्तान से बेहद प्यार करते हैं और उसके लिए पूरी तरह समर्पित हैं। उनके लिए, किसी अन्य देश का प्रतिनिधित्व करना उनके अपने देश के गौरव और पहचान से समझौता करने जैसा होता, जिसे वह कभी स्वीकार नहीं कर सकते थे।यह घटना राशिद के चरित्र और उनके मूल्यों को उजागर करती है। एक ऐसे समय में जब कई खिलाड़ी बेहतर अवसरों और सुविधाओं के लिए राष्ट्रीयता बदलने पर विचार करते हैं, राशिद का अपने देश के प्रति यह अटूट समर्पण एक प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत करता है। उनका यह निर्णय न केवल अफगानिस्तान के क्रिकेट समुदाय के लिए गर्व का विषय है, बल्कि दुनिया भर के खेल प्रेमियों के लिए भी देश प्रेम का एक मजबूत संदेश है।

युवाओं के दम पर पंजाब किंग्स अब किसी एक खिलाड़ी पर निर्भर नहीं : मॉर्गन

लंदन । इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान इयोन मॉर्गन ने आईपीएल सत्र में पंजाब किंग्स टीम के अच्छे प्रदर्शन की प्रशंसा करते हुए कहा है कि अब यह टीम अपने कप्तान या किसी एक एक खिलाड़ी पर निर्भर नहीं है, बल्कि युवा प्रतिभाओं के प्रदर्शन पर निर्भर है। मॉर्गन ने कहा है पंजाब किंग्स का ये अंदाज काफी अनूठा है। टीम बहुत ही मजबूत स्थिति में पहुंच गई है जिसमें हर खिलाड़ी अपनी भूमिका निभाना जानता है। टीम में इतनी गहराई है कि वह 230 से 240 रनों का लक्ष्य भी हासिल कर सकती है।। उन्होंने जोर दिया कि इससे प्रमुख खिलाड़ियों पर से अनावश्यक दबाव कम गया है। मॉर्गन ने आगे कहा, जब बाकि बल्लेबाजी इकाई अच्छा प्रदर्शन कर रही होती है, तो टीम पर से दबाव कम होता ही है। उन्होंने युवा बल्लेबाज प्रियांश आर्य ने जिस प्रकार से बल्लेबाजी की है उससे पता चलता है कि टीम में कितन आत्मविश्वास है। वह एक ऐसे खिलाड़ी के तौर पर सामने आते हैं जो साफ सोच रखते हैं और समय के साथ मिलने वाले अवसरों का पूरा लाभ उठा रहे हैं।